केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 222

उज्जैन, बुधवार 21 जनवरी 2026

पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

सुविचार

निंदा करने वाला व्यक्ति सज्जन को बदनाम कर सकता है, लेकिन खुद सज्जन नहीं बन सकता

भारत की आर्थिक मजबूती के लिए महत्वपूर्ण मंच है वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरमः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नई दिल्ली से दावोस रवाना होने के पहले दिया संदेश

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हम दावोस इस उद्देश्य के साथ जा रहे है कि हमारे युवाओं को रोजगार मिले और उत्पाद सही ढंग से बाजार तक पहुंचे और मध्यप्रदेश आर्थिक रूप से सम्पन्न बने। हमारा मार्गदर्शक सिद्धांत है कि इन प्रयासों से हमारा प्रदेश समृद्ध हो मध्यप्रदेश में निवेश की सभी तरह की संभावनाएं हैं। अच्छी टेक्नॉलोजी को लागू करने के लिए विश्व के प्रमुख उद्यमियों को आमंत्रित करने की जरूरत है। रोजगारपरक कामों के लिए सभी का साथ होना आवश्यक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को नई दिल्ली से वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की बैठक में शामिल होने के लिये दावोस रवाना होने से पहले टीवी चैनल प्रतिनिधियों से चर्चा कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत की आर्थिक मजबूती के लिए यह श्रेष्ठ फोरम है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम जैसे आयोजन में मध्यप्रदेश की सहभागिता उल्लेखनीय रहेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आर्गेनिक एग्रीकल्चर एक बड़ा सेक्टर है जिसमें फूड से लेकर कई क्षेत्रों में व्यापार की संभावनाएं हैं। कॉटन से लेकर अन्य कई क्षेत्रों में व्यापार-व्यवसाय के उन्नयन की संभावनाएं हैं। इन संभावनाओं को साकार किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में निवेश के लिए हर तरह के अवसर मौजूद हैं। हमें बेहतर तकनीक को अपनाने के लिए उद्योग क्षेत्र को प्रोत्साहित करना होगा। रोजगार सृजन करने वाली गतिविधियों को बढ़ावा देना होगा और जैविक कृषि क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करना होगा, जो खाद्य पदार्थों से लेकर अन्य उद्योगों तक कई क्षेत्रों को कवर करता है। कपास उत्पादन से लेकर वस्त्र निर्माण के अलावा अन्य कई क्षेत्रों में व्यापार और वाणिज्य के विकास के अवसर मौजूद हैं।

प्रत्येक राज्य को आगे बढ़ने का अवसर- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत चौथा स्थान हासिल करते हुए अब विश्व की तीसरी सबसे सशक्त अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। इस प्रकार से बदलते समय में देश के प्रत्येक राज्य के पास आगे बढ़ने के सुनहरे अवसर है। अन्य राज्यों को भी वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम जैसे वैश्विक आयोजन में शामिल होना चाहिए, जहां राज्यों को औद्योगिक निवेश प्राप्त करने का व्यापक अवसर मिलता है।

जीआईएस के 30 प्रतिशत प्रस्ताव धरातल पर- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पिछले साल भोपाल में हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 के बेहतर परिणाम सामने आए हैं। मध्यप्रदेश को देश-विदेश से जो निवेश मिले उसका 30 प्रतिशत धरातल पर उतारा जा चुका है। केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने गत 25 दिसंबर में ग्वालियर में आयोजित अभ्युदय मध्यप्रदेश ग्रोथ समिट में एक साथ 2 लाख करोड़ से अधिक लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन किया था। इस प्रकार से कुल 8.5 लाख करोड़ के औद्योगिक विकास कार्य धरातल पर आ गए हैं, आगे भी कार्य जारी हैं। यह मध्यप्रदेश की ग्रोथ को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने वर्ष 2026 को प्रदेश के किसानों की समृद्धि के लिए समर्पित किया है। मध्यप्रदेश में कृषि विकास और उससे संबंधित उद्योगों की अपार संभावनाएं हैं। मध्यप्रदेश निश्चित रूप से खाद्य प्रसंस्करण, मत्स्य उत्पादन, उद्यानिकी एवं दुग्ध उत्पादन में अग्रणी राज्य बनेगा।

न्यूज ब्रीफ

बहराइच में 16 मकानों पर चला बुलडोजर, सरकारी जमीन पर घर बनाकर 20 साल से रह रहे थे लोग

बहराइच/ जीएनएस। नानपारा इलाके में तालाब व खलिहान की जमीन पर बने 16 मकानों पर मंगलवार को जिला प्रशासन का बुलडोजर चला। करीब दो दशक से सरकारी जमीनों पर ग्रामीणों का कब्जा रहा। कब्जा हटने से खाली पांच बीघा जमीन को जिला प्रशासन ने अपने कब्जे में ले लिया है। न्यायालय के निर्देश पर प्रशासन की इस कार्रवाई से अन्य कब्जेदारों में दहशत है। नानपारा तहसील ग्राम इमामनगर गड़रहवा में गाटा संख्या- 280 रकबा 0.1900 की जमीन राजस्व अभिलेख में खलिहान के नाम दर्ज है। इसके अलावा गाटा संख्या 68 रकबा 0.154 तालाब के नाम दर्ज है। एसडीएम ने बताया कि खलिहान की जमीन पर गांव के ग्रामीणों ने मकान बनाकर कब्जा कर लिया। सरकारी जमीन पर कुल 16 लोगों ने अवैध कब्जा कर मकान का निर्माण करवा लिया था। इसके लिए सभी को नोटिस दी गई। बावजूद इसके कब्जा नहीं हटा। जिस पर न्यायालय के आदेश पर दोपहर में बुलडोजर कार्रवाई कर सभी कब्जे को ध्वस्त करवा दिया गया। पुलिस और एसएसबी जवानों की मौजूदगी में कब्जा हटवाया गया। एसडीएम ने बताया कि खलिहान व तालाब की जमीन से पांच बीघा जमीन खाली हुई है। जिसे कब्जे में ले लिया गया है। उन्होंने बताया कि यह सभी 20 वर्ष से जमीन पर कब्जा जमाए हुए थे। इस दौरान नायब तहसीलदार अक्षय पांडेय, नवाबगंज थानाध्यक्ष रमाशंकर यादव, राजस्व निरीक्षक सनाउल्लाह, लेखपाल मौजूद रहे।

अब इन गाड़ियों को नहीं मिलेगा फिटनेस सर्टिफिकेट-NOC

नई दिल्ली/ जीएनएस। राष्ट्रीय राजमार्गों पर सफर करने वाले वाहन मालिकों के लिए यह एक महत्वपूर्ण खबर है। केंद्र सरकार ने टोल टैक्स की वसूली को अधिक पारदर्शी और सख्त बनाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। अब यदि आपके वाहन पर टोल का बकाया है, तो आप न तो गाड़ी की एनओसी ले पाएंगे और न ही उसका फिटनेस सर्टिफिकेट रिन्यू करा सकेंगे। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने केंद्रीय मोटर वाहन (द्वितीय संशोधन) नियम, 2026 को अधिसूचित कर दिया है। यह नया नियम केंद्रीय मोटर वाहन नियमावली, 1989 में महत्वपूर्ण बदलाव लाता है। इसका मुख्य उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह को मजबूत करना और टोल चोरी को पूरी तरह समाप्त करना है। नए नियमों के तहत, सरकार ने टोल के लंबित भुगतान को सीधे वाहन से जुड़ी अनिवार्य सेवाओं से जोड़ दिया है। अब निम्नलिखित प्रक्रियाओं के लिए टोल का बेदाग रिकॉर्ड होना अनिवार्य होगा। अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) - यदि आप अपना वाहन किसी दूसरे व्यक्ति को बेचना चाहते हैं या एक राज्य से दूसरे राज्य में ट्रांसफर करना चाहते हैं, तो जब तक सारा बकाया टोल नहीं चुकाया जाता, तब तक आपको एनओसी जारी नहीं की जाएगी। वाहनों की सुरक्षा और मानक जांच के लिए जरूरी सर्टिफिकेट ऑफ फिटनेस को तब तक रिन्यू नहीं किया जाएगा, जब तक अनपेड यूजर फी का भुगतान नहीं हो जाता। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि अनपेड यूजर फी का अर्थ उस टोल शुल्क से है, जिसे इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह सिस्टम ने रिकार्ड तो किया है, लेकिन राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम, 1956 के तहत उसका भुगतान प्राप्त नहीं हुआ है।

सड़क किनारे मिला नवजात का सिर, शरीर के बाकी हिस्सों की तलाश जारी; इलाके में सनसनी

पटना/ जीएनएस। नदी थाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां सड़क किनारे दो से तीन माह के नवजात का कटा हुआ सिर मिला है। यह भयावह दृश्य देखकर आसपास की भीड़ भी सिहर उठी। घटनास्थल पर ग्रामीण एसपी कुंदन कुमार, फतुहा डीएसपी अवधेश कुमार, नदी थानाध्यक्ष शंकर कुमार सहित अन्य पुलिस कर्मी पहुंच थे। नवजात के सिर को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए पीएमसीएच भेजा दिया है। घटनास्थल को सुरक्षित किया गया। आसपास के लोगों से घटना के संबंध में पूछताछ किया गया। एफएसएल की टीम भी मौके पर पहुंची थी, जो खून के नमूने एवं अन्य साक्ष्य को एकत्रित की। नवजात के शरीर के दूसरे हिस्से की खोजबीन में जुटी पुलिस श्वान दस्ता से भी मदद ले रही है। मामले में नदी थाना में धारा 103(1)/238 भारतीय न्याय संहिता 2023 दर्ज किया गया है। ग्रामीण एसपी ने बताया बताया कि एफएसएल की टीम को मौके पर भेजा गया था। पूरे मामले की जांच के लिए एसआइटी का गठन किया गया है, जो सभी बिन्दुओं पर छानबीन कर रही है। सोमवार की शाम करीब छह बजे नदी थाना पुलिस को सूचना मिली कि कच्ची दरगाह सेन्ट्रल बैंक के पास एक मसाला दुकान के सामने सड़क किनारे दो-तीन माह के नवजात का सिर पड़ा है। ग्रामीण एसपी के निर्देश पर थानाध्यक्ष ने तत्काल पुलिसकी एक टीम को घटनास्थल भेजा, जहां शिशु का सिर पाए जाने की सूचना सत्यापित हुई। घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा हो गई थी, जिसे तत्काल हटाकर इलाके को सील कर दिया गया। इस संबंध में आसपास के लोगों से पूछताछ की गई और शिशु की पहचान का प्रयास किया गया, लेकिन पहचान नहीं हो सकी।

सुप्रीम कोर्ट से पंजाब केसरी को राहत, प्रिंटिंग प्रेस का संचालन जारी रखने का दिया आदेश

नई दिल्ली/ जीएनएस। पंजाब में बिजली काटे जाने से अखबार बंद होने की आशंका का सामना कर रहे पंजाब केसरी समूह के हक में सुप्रीम कोर्ट ने महत्वपूर्ण अंतरिम आदेश दिया है। शीर्ष अदालत ने अबाधित रूप से प्रिंटिंग प्रेस जारी रखने का अंतरिम आदेश दिया है। कोर्ट ने प्रिंटिंग प्रेस जारी रखने के और बाकी संपत्तियों में यथास्थिति कायम रखने का आदेश देते हुए कहा कि यह अंतरिम आदेश हाई कोर्ट का फैसला आने के एक सप्ताह बाद तक लागू रहेगा।

पंजाब केसरी समूह की याचिका पर मंगलवार को तत्काल सुनवाई करते हुए कोर्ट ने ये आदेश दिये। मंगलवार को पंजाब केसरी अखबार समूह की ओर से पेश वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष मामले का जिक्र करते हुए तत्काल मंगलवार को ही सुनवाई करने का अनुरोध किया।

रोहतगी ने कहा कि यह मामला बहुत महत्वपूर्ण है इसमें पंजाब केसरी अखबार समूह ने मंगलवार की सुबह ही यह याचिका दाखिल की है। उन्होंने कहा कि पंजाब केसरी अखबार ने पंजाब की वर्तमान सरकार के खिलाफ एक लेख छापा है जिसके कारण उसके खिलाफ कार्रवाई की गई है। उनका प्रेस और होटल बंद कर दिया गया है। एक लेख के कारण प्रेस नहीं बंद किया जा सकता।

रोहतगी ने कहा कि प्रेस की बिजली काट दी गई है ऐसे में अखबार नहीं छप पाएगा। उनके समूह ने पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की है हाई कोर्ट ने मामले पर सुनवाई करके फैसला सुरक्षित रख लिया है लेकिन कोई अंतरिम राहत नहीं दी है। रोहतगी दलीलों पर कोर्ट ने अदालत में पहले से मौजूद पंजाब सरकार के वकीलों से कहा कि होटल व्यवसायिक यूनिट हो सकती है वो एक दो दिन बंद रह सकता है लेकिन प्रेस क्यों बंद किया गया।

अरावली मामलाः कुंभलगढ़ अभयारण्य के आसपास का क्षेत्र इको-सेंसिटिव जोन घोषित

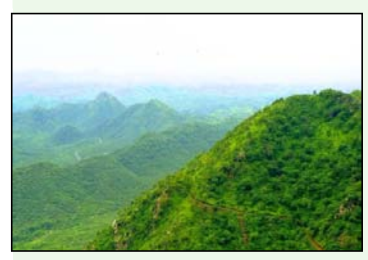

नई दिल्ली/ जीएनएस। अरावली संरक्षण की दिशा में केंद्र ने एक और बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने अरावली रेंज में स्थित राजस्थान के कुंभलगढ़ वन्यजीव अभयारण्य के आस-पास के शून्य से एक किमी क्षेत्र को इको-सेंसटिव जोन घोषित किया है। इस फैसले से इस क्षेत्र में अब किसी भी तरह के उद्योग या उससे जुड़ी गतिविधियां संचालित नहीं हो सकेगी। साथ ही इससे अरावली संरक्षण के प्रयासों को भी और मजबूती मिलेगी।

वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने इसे लेकर अधिसूचना भी जारी कर दी है। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने मंगलवार को इंटरनेट मीडिया पर इस फैसले की जानकारी साझा करते हुए कहा कि इस पहल से अरावली रेंज के संरक्षण को लेकर चल रहे प्रयासों को मदद मिलेगी बल्कि इस क्षेत्र की समृद्ध जैव विविधता के फलने-फूलने में मदद मिलेगी।

तीसरे विश्व युद्ध के लिए भारत तैयारः हाई टेक हथियारों से लैस होना जरूरी

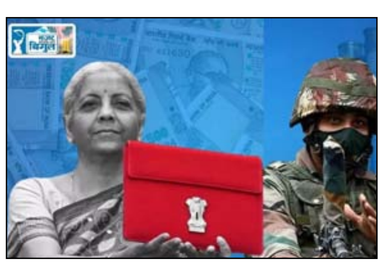

नई दिल्ली/ जीएनएस। देश का 2026-27 का आम बजट ऐसे समय में आने जा रहा जब वर्तमान वैश्विक व्यवस्था वस्तुतः द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सबसे तीव्र अस्थिरता, अनिश्चितता ही नहीं बल्कि गंभीर सुरक्षा तथा सैन्य खतरों से रूबरू हो रही है।

उथल-पुथल के ऐसे दौर में भारत जैसे उभरती वैश्विक ताकत के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा केवल अपनी सीमाओं की सुरक्षा तक ही सीमित नहीं रह गई है।

वैश्विक अस्थिरता में भारत की बहुआयामी रक्षा चुनौतियां - पड़ोसी देशों के साथ जटिल संबंधों तथा लंबी समुद्री सीमाएं भारत की बढ़ती रक्षा जरूरतों को अपरिहार्य बना रही हैं। युद्ध के बदलते स्वरूप तथा तीव्र आधुनिक टेक्नोलॉजी पर आधारित हथियारों-उपकरणों ने देश की रक्षा चुनौतियां को बहुआयामी बना दिया है।

ऐसे में तात्कालिक रक्षा उपकरणों-हथियारों की खरीद तथा तकनीकी अपग्रेडेशन ही इन बहुआयामी चुनौतियों का समाधान नहीं है बल्कि आधुनिकीकरण के साथ सेनाओं को नए दौर के वारफेयर से लैस करना जरूरी हो गया है।

पारंपरिक से हाइब्रिड युद्ध के खतरे आपरेशन सिंदूर, अमेरिका का ईरान पर हमला या फिर रूस-यूक्रेन तथा गाजा में इजरायल-हमास के ताजा युद्धों ने साबित किया है कि अब निर्णायक जंग आकाश में ही लड़े जाएंगे।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरनंद को नोटिस देना हिन्दू धर्म पर हमलाः कांग्रेस

नई दिल्ली/ जीएनएस। कांग्रेस ने प्रयागराज माघ मेले में दुर्व्यवहार के बाद ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को नोटिस दिए जाने पर गंभीर आपत्ति जताते हुए इसे हिंदू धर्म पर हमला करार दिया है। पार्टी ने कहा है कि भाजपा सरकार द्वारा आधी रात को स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को नोटिस भेजकर यह कहना कि वह उन्हें शंकराचार्य नहीं मानती यह घमंड की पराकाष्ठा है।

ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य के साथ हुए अभद्र व्यवहार पर कांग्रेस कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए पार्टी मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि हिंदू समाज समेत पूरा देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मौन को देख रहा है और इसके लिए उन्हें माफ नहीं करेगा।

भाजपा में नवीन युग का आरंभः पीएम बोले- पार्टी मे मेरे भी बॉस नवीन, क्या होंगी चुनौतियां?

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक इतिहास में मंगलवार का दिन एक नए अध्याय के रूप में दर्ज हो गया, जब 45 वर्षीय नितिन नवीन ने देश की सबसे बड़ी पार्टी के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण किया।

भाजपा मुख्यालय में आयोजित समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वयं नवीन को अध्यक्ष की कुर्सी पर विराजमान कराया, मिठाई खिलाकर बधाई दी और कार्यकर्ताओं के सामने स्पष्ट संदेश दिया कि पार्टी के मामलों में अब नितिन नव मेरे बॉस हैं और मैं कार्यकर्ता हूं।

नितिन नवीन ने भाजपा के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार संभाला- इस प्रतीकात्मक वक्तव्य ने भाजपा की कार्यकर्ता-प्रधान संस्कृति और संगठनात्मक अनुशासन को स्पष्ट रूप से फिर रेखांकित किया। संगठन पर्व के समापन के साथ बूथ से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक चले चुनावी प्रक्रिया के बाद नवीन को अध्यक्ष घोषित किया गया।

सोमवार को पार्टी में केवल उनका ही नामांकन हुआ था लिहाजा मतदान की जरूरत ही नहीं पड़ी। पदभार ग्रहण करने के बाद नितिन ने प्रधानमंत्री मोदी और पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार जताते हुए कहा कि उनके लिए राजनीति सत्ता का साधन नहीं, बल्कि राष्ट्रसेवा की साधना है।

एक साधारण कार्यकर्ता के रूप में इस दायित्व को स्वीकार कर रहा हूं और संगठन की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए पूरी निष्ठा से काम करूंगा।

पार्टी में अब नितिन नवीन मेरे बॉस हैं: PM मोदी- प्रधानमंत्री मोदी ने अपने लगभग 40 मिनट के संबोधन में बार-बार नवीन को माननीय कहकर संबोधित किया और कहा कि नए अध्यक्ष के सामने वह अपनी सरकार और संगठनात्मक प्रयासों का लेखा-जोखा प्रस्तुत कर रहे हैं।

अब वे मेरी भी सीआर लिखेंगे। प्रधानमंत्री के इस बयान को कार्यकर्ताओं ने तालियों के साथ सराहा। मोदी ने कहा कि भाजपा में नेतृत्व बदलता है, लेकिन दिशा और सिद्धांत नहीं बदलते।

जनसुनवाई बनी दिव्यांग परिवार के लिए मददगार

दिव्यांग दम्पत्ति सुनील और देवकन्या बाई के आवास का सपना हुआ साकार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार इंदौर में प्रति मंगलवार आयोजित की जा रही जनसुनवाई आम नागरिकों के लिए राहत का प्रभावी अवसर बन रही है। इसी क्रम में आज कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की विशेष उपस्थिति में संपन्न जनसुनवाई में अनेक आवेदनों का त्वरित निराकरण किया गया। जिन मामलों का समाधान मौके पर संभव नहीं हो सका, उनके लिए समय-सीमा निर्धारित की गई।

जनसुनवाई के दौरान दिव्यांग दम्पत्ति श्री सुनील पांडे और श्रीमती देवकन्या बाई पांडे ने कलेक्टर श्री शिवम वर्मा से मुलाकात कर अपनी समस्या रखी। उन्होंने बताया कि शासन की योजना के तहत उन्हें ऑटो रिक्शा प्राप्त हुआ, जिससे उनका रोजगार सुदृढ़ हुआ और उन्होंने नियमित रूप से किस्तें भी जमा कर दी हैं। वर्तमान में वे गौरी नगर में किराए के मकान में निवासरत हैं। यदि पक्का आवास मिल जाए तो बच्चों की पढ़ाई-लिखाई सहित भविष्य की योजनाओं में उन्हें बड़ी सहूलियत होगी। कलेक्टर श्री वर्मा ने प्रकरण को गंभीरता से सुनते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवास स्वीकृत करने के निर्देश दिए। दम्पत्ति ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनसुनवाई के माध्यम से उनके पक्के आवास का सपना साकार होने जा रहा है।

जनसुनवाई में आज पारिवारिक एवं संपत्ति विवाद, शिक्षा तथा रोजगार से जुड़े अनेक आवेदन भी प्राप्त हुए, जिनका मौके पर ही निराकरण सुनिश्चित किया गया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री नवजीवन विजय पवार, श्री रिंकेश वैश्य सहित अन्य संबंधित अधिकारियों ने भी जनसुनवाई की।

संकल्प से समाधान अभियान के तहत वार्ड 49 में आयोजित शिविर व जल सुनवाई में पहुंचे महापौर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। माननीय मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार शहर के प्रत्येक वार्ड में संचालित किए जा रहे संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत आज महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने वार्ड क्रमांक 49 के महावीर बाग, तिलक नगर स्थित पानी की टंकी परिसर में आयोजित शिविर एवं जल सुनवाई में सहभागिता की। इस अवसर पर उन्होंने नागरिकों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना।

कार्यक्रम में क्षेत्रीय पार्षद एवं महापौर परिषद सदस्य श्री राजेश उदावत, महापौर प्रतिनिधि श्री विवेक सिंहा, संबंधित जोनल अधिकारी सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे। महापौर श्री भार्गव ने कहा कि शासन के निर्देशानुसार जनकल्याणकारी योजनाओं एवं नागरिक सेवाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समयबद्ध और सुचारू रूप से पहुंचाने के उद्देश्य से झोनवार एवं वार्डवार शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसके साथ ही जल से संबंधित समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए प्रत्येक मंगलवार को सभी वार्डों में जल सुनवाई आयोजित की जा रही है।

खाद्य विभाग द्वारा बड़ी कार्रवाई, इंदौर में 600 किलोग्राम अमानक खाद्य सामग्री जप्त

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर जिले में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देश पर खाद्य विभाग द्वारा अभियान चलाकर खाद्य पदार्थों में मिलावट करने, अवैध तथा अस्वच्छ वातावरण में खाद्य सामग्री बनाये जाने वालों के विरूद्ध कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा छोटा बांगड़दा क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की गई। खाद्य सुरक्षा विभाग के अमले यह कार्रवाई मुस्कान डेयरी, नमकीन एवं स्वीट्स प्रतिष्ठान पर की। इस दौरान प्रतिष्ठान में पनीर, घी में उपयोग होने वाली सामग्रियों में गंदगी इत्यादि होना पाया गया। खाद्य विभाग की टीम ने मौके से पनीर, क्रीम, तेल के नमूने लिए। साथ ही 150 किलोग्राम पनीर, 300 किलोग्राम क्रीम एवं 150 किलोग्राम घी शंका के आधार पर जप्त किया गया। मौके पर खाद्य लाइसेंस की शर्तों का पालन होना नहीं पाया गया। उक्त प्रतिष्ठान को सुधार किए जाने तक बंद कराया गया।

गौतमपुरा में शिकायत निवारण समिति की बैठक आयोजित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उपक्रम मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी द्वारा इंदौर जिले के गौतमपुरा नगर में जल प्रदाय परियोजना अंतर्गत कार्य किया गया है। परियोजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं नगर की जल प्रदाय व्यवस्था की नियमित मॉनिटरिंग के उद्देश्य से शिकायत निवारण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती मयूरी वर्मा, समिति सदस्?य श्री गगन बाहेती, श्री प्रमोद सक्सेना, उप परियोजना प्रबंधक श्री लालचंद कुरेठिया सहित सभी संबंधित मौजूद रहे। बैठक के दौरान जल आपूर्ति से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इसमें एस्क्रो अकाउंट के संचालन, 100 प्रतिशत उपभोक्ताओं को नई पाइपलाइन से जोड़ने, सभी जल कनेक्शनों के सत्यापन तथा प्रदाय किए जा रहे जल की मात्रा की जांच पर विशेष जोर दिया गया। इसके साथ ही आवश्यकता अनुसार अतिरिक्त पाइपलाइन बिछाने हेतु सर्वेक्षण, नागरिकों को जल के दुरुपयोग को रोकने के लिए जागरूक करने, तथा अन्य अधोसंरचना कार्यों के दौरान पाइपलाइन क्षति को रोकने हेतु समन्वय व्यवस्था सुदृढ़ करने पर भी चर्चा की गई। मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती मयूरी वर्मा ने कहा कि जल प्रदाय परियोजना की सतत निगरानी एवं समयबद्ध समाधान के माध्यम से नागरिकों को सुचारु एवं पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। बैठक का समन्वय सामुदायिक विकास अधिकारी सुश्री सपना दुबे ने किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव दावोस में पर्यटन क्षेत्र में निवेश पर केन्द्रित सत्र को करेंगे संबोधित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देश का हृदय प्रदेश मध्यप्रदेश पर्यटन के क्षेत्र में नए आत्मविश्वास, नई ऊर्जा और दूरदर्शी दृष्टिकोण के साथ वैश्विक स्तर पर अपनी सशक्त पहचान बना चुका है। प्रदेश, प्रकृति की अनुपम सुंदरता, समृद्ध ऐतिहासिक विरासत, गहन आध्यात्मिक आस्था और विविध वन्य जीवों का अद्भुत संगम है। इन्हीं विशेषताओं और निवेश संभावनाओं को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 21 जनवरी को दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में पर्यटन क्षेत्र में निवेश पर केंद्रित सत्र को संबोधित करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के ÷विकास भी, विरासत भी÷ के दूरदर्शी दृष्टिकोण से प्रेरित होकर मध्यप्रदेश ने पर्यटन को समावेशी और सतत विकास के सशक्त माध्यम के रूप में विकसित किया है। इसके परिणामस्वरूप हाल के वर्षों में प्रदेश में 13.30 करोड़ से अधिक पर्यटकों का आगमन दर्ज किया गया है, जो मध्यप्रदेश के प्रति बढ़ते राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय विश्वास को दर्शाता है।

आध्यात्मिक पर्यटन मध्यप्रदेश की प्रमुख पहचान के रूप में स्थापित हुआ है। उज्जैन स्थित श्री महाकालेश्वर मंदिर में 6.5 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं का आगमन हो चुका है। इसके साथ ही खजुराहो, सांची, ओरछा, महेश्वर, अमरकंटक और चित्रकूट जैसे ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थल देश-विदेश के पर्यटकों के प्रमुख आकर्षण केंद्र बने हुए हैं। राज्य सरकार द्वारा पर्यटन नीति-2025 एवं फिल्म पर्यटन नीति-2025 के माध्यम से निवेश प्रोत्साहन, रोजगार सृजन और सतत पर्यटन विकास को नई दिशा दी गई है। फिल्म पर्यटन नीति-2025 के अंतर्गत मध्यप्रदेश राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म निर्माण के लिए एक पसंदीदा डेस्टिनेशन के रूप में उभर रहा है, जिससे स्थानीय कलाकारों, तकनीशियनों और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं।

ग्रामीण पर्यटन को सशक्त बनाने के उद्देश्य से प्रदेश के 81 गांवों में 370 से अधिक होमस्टे विकसित किए गए हैं, जिन्हें 1000 तक विस्तारित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह पहल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के साथ-साथ स्थानीय समुदायों को प्रत्यक्ष आय और रोजगार उपलब्ध करा रही है।

पर्यटन अवसंरचना को मजबूत करने के लिए पीएम श्री पर्यटन वायु सेवा के अंतर्गत भोपाल, इंदौर, जबलपुर, उज्जैन, ग्वालियर, रीवा, सिंगरौली और खजुराहो को हवाई संपर्क से जोड़ा गया है। साथ ही पीएमश्री पर्यटन हेली सेवा के माध्यम से पर्यटकों को तेज़, सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। बेस्ट टूरिज्म स्टेट ऑफ द ईयर सहित 18 राष्ट्रीय पुरस्कार, यूनेस्को की टेंटेटिव लिस्ट में प्रदेश के 4 धरोहर स्थलों का शामिल होना और देश की 69 यूनेस्को धरोहरों में से 15 का मध्यप्रदेश में स्थित होना प्रदेश की वैश्विक पर्यटन क्षमता और प्रतिष्ठा को सुदृढ़ करता है। मध्यप्रदेश आज पर्यटन, परंपरा और प्रगति के संगम के साथ वैश्विक निवेशकों और पर्यटकों के स्वागत के लिए पूरी तरह तैयार है।

नो एंट्री का उल्लंघन करने वालों पर इंदौर पुलिस की लगातार सख्त कार्यवाही

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर शहर में सुगम, सुरक्षित एवं सुखद यातायात व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस कमिश्नर इंदौर के दिशा-निर्देशन में यातायात पुलिस द्वारा लगातार यातायात प्रबंधन का कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध निरंतर चालानी कार्यवाही भी की जा रही है।

इसी क्रम में दिनांक 19 जनवरी की सुबह से 20 जनवरी की सुबह तक नो एंट्री क्षेत्र में भारी वाहनों के प्रवेश पर सख्ती से कार्रवाई की गई। इस दौरान नो एंट्री का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध इंदौर पुलिस द्वारा कुल 5 वाहनों पर चालानी कार्यवाही की गई, जिसमें 25,000 रुपये का समन शुल्क वसूल कर शासन के खाते में जमा कराया गया।

कार्रवाई के दौरान संबंधित वाहन चालकों को भविष्य में प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों एवं यातायात नियमों का पालन करने की सख्त हिदायत भी दी गई। इंदौर पुलिस द्वारा यह स्पष्ट किया गया कि शहर की यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाए रखने और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आगे भी इस प्रकार की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत निर्माणाधीन परिसरों का आयुक्त ने किया निरीक्षण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल द्वारा आज सुपर कॉरिडोर के आगे बांगड़दा क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निर्माणाधीन सतपुड़ा परिसर, गिरनार परिसर एवं शिप्रा परिसर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त श्री अर्थ जैन, उपायुक्त श्री केशव सगर सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त श्री सिंघल ने आवासीय इकाइयों के निर्माण कार्यों की प्रगति का विस्तृत अवलोकन किया। इस दौरान कुछ परिसरों में निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा के अनुरूप पूर्ण न होने पर उन्होंने संबंधित ठेकेदारों को कड़ी फटकार लगाई और अनावश्यक देरी पर नाराजगी व्यक्त की। आयुक्त ने निर्माण कार्यों में तत्काल तेजी लाने तथा लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के स्पष्ट निर्देश दिए।

आयुक्त श्री सिंघल ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना शासन की अत्यंत महत्वपूर्ण एवं जनहितकारी योजना है, जिसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों की नियमित और प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए तथा गुणवत्ता के साथ समय-सीमा का विशेष रूप से पालन कराया जाए, ताकि पात्र हितग्राहियों को समय पर आवास उपलब्ध कराया जा सके।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने परिसरों में निवासरत नागरिकों से भी संवाद किया। नागरिकों द्वारा निर्माण कार्यों, मूलभूत सुविधाओं, साफ-सफाई, जलप्रदाय एवं अन्य व्यवस्थाओं से संबंधित समस्याएं रखी गईं, जिन्हें आयुक्त ने गंभीरता से सुना। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि नागरिकों की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए।

आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निर्मित किए जा रहे आवासों का उद्देश्य पात्र नागरिकों को सुरक्षित, गुणवत्तापूर्ण एवं सुविधायुक्त आवास उपलब्ध कराना है। इसके लिए सभी संबंधित विभागों एवं ठेकेदारों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए निर्धारित समय-सीमा में निर्माण कार्य पूर्ण करना अनिवार्य है।

इंदौर नगर में प्रदूषित जल आपूर्ति के घटनाक्रम की विस्तृत समीक्षा के लिए राज्य स्तरीय समिति गठित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर नगर में प्रदूषित जल आपूर्ति के घटनाक्रम की विस्तृत समीक्षा कर निष्कर्ष, सुझाव एवं अनुशंसाएं प्रस्तुत करने के लिए राज्य शासन ने अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन श्री संजय कुमार शुक्ल की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समिति का गठन किया है।

सामान्य प्रशासन विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। समिति में प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी श्री पी. नरहरि, आयुक्त संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास श्री संकेत भोडवे को सदस्य बनाया गया है। आयुक्त इंदौर संभाग, इंदौर डॉ. सुदाम खाड़े को सदस्य-सचिव नामित किया गया है।

समिति द्वारा भागीरथपुरा इंदौर में घटित घटना के वास्तविक कारणों एवं आवश्यक तथ्यों का परीक्षण करना एवं घटना से संबंधित प्रशासनिक, तकनीकी एवं प्रबंधनगत कमियों का विश्लेषण किया जायेगा। समिति घटना के लिए जिम्मेदार अधिकारियों/कर्मचारियों की जवाबदेही तय करना, भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो इस के लिए आवश्यक सुझाव देना और ऐसे अन्य विषय जो जाँच के अधीन मामलों में आवश्यक या अनुषांगिक समझे भी जाँच में शामिल कर सकेगी। समिति संबंधित विभागों से आवश्यक अभिलेख, प्रतिवेदन एवं जानकारी प्राप्त कर सकेगी तथा आवश्यकता होने पर स्थल निरीक्षण भी करेगी। समिति द्वारा जाँच प्रतिवेदन यथाशीघ्र किन्तु अधिकतम एक माह के भीतर राज्य शासन को प्रस्तुत किया जाएगा।

जनसुनवाई में पुलिस कमिश्नर इंदौर ने प्रत्येक आवेदक से किया संवाद, त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में आमजन की शिकायतों के त्वरित निराकरण एवं समस्याओं के प्रभावी समाधान के उद्देश्य से मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई के तहत पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा दिनांक 20 जनवरी 2026 को पुलिस कमिश्नर कार्यालय के सभागार में जनसुनवाई आयोजित की गई। इस अवसर पर पुलिस कमिश्नर ने स्वयं आम नागरिकों की शिकायतें सुनीं और उनके शीघ्र समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जनसुनवाई के दौरान कुल 57 शिकायत आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें प्रमुख रूप से पारिवारिक विवाद, आपसी विवाद, पैसों के लेन-देन से संबंधित मामले, फाइनेंशियल फ्रॉड, सुनवाई न होने की शिकायतें, प्लॉट एवं जमीन की धोखाधड़ी, महिला अपराधों से जुड़े प्रकरण एवं अन्य पुलिस संबंधी समस्याएं शामिल रहीं। पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह ने प्रत्येक आवेदक से व्यक्तिगत रूप से संवाद कर उनकी समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना और संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करते हुए निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पुलिस कमिश्नर ने नागरिकों को आश्वस्त किया कि इंदौर पुलिस आमजन की सुरक्षा, न्याय एवं हितों के संरक्षण के लिए सदैव प्रतिबद्ध है और उनकी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा।

महिला पुलिसकर्मियों के लिए पुलिस लाइन इंदौर में शक्ति विश्राम गृह एवं झूलाघर का शुभारंभ

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर पुलिस द्वारा पुलिस कर्मियों एवं उनके परिवारों के लिए चलाए जा रहे कल्याणकारी कार्यक्रमों के अनुक्रम में महिला पुलिसकर्मियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पुलिस लाइन इंदौर में एक शक्ति विश्राम गृह एवं झूलाघर का निर्माण किया गया है। इस नवीन सुविधा का शुभारंभ आज डीसीपी हेडक्वार्टर द्वारा किया गया।

इस शक्ति विश्राम गृह एवं झूलाघर की स्थापना का उद्देश्य ड्यूटी पर तैनात महिला पुलिसकर्मियों को अपने छोटे बच्चों की देखभाल को लेकर निश्चिंत वातावरण उपलब्ध कराना है। अब महिला पुलिसकर्मी अपने बच्चों को सुरक्षित रूप से यहां रखकर पूरी एकाग्रता के साथ अपनी ड्यूटी का निर्वहन कर सकेंगी। इसके साथ ही ड्यूटी के दौरान मिलने वाले अवकाश या ब्रेक के समय वे यहां कुछ समय विश्राम भी कर सकेंगी।

पश्चिम रेलवे द्वारा बांद्रा टर्मिनस एवं जबलपुर के बीच स्पेशल ट्रेन के फेरे पुनः विस्तारित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा यात्रियों की अतिरिक्त संख्या को समायोजित करने के उद्देश्य से रतलाम मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर ठहराव के साथ गुजरने वाली ट्रेन संख्या 02133/02134 बांद्रा टर्मिनस-जबलपुर साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन के फेरे विस्तारित करने का निर्णय लिया गया है।

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी श्री मुकेश कुमार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रेन संख्या 02133 बांद्रा टर्मिनस- जबलपुर स्पेशल तथा ट्रेन संख्या 02134 जबलपुर-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल को अगली सूचना तक विस्तारित किया गया है। ट्रेन संख्या 02133 के विस्तारित फेरों की बुकिंग 22 जनवरी, 2026 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी।

इंदौर में 'हेलमेट पहनें- सुरक्षित रहें' अभियान के तहत वृहद जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा सड़क सुरक्षा को लेकर आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से 'हेलमेट पहनेंङ्कसुरक्षित रहें' अभियान के अंतर्गत एक वृहद जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अभियान के माध्यम से वाहन चालकों को हेलमेट पहनने और यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया।

सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के दिशा-निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध/मुख्यालय) श्री आर.के. सिंह तथा पुलिस उपायुक्त (यातायात/जोन-4) श्री आनंद कलादगी के मार्गदर्शन में लगातार शहरभर में जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में 20 जनवरी 2026 को शहर के प्रमुख पलासिया चौराहे पर इंदौर ट्रैफिक पुलिस द्वारा हेलमेट जागरूकता अभियान आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह ने सड़क सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए वाहन चालकों को हमेशा हेलमेट पहनने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील की। इस अवसर पर ऐसे युवा, बुजुर्ग एवं जरूरतमंद दोपहिया वाहन चालकों, जिनके वाहन दस्तावेज पूर्ण थे, उन्हें हेलमेट वितरित किए गए। नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों के पहले चालान किए गए और फिर उन्हें समझाइश देते हुए सुरक्षा के उद्देश्य से हेलमेट प्रदान किए गए।

अभियान में कई ऐसे जिम्मेदार वाहन चालक भी शामिल हुए जो स्वेच्छा से हेलमेट पहनकर आए थे। पुलिस कमिश्नर एवं उपस्थित अधिकारियों ने ऐसे जागरूक चालकों की सराहना करते हुए उन्हें सम्मान स्वरूप उपहार प्रदान किए। लोगों में सड़क सुरक्षा के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने के लिए यातायात डिजिटल स्क्रीन पर सड़क दुर्घटनाओं और सुरक्षा से संबंधित वीडियो भी दिखाए गए, जिससे वाहन चालक नियमों की गंभीरता को समझ सकें।

पुलिस कमिश्नर ने वाहन चालकों से संवाद करते हुए कहा कि इंदौर शहर को सुगम और सुरक्षित यातायात व्यवस्था देने के लिए निरंतर नए-नए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य यही है कि नागरिक स्वयं नियमों का पालन करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। उन्होंने अपील की कि जिम्मेदार वाहन चालक आगे आकर सड़क सुरक्षा अभियान को मजबूत करें।

नितिन नवीन के भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर इंदौर भाजपा कार्यालय में जश्न

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नितिन नवीन की नियुक्ति होने पर इंदौर भाजपा कार्यालय में कार्यकर्ताओं द्वारा हर्षोल्लास के साथ जश्न मनाया गया। इस अवसर पर भाजपा कार्यालय का माहौल उत्साह और उमंग से भर गया, जहां कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को लड्डू खिलाकर अपनी खुशी का इजहार किया।

कार्यक्रम में नगर अध्यक्ष श्री सुमित मिश्रा, सांसद श्री शंकर लालवानी, विधायक श्री महेंद्र हार्डिया सहित पार्टी की कार्यकारिणी के सदस्य एवं बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने नितिन नवीन को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने पर शुभकामनाएं दीं और इसे पार्टी के लिए एक सकारात्मक एवं मजबूत नेतृत्व की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

जश्न के दौरान महिला कार्यकर्ताओं ने ढोल की ताल पर नृत्य कर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की, जिससे भाजपा कार्यालय में उत्सव का माहौल और भी जीवंत हो गया।

कार्यकर्ताओं ने कहा कि नितिन नवीन के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी संगठनात्मक रूप से और अधिक सशक्त होगी तथा देशभर में पार्टी को नई ऊर्जा मिलेगी।

संकट, संघर्ष और समाधान की ओर मंदसौर मंडी- संजय मुरड़िया

चार- पाँच वर्षों से उठते रहे गंभीर मुद्दे, छोटे कार्यकर्ता की बात सुनकर हरकत में आया उच्च नेतृत्व

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मंदसौर कृषि उपज मंडी, जो कभी अपनी व्यवस्थाओं और अनुशासन के लिए दूर-दूर तक पहचानी जाती थी, बीते चारङ्कपाँच वर्षों में लगातार अव्यवस्थाओं के कारण चर्चा का विषय बनी रही है। मंडी की सड़कों की बदहाली, श्री कोल्ड चौराहा से मंडी तक की अव्यवस्थित आवाजाही, नकली पर्ची और बारदाना एडजस्टमेंट जैसे गंभीर मामले, किसानों से जबरन टेका लगवाने, ठेले में धक्के दिलाने, व्यापारियों व किसानों की चोरी, गुंडागर्दी-दादागिरी, सीसीटीवी कैमरों का बंद रहना, व्यापारियों से बदतमीजी, कम तौल और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दे समय-समय पर सामने आते रहे हैं।

समय-समय पर जिम्मेदारों को कराया अवगत- इन सभी विषयों को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता एवं जिला विकास समिति के सदस्य संजय मुरड़िया द्वारा लगातार संबंधित अधिकारियों, प्रशासनिक अमले तथा मध्यप्रदेश के उच्च नेतृत्व को अवगत कराया जाता रहा। मौजूदा हालातों में भी वास्तविक स्थिति से उच्च नेतृत्व को अवगत कराया गया, जिस पर उन्होंने गंभीरता दिखाते हुए मंदसौर जिले से फीडबैक लिया और समस्याओं के निराकरण की दिशा में प्रयास किए।

उच्च नेतृत्व की संवेदनशीलता से समाधान की पहल- संजय मुरड़िया का कहना है कि उन्हें इस बात का गर्व है कि उच्च नेतृत्व ने उनकी बातों को सुना और जनप्रतिनिधियों, प्रशासन तथा मंडी प्रबंधन के बीच बेहतर तालमेल स्थापित कर आदर्श मंडी की साख बनाए रखने की दिशा में ठोस पहल की। इससे यह स्पष्ट हुआ कि यदि तथ्यपरक ढंग से बात रखी जाए तो समाधान संभव है, यही नहीं श्री मुरड़िया ने कहां कि मंडी के अन्य सुधारों को लेकर भी वे सतत क्रियाशील होकर गंभीरता से काम करते रहेंगे ।

मालवा और प्रदेश की शान है मंदसौर मंडी- मंदसौर कृषि उपज मंडी केवल एक व्यापारिक केंद्र नहीं, बल्कि मालवा अंचल, प्रदेश और देश की पहचान है। इसे फिर से नई ऊँचाइयों तक ले जाने के लिए व्यापारी, किसान, हम्माल, जनप्रतिनिधि और प्रशासन सभी गंभीरता से प्रयासरत हैं।

मेरी बात गंभीरता से सुनी गई- बयान के अंत में संजय मुरड़िया ने कहा कि मुझ जैसे छोटे कार्यकर्ता और सिपाही की बात उच्च नेतृत्व, प्रशासन और मंडी से जुड़े सभी लोगों ने सुनी, तो यह मेरे लिए सबसे बड़ा संबल ओर बहुमान है। मंडी में भी मुझे सभी वर्गों का सहयोग और भरोसा मिलता रहा, इसी कारण मैं समय-समय पर मुखर होकर समस्याएँ उठाता रहा। भविष्य में भी ऐसा ही स्नेह, विश्वास और सहयोग मिलता रहे यही अपेक्षा है। अभी भी व्यवस्थाओं में सुधार बाकी है यह तो शुरुआती प्रयास है। उन्होंने सभी प्रशासनिक अधिकारियों, मंडी प्रशासन के साथ-साथ भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन एवं जिला संगठन तथा सभी जनप्रतिनिधियों, व्यापारी तथा हम्माल एसोशिएशन एवं किसान भाइयों का हार्दिक आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग से समाधान की प्रक्रिया आगे बढ़ी।

पैथालॉजी लैब पर जांच की दर तय कर सूची चस्पा की जाए-ग्राहक पंचायत

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में कई सारी पैथालॉजी लैब संचालित हो रही है। उनमें प्रायः देखने मे आया है कि जांच की दर वाली सूची कही भी सार्वजनिक रूप से नही लगी हुई है। विभिन्न पैथालॉजी लैब में जांच का शुल्क अलग अलग होता है। जबकि जांच तो वही होती है जो सब जगह होती है। साथ ही ग्राहकों को कुछ लैब संचालको द्वारा रसीद भी नही दी जाती है। इसको लेकर पूर्व में भी ग्राहक पंचायत ने सीएमएचओ को ज्ञापन सौपा था, लेकिन सीएमएचओ ने ज्ञापन पर कोई ठोस कार्यवाही नहीं की। उसके बाद भी पैथालॉजी लैब के द्वारा मनमाना शुल्क वसूला जा रहा है। इस प्रकार की समस्या ग्राहक पंचायत के संज्ञान में बीते कुछ दिनों से आ रही थी, जिसको लेकर आज ग्राहक पंचायत मंदसौर इकाई ने कलेक्टर कार्यालय पर चल रही जन सुनवाई में पहुंचकर एसडीएम शिवलाल शाक्य को ज्ञापन सौपा। ज्ञापन के माध्यम से उन्हें पैथालॉजी लैब वाला विषय संज्ञान में लाया। उनसे अनुरोध किया कि उनकी तरफ से कीमत को लेकर सीएमएचओ से चर्चा कर पैथालॉजी लैब की जाँच की दर तय कर आदेश निकाला जाए और सूची सार्वजनिक रूप से पैथालॉजी लैब में बड़े अक्षरों में चस्पा की जाए। जिससे आम ग्राहक आसानी से पड़ सके। ज्ञापन देते समय ग्राहक पंचायत के प्रांत सह सचिव नवनीत शर्मा, जिला अध्यक्ष विजय कोठारी, जिला विधि आयाम प्रमुख उमराव सिंह जैन, सुनील ठाकुर, अश्विन सेन उपस्थित थे।

शा.क.उ.मा.वि सिंगोली में वार्षिकोत्सव समारोह सम्पन्न

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय कन्या उ.मा.वि.सिंगोली में चार दिवसीय वार्षिक उत्सव का समापन समारोह मंगलवार को विधायक जावद श्री ओमप्रकाश सखलेचा के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। वार्षिक उत्सव तहत खेलकूद, साहित्यिक प्रतियोगिता, स्नेहभोज एवं सास्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस मौके पर नगर परिषद अध्यक्ष श्री सुरेश जैन भाया , उपाध्यक्ष श्री मोतीलाल धाकड़, श्री अशोक (विक्रम) सोनी, श्री लोकेश पटवा व सांसद प्रतिनिधि श्री गोपाल धाकड़ उपस्थित थे।

विधायक श्री सखलेचा ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। संस्था प्राचार्य श्री राजेन्द्र जोशी ने सभी अतिथियों का पुष्पहारों से स्वागत किया।

विधायक श्री सखलेचा ने अपने उदबोधन में कहा, कि शिक्षा में ए.आई. का प्रयोग कर जीवन को सफल बनाने के गुण बताए। साथ ही छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु स्टाफ सदस्यों से चर्चा कर सुझाव लिए। छात्राओं एवं शिक्षकों की मांग पर भौतिक एवं रसायन प्रयोगशाला हेतु एक कक्ष निर्माण की घोषणा विधायक ने की।

गर्मी की छुट्टियों को उपयोगी बनाने के लिए विधायक ने सभी विद्यार्थियों को निःशुल्क ऑनलाईन इंग्लिश स्पॉकन कोर्स में उपस्थिति होने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर शिक्षकगण एवं विद्यालय के सभी विद्यार्थी उपस्थित थे।

प्याज के कट्टो से भरे ट्रक ने उगला 14 क्विंटल डोडाचूरा, राजस्थान के दो आरोपी गिरफ्तार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सीतामऊ थाना प्रभारी निरीक्षक कमलेश प्रजापति एवं साताखेड़ी चौकी प्रभारी ओपी राठौर की जोड़ी ने फिर से अवैध मादक पदार्थ की धरपकड़ में सफलता दर्ज कराई है। इस बार तो उच्च अधिकारियों के निर्देशन में डोडाचूरा की बड़ी खेप हाथ लगी है। मुखबिरी थी कि प्याज से भरे ट्रक में भारी मात्रा में डोडाचूरा छिपा कर ले जाया जा रहा है। इस पर सकुशल कार्रवाई को अंजाम दिया गया। ट्रक ने कुल 14 क्विंटल डोडाचूरा उगला है। मौके से राजस्थान के दो आरोपी गिरफ्तार करना उजागर किया गया है।

थाना पुलिस के अनुसार दिनांक 20 जनवरी को कमलेश प्रजापति थाना प्रभारी सीतामऊ के सूचना संकलन के आधार पर उप-निरीक्षक ओपी राठौर चोकी प्रभारी साताखेडी को मुखबीर की सूचना प्राप्त हुई कि एक आयशर ट्रक जिसमे प्याज के कट्टो के बीच छुपाकर रखा अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा भरा है, जो अफजलपुर तरफ से लदूना चौराहा होते हुए 08 लाईन दलावदा से चढकर पटीयाला पंजाब जाने वाला है। सूचना विश्वसनीय होने से चौकी प्रभारी व्दारा 08 लाईन के पास दलावदा रोड पर घेराबन्दी कर सीतामऊ तरफ से आते हुए आयसर ट्रक को रोक कर ड्रायवर से पुछने पर अपना नाम विक्रम आचार्य निवासी छोटी सादडी एवं उसके साईड में बेठे व्यक्ति व्दारा अपना नाम मुकेश आचार्य निवासी छोटी सादडी का होना बताया। पूछताछ पर ट्रक मे प्याज भरे होना बताया, किन्तु ट्रक को चेक करने पर प्याज के कट्टो के अन्दर डोडाचूरा के काले कट्टे भरे हुए पाये गये। जिनकी एनडीपीएस एक्ट के आज्ञापक प्रावधानो के तहत प्रकिया करते हुए चैक करने पर कुल 315 प्याज के कट्टो के अन्दर बडी मात्रा मे 65 कट्टो मे डोडाचुरा कुल 14 क्विटल होना पाया गया। जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 30 लाख रुपये होना पाई गई। आरोपीगण से उक्त डोडाचूरा के स्तोत व खपत के संबंध में पूछताछ की जा रही है। इस सराहनीय कार्य निरी कमलेश प्रजापति सीतामऊ, उनि ओपी राठौर चोकी प्रभारी साताखेडी, प्रआर योगेश यादव, प्रआर चालक रईस हुसैन, आर पप्पु डांगी, आर नितेश, आर अनिल शर्मा, आर नन्दकिशोर, आर अरविन्द सुरावत, आर नरेन्दसिंह, आर राहुलसिंह, सैनिक नरेन्दसिंह का योगदान रहा।

अरुण भदादा अध्यक्ष और श्याम मालू सचिव मनोनीत

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री माहेश्वरी संघ मन्दसौर के निर्विरोध निर्वाचन के बाद सर्वानुमति से अरुण भदादा को अध्यक्ष और श्याम मालू को सचिव मनोनीत किया गया हैं। श्री माहेश्वरी संघ के 11 ट्रस्टी पदों के निर्वाचन उपरांत नवीन ट्रस्टीयों के एक महती बैठक गत दिनों हुई। बैठक में सर्वानुमति से नवीन कार्यकारिणी तय की गई। जिसमे अध्यक्ष भदादा व सचिव मालू के साथ ही कोषाध्यक्ष पद पर कृष्ण कुमार जाखेटिया, उपाध्यक्ष पद पर विजय पलोड व महेश काबरा, सह सचिव पद पर संजय मंडोवरा (चम्बल), शिक्षा प्रसार प्रमुख के रूप में वासुदेव सोमानी मनोनीत किये गए। नवीन कार्यसमिति में संरक्षक पद पर डॉ. मुकेश माहेश्वरी व पंकज चिचानी, संयोजक पद पर पत्रकारद्वय आशुतोष नवाल व राहुल सोनी तथा परामर्शदाता पद पर विजय चौधरी, पवन मालपानी व अभिषेक सूरजन मनोनीत किये गए। सभी नव मनोनीत पदाधिकारियों को समाजजन और स्नेहीजनों ने उत्कृष्ठ नवीन कार्यकाल हेतु शुभकामनाएं दी है।

जनसुनवाई में दिव्यांग नूर बानों को कलेक्टर ने दिलाई निःशुल्क ट्राईसिकल

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम चौथखेडा के धर्मसिह को राजस्व न्यायालय के आदेश पर अमल कर आवेदक की 0.06 हेक्टेयर जमीन पर अनावेदक के अवैध आधिपत्य को मौके पर टीम भेजकर हटवाए और धर्मसिह को तत्काल कब्जा दिलाए। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को जनसुनवाई करते हुए चौथखेडा के आवेदक श्री धर्मसिह गुर्जर के आवेदन पर सुनवाई करते हुए तहसीलदार नीमच नगर को दिए। जनसुनवाई में कलेक्टर ने सादड़ी रोड़ बघाना निवासी दिव्यांग नूर बानो के आवेदन पर रेडक्रास नीमच से निन्शुल्क नवीन ट्राईसिकल दिलवाई। नूरबानो, कलेक्टर के हाथो ट्राईसिकल पाकर काफी खुश नजर आ रही थी, अब उसे काफी सुविधा हो जाएगी और वह अब अपनी जरूरत के हिसाब से कही भी आ जा सकेगी। जनसुनवाई में पालसोडा के राधाकिशन, धनगांव के नाथुलाल, बस्सी ब्लॉक रामपुरा के अमरदान, बामनबर्डी की देवकन्या, बमोरा की पुष्पाबाई, सरोजबाई, भाटखेडी खुर्द के श्यामसिह, हनुमंतिया के नानालाल, मल्हारगढ के डॉ.शबा रहमान, कचोली के नाथूलाल, भदाना के गोपाल, पालराखेडा की भारतीबाई, नयागांव की सम्पतबाई, भोलाराम कम्पाउण्ड नीमच की शानु ने भी अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन जनसुनवाई में प्रस्तुत किए। इसी तरह भदाना के भागीरथ, छायन की मुन्नाबाई, गिरदौडा के रूपचंद, नीमच के जयंत गोड, धामनिया की कशली बाई, चौकडी के शिवलाल, गांधी कॉलोनी नीमच की कांताबाई, आंत्री बुजुर्ग के हीरालाल, इंदिरा नगर विस्तार नीमच के बाबूलाल नागदा, विनोबागंज नीमच के संजय गोहर, किरपुरा कला की कोमलदेवी, धारडी के कमलेश रेगर, बडकुआ के सुखलाल आदि ने अपनी समस्याओं से संबंधित ओवदन जनसुनवाई में प्रस्तुत किए।

सुर-संगीत प्रतियोगिता में मुकेश माहेश्वरी को प्रथम पुरस्कार

दो दिवसीय संगीत प्रतियोगिता का हुआ भव्य समापन

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर की संगीत प्रतिभाओं को आगे लाने के लिए आयोजित दो दिवसीय सुर-संगीत प्रतियोगिता का भव्य समापन समारोह उत्साह और संगीत की मधुर प्रस्तुतियों के साथ संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिभागियों ने अपनी गायन प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

प्रथम दिवस 17 जनवरी को 30 प्रतियोगियों ने भाग लिया उनमें से 12 का चयन हुआ ओर दूसरे दिन 18 जनवरी को 12 में से 7 फिर 5 ओर उनमें से तीन का चयन हुआ हे इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में मुकेश माहेश्वरी ने अपनी सुमधुर आवाज़ और भावपूर्ण प्रस्तुति से निर्णायक मंडल व श्रोताओं का दिल जीतते हुए प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। उनकी गायकी में सुरों की शुद्धता, भाव और प्रस्तुति की उत्कृष्टता देखने को मिली, जिस पर उपस्थित सभी श्रोताओं ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका स्वागत किया। द्वितीय स्थान ललित तिवारी और तृतीय अलकेश जेन रहे हे कार्यक्रम में विजेताओं को बालाजी मित्र मंडल अध्यक्ष निशांत जोशी ,पत्रकारसंघ अध्यक्ष निरंजन शर्मा ओर पत्थर व्यवसाई शैलेंद्र जैन ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया है

आयोजन समिति के प्रशांत सोनी ,अलकेश जेन, पिंटू जोशी ने नगर की प्रतिभाओं को आगे लाने के लिए मंच देकर उनका हौसला बढ़ाया हे प्रतियोगिता में अकरम मंसूरी , श्री मति सुमन धाकड़ ओर भंवरलाल दमामी निर्णायक रहे हे

कार्यक्रम के समापन अवसर पर आयोजकों द्वारा विजेताओं को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। निर्णायक मंडल ने मुकेश माहेश्वरी की प्रशंसा करते हुए कहा कि इनकी आवाज़ में शास्त्रीय और भावात्मक संगीत का सुंदर समन्वय है, जो इन्हें अन्य प्रतिभागियों से अलग बनाता है।

कार्यक्रम में अतिथि न ,प, उपाध्यक्ष मोतीलाल धाकड़,मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ जिलाध्यक्ष प्रदीप जैन,महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष पिंकी सोनी ,पार्षद सुनील सोनी ,प्रशांत मलिक सहित नगर के गणमान्य नागरिक, संगीत प्रेमी एवं युवा कलाकार बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। आयोजन समिति ने सफल आयोजन के लिए सभी सहयोगियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

उल्लेखनीय है कि मुकेश माहेश्वरी पहले भी विभिन्न मंचों पर अपनी गायकी से पहचान बना चुके हैं और यह उपलब्धि उनके संगीत सफर में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

उम्मीद है कृषि उपज मंडी मंदसौर में व्यवस्था का अनुशासन बना रहेगा-पूर्व विधायक सिसौदिया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन संभाग की सबसे बड़ी कहीं जाने वाली कृषि उपज मंडी मंदसौर में छोटे से विवाद के कारण अनिश्चितकालीन मंडी बंद का निर्णय किसी के गले नहीं उतर रहा था, छोटी छोटी सी बातों पर मंडी का व्यापार व्यवसाय बंद होना किसी एक वर्ग के लिए नहीं बल्कि व्यापारी, किसान, हम्माल, तुलावटी और मंदसौर शहर के व्यापार व्यवसाय पर भी असर डालता है।

पूर्व विधायक तथा भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता यशपाल सिंह सिसौदिया ने उम्मीद जताई है कि कृषि उपज मंडी मंदसौर में व्यवस्था का अनुशासन अब बना रहेगा, कृषि मंडी परिसर में सन्नाटा सिर्फ मंडी परिसर में नहीं, बल्कि मंदसौर शहर के व्यापार व्यवसाय एवं कारोबार पर भी पड़ता है, व्यवस्थाओं में कमी या अव्यवस्था के दौर में वाद विवाद का निपटारा सामंजस्य, समन्वय और संवाद के साथ होना चाहिए। सिसौदिया ने बताया कि मंडी कोई अखाड़ा नहीं है किसान विश्वास, व्यवस्था और भरोसे के चलते मंडी में अपनी जींस लेकर आते हैं, चार चार दिन तक लंबी कतार में लगकर वह अपनी उपज को बिकवाने में भारी जतन और परेशानी का सामना करता है, यह चिंतन और चिंता का विषय है कि जावरा, दलोदा, पिपलिया मंडी, नीमच, सीतामऊ, शामगढ़, सुवासरा जैसी आसपास की मंडियों में जितना धरना प्रदर्शन, बंद, वाद और विवाद नहीं होता है उतना मंदसौर मंडी में ही क्यों? बड़ी मंडी में छोटी - छोटी अव्यवस्था क्यों कारण बन रही है, इसमें सुधार की जरूरत है। सिसौदिया ने बताया कि मंडी प्रशासन और जनप्रतिनिधियों का लगातार संवाद और संपर्क व्यापारियों, हम्माल, तुलावटी और किसानों में बना रहना अति आवश्यक है। मंडी की अनिश्चितकालीन हड़ताल और विवाद के कारण दूरदराज के व्यापारियों और किसानों में मंडी की छबि एवं साख पर असर डालता है। सिसौदिया ने मंडी के पुनः सुचारू चलाए जाने के निर्णय का स्वागत करते हुए जनप्रतिनिधियों, व्यापारियों, हम्माल बंधु तुलावटी भाइयों, किसान बंधुओं, जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, मंडी प्रशासन के सहयोग के प्रति आभार और धन्यवाद ज्ञापित किया।

क्या नीमच में है सुपर पुलिसिंग, क्या वास्तव में बखूबी जिम्मेदारी निभा रहे हैं सुपर कॉप अंकित जायसवाल

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कभी अपराधों का गढ़, चोरी, चैन स्नैचिंग, गुंडागर्दी, मारपीट, अफीम तस्करी, जुए सट्टे जैसे अपराधों की शरण स्थली रहा नीमच आज चैन की सांस ले रहा है। विकृत मानसिकता के लोगों के द्वारा किए जा रहे अपराध ही सामने आ रहे हैं सोच समझकर, साजिश कर कर अपराध करने की मानसिकता करने वाले अपराधी भय ग्रस्त है और नीमच से पलायन कर रहे हैं। कारण स्पष्ट है नीमच की पुलिसिंग, जब सिपहसालार सक्रिय हो तो सेना में तो जोश आ ही जाता है। ऐसा ही नजारा नीमच की पुलिसिंग में देखने को मिल रहा है, यहां यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि नीमच में एक ऐसा व्यक्तित्व है जो अपनी जिम्मेदारी को समझता है, हर पल सक्रिय रहता है और यह सुनिश्चित करता है कि समाज में शांति बनी रहे, यह व्यक्तित्व है नीमच के पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल। हमेशा अपने ऑफिस और फील्ड में सक्रिय रहने वाला यह व्यक्तित्व वास्तव में तारीफ के काबिल है। हमने ऐसे पुलिस अधीक्षक भी देखे हैं जिन्हें ना तो जनता से सरोकार था और ना ही थाना चौकियों से। जिन कार्यकाल में अपराधी निरंकुश थे, बड़े-बड़े कारोबार करते थे और उन्हें रोकने वाला कोई नहीं था, अगर सेनापति ही भ्रष्ट हो जाए तो सेना को तबाही मचाने में समय नहीं लगता। लेकिन नीमच का सौभाग्य है कि आज नीमच को एक मजबूत शख्सियत ने संभाल रखा है। अपवाद सभी के साथ जुड़े रहते हैं लेकिन अच्छी और सच्ची पुलिसिंग के लिए कटिबंध यह व्यक्तित्व लगभग सभी जगह पर सही साबित हो रहा है।

बात करें नीमच में घटित होने वाले अपराधों की तो चोरी, चैन स्नैचिंग, मारपीट, गुंडागर्दी जैसे सीधे-सीधे सामान्यजन से जुड़े अपराधों में कमी आई है और जनता चैन की सांस ले रही है। न केवल दिन में बल्कि रात में शीतलहर के चलते भी पुलिस सक्रिय है। रात को 2, 3, 4 बजे भी पुलिस की गस्त की आवाज सुनाई दे जाती है। इसका परिणाम अपराधों की कमी के रूप में देखने को मिल रहा है।

एनडीपीएस से जुड़े हुए प्रकरणों की अगर बात करें तो नारकोटिक्स ब्यूरो से नीमच जिले की पुलिस कहीं कमतर नहीं है सघन चेकिंग और मजबूत खुफिया तंत्र के चलते पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल ने रिकॉर्ड तोड़ कारवाइयां की है, और वर्षों से फल फूल रहे तस्कर माफियाओं को हिला कर रख दिया है।

नीमच की पुलिस जनहितैषी योजनाओं को लागू करने में भी पीछे नहीं है। यातायात की सुचारू व्यवस्था इसका जीवंत उदाहरण है, नीमच में यातायात निरीक्षक सोनू बडगूजर के द्वारा की जा रही यातायात व्यवस्था तारीफ के काबिल है।

इसी तरह साइबर सेल भी पूरी तरह सक्रिय है साइबर फ्रॉड और गुम हुए मोबाइलों को लेकर साइबर सेल की उपलब्धियां सभी के समक्ष है। साइबर सेल प्रमुख प्रदीप शिंदे नीमच में सदैव से सक्रिय रहे हैं और न्यायालय में दोषियों के विरुद्ध सटीक साक्ष्य उपलब्ध कराने में महारथी है। इतना ही नहीं सभी अपराधों में अपराधियों को पकड़ने में साइबर सेल की भूमिका महत्वपूर्ण रही है।

अब कुछ कमियां जहां नीमच पुलिस कमजोर है सबसे बड़ा दंश है सट्टा व्यापार जो अब ऑनलाइन पृष्ठभूमि पर संचालित हो रहा है हजारों युवा और सैकड़ो परिवार इससे प्रभावित है लोगों ने अपनी वर्षों की जमा पूंजी इसके लालच के जाल में फंसकर गवा दिए है। सट्टा व्यवसायी धन कुबेर बने हुए हैं और पैसों के दम पर अपने रसूख को कायम कर पुरी पुलिस व्यवस्था को मुंह चिढ़ा रहे हैं। नाम मात्र की कार्रवाई से जलकुंभी की तरह समाज को जकड़े इस रोक से छुटकारा नहीं मिल सकता, यह बड़ी समस्या है और इसे पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल को चुनौती के रूप में लेना चाहिए।

दूसरी समस्या है पुलिस विभाग में लंबे समय से एक ही चौकी थाने पर पदस्थ पुलिस कर्मचारी और अधिकारी, यह सर्वविदित है कि अगर जल भी किसी एक जगह पर रुक जाता है तो कीचड़ बन कर दुर्गंध फैलाने लगता है, इसीलिए सृष्टि ने गति को महत्व दिया है। परिवर्तन संसार का नियम है और यह होते रहना चाहिए नीमच की चौकियों और थानों पर लंबे समय से पदस्थ पुलिस कर्मचारी और अधिकारियों को भी परिवर्तन की आवश्यकता है। बड़ा फेरबदल पुलिस व्यवस्था में चुस्ती लाएगा जिससे अपराध की दुनिया में मजबूत जड़े जमाने वाले अपराधियों पर नकेल कसी जा सकेगी।

कलेक्टर ने साप्ताहिक समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री कृषक सूर्य मित्र योजना के तहत जिले के अधिकाधिक किसानों को सोलर पम्प का लाभ दिलाए। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में समय-सीमा पत्रों के निराकरण की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में म.प्र.प.क्षे.वि.वि.कं.नीमच, उद्यानिकी एवं कृषि विभाग के अधिकारियों को दिए। बैठक में एडीएम श्री बी.एस.कलेश, एसडीएम नीमच, जावद, मनासा एवं सभी जिला अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाईन में दर्ज शिकायतों के निराकरण के कार्य की ऊर्जा, एल.डी.एम., वन, सामाजिक न्याय विभागों द्वारा निराकरण की सराहना की। उन्होने अन्य विभागों को भी अपनी सीएम हेल्पलाईन का संतुष्टी के साथ निराकरण करवाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी विभागों को निर्देश दिए, कि एक भी शिकायत नान अटेंडेट ना रहे, सभी शिकायतों का संतुष्टीपूर्वक उत्तर अपलोड हो जाए। बैठक में कलेक्टर ने सभी नगरीय निकायों के सीएमओ और जनपद सीईओ को निर्देश दिए, कि दूषित पानी संबंधी प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही की जाए।

जिला स्तरीय जन सुनवाई शिकायत निवारण एवं सीएम हेल्पलाईन शिविर

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक उज्जैन जोन उज्जैन श्री उमेश जोगा द्वारा जोन के सभी जिलों में मंगलवार को जिला स्तरीय जन सुनवाई एवं शिकायत निवारण शिविर का आयोजन कर अधिक से अधिक लंबित सी.एम.हेल्पलाईन एवं जनता शिकायतों का निराकरण करने संबंधी निर्देश दिये गये है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक उज्जैन जोन उज्जैन श्री उमेश जोगा द्वारा दिये गये निर्देशों के पालन में दिनांक 20.01.2026 को पुलिस कन्ट्रोल रूम नीमच स्थित सभाकक्ष में पुलिस अधीक्षक श्री अंकित जायसवाल के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री नवल सिंह सिसोदिया द्वारा जिला स्तरीय जन सुनवाई एवं शिकायत निवारण शिविर का आयोजन किया गया। जिला स्तरीय जन सुनवाई एवं शिकायत निवारण शिविर के साथ साथ सीएम हेल्पलाइन शिकायत निवारण शिविर का भी आयोजन किया गया। जन सुनवाई, शिकायत निवारण शिविर एवं सीएम हेल्पलाइन शिकायत निवारण शिविर के दौरान आवेदकों द्वारा अपनी समस्याओं और शिकायतों को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री नवल सिंह सिसोदिया के समक्ष प्रस्तुत किया। ए.एस.पी. श्री नवल सिंह सिसोदिया द्वारा आवेदकों की शिकायतों को गंभीरता से सुना जाकर संबंधित थाना प्रभारियों के माध्यम से शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया गया।

सम्पादकीय

शांति का मुखौटा, सत्ता की रणनीति: ट्रंप का वैश्विक विरोधाभास

नोबेल शांति पुरस्कार की उत्कट अभिलाषा में डूबे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का व्यक्तित्व और कार्यशैली वैश्विक राजनीति के लिए एक गहरी विडंबना एवं विरोधाभास बनकर उभरी है। शांति का मसीहा बनने का उनका दावा जितना आकर्षक दिखता है, उतना ही विरोधाभासी उनके कदमों का यथार्थ है। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में वे जहां शांति स्थापित करने का श्रेय लेना चाहते हैं, वहीं उनके निर्णय, वक्तव्य और नीतियां अक्सर युद्ध, अशांति, भय और अस्थिरता को जन्म देती दिखाई देती हैं। यह कैसी शांति है, जो बमों की गूंज, प्रतिबंधों की मार और नफरत की भाषा के साथ चलती है? यह कैसा शांति-दूत होने का नाटक है, जिसमें मानवता का रक्त बहता रहे और सत्ता अपने हित साधती रहे? गाजा में शांति स्थापना के लिए ट्रंप की प्रस्तावित योजना इसी विरोधाभास का नवीन उदाहरण है। इसे शांति से अधिक व्यापारिक सौदे की तरह प्रस्तुत किया गया, मानो दशकों से हिंसा, विस्थापन और अस्मिता के संकट से जूझ रहे लोगों का भविष्य किसी रियल एस्टेट या आर्थिक पैकेज से तय किया जा सकता हो। अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र की भूमिका, स्थानीय जनता की सहमति और जवाबदेही-इन सबको दरकिनार कर शांति थोपने की यह कोशिश बताती है कि ट्रंप की दृष्टि में शांति कोई नैतिक या मानवीय मूल्य नहीं, बल्कि शक्ति-प्रदर्शन और राजनीतिक लाभ का औजार है। इस तरह बमों के साये में शांति का दावा ढकोसला ही है, जिसमें शांति का सौदा एवं सत्ता की भूख ही दिखती है। ट्रंप की कथित शांति योजना, शांति के नाम पर वर्चस्व की राजनीति ही है। ऐसा लगता है शब्द अहिंसा के और कर्म हिंसा के है। ट्रंप संयुक्त राष्ट्र को अक्षम, पक्षपाती और नौकरशाही से ग्रस्त बताकर उसकी अवहेलना करते रहे हैं, जबकि सच यह है कि वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए बहुपक्षीय संस्थाओं का ढांचा अनिवार्य है। शक्तिशाली देशों को जब यह ढांचा अपने अनुकूल नहीं लगता, तो वे उसे कमजोर करने लगते हैं-ट्रंप इसी प्रवृत्ति का मुखर चेहरा हैं।

डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित नए वैश्विक शांति संस्थान का विचार अपने आप में जितना आकर्षक शब्दों से सुसज्जित है, उतना ही अपने अंतर्विरोधों में उलझा हुआ भी है। शांति स्थापना के नाम पर एक ऐसी अंतरराष्ट्रीय संस्था खड़ी करने की कोशिश, जो संयुक्त राष्ट्र जैसे स्वीकृत बहुपक्षीय ढांचे को दरकिनार करती हो, वस्तुतः शांति से अधिक सत्ता-केंद्रित वर्चस्व की आकांक्षा को उजागर करती है। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि जिस नेतृत्व की नीतियों का आधार हथियारों के निर्माण और बिक्री, सैन्य गठबंधनों के विस्तार, युद्ध की धमकियों और आर्थिक दंड के जरिये दुनिया पर दबाव बनाना रहा हो, वह अचानक शांति का नया ठेकेदार कैसे बन सकता है? ट्रंप की राजनीतिक सोच में शांति किसी मानवीय प्रतिबद्धता का नहीं, बल्कि सौदेबाजी, नियंत्रण और लाभ का साधन प्रतीत होती है। इसलिए उनके प्रस्तावित शांति संस्थान की उपयोगिता पर गंभीर संदेह खड़ा होता है। बिना वैधता, जवाबदेही और वैश्विक सहमति के खड़ी की गई कोई भी संस्था शांति का वाहक नहीं बन सकती; वह केवल शक्तिशाली देशों की इच्छाओं को थोपने का उपकरण या जरिया ही बनती है। इस संदर्भ में यह प्रस्ताव शांति की दिशा में एक ठोस पहल नहीं, बल्कि हित-प्रधान नीतियों पर पर्दा डालने और वैश्विक शासन व्यवस्था पर अपनी पकड़ मजबूत करने का एक और षडयंत्र एवं कुचेष्टा ही दिखाई देता है।

ट्रंप की सोच में शांति का अर्थ संघर्षों का समाधान नहीं, बल्कि उन्हें अपने पक्ष में मोड़ना है। कभी वे संयुक्त राष्ट्र के समानांतर इस तरह की एक कथित शांति-व्यवस्था खड़ी करने की बात करते हैं, तो कभी ईरान पर युद्ध की धमकी देते हैं। एक ओर वे यूरोपीय देशों की तारीफ कर अपना प्रभाव जमाने का प्रयास करते हैं, दूसरी ओर उन्हीं देशों पर व्यापारिक प्रतिबंधों और सैन्य खर्च का दबाव डालते हैं। यह दोहरा आचरण और कथनी और करनी का भेद वैश्विक अस्थिरता को बढ़ाता है। शांति की भाषा बोलते हुए हथियारों की बिक्री, सैन्य गठबंधनों का विस्तार और आर्थिक दंड-ये सब उनकी नीतियों के अभिन्न अंग रहे हैं। परिणामस्वरूप दुनिया एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां युद्ध की आहटें तेज हैं और मानवता अस्तित्व के मुहाने पर पहुंचती प्रतीत होती है। गाजा संकट के संदर्भ में यह और भी स्पष्ट हो जाता है कि बिना वैधता, सहमति और जवाबदेही के थोपी गई शांति कभी स्थायी नहीं होती। यदि नागरिकों की सुरक्षा, जीवन की गरिमा और राजनीतिक अधिकारों को नजरअंदाज किया जाए, तो कोई भी समझौता खोखला साबित होगा। ट्रंप का दृष्टिकोण इन मूलभूत सच्चाइयों को अक्सर अनदेखा करता है। आर्थिक वादों को राजनीतिक अधिकारों के विकल्प के रूप में प्रस्तुत करना एक खतरनाक भ्रम है, जो जमीनी वास्तविकताओं के बोझ से ढह जाता है। शांति तभी टिकाऊ हो सकती है जब उसमें स्थानीय लोगों की वास्तविक आवाज शामिल हो, उनके दुख-दर्द को समझा जाए और न्यायपूर्ण समाधान की दिशा में ईमानदार पहल हो।

भारत को गाजा में शांति प्रयासों में शामिल करने का प्रस्ताव भी इसी जटिलता को उजागर करता है। भारत का कूटनीतिक इतिहास बहुपक्षवाद, संयुक्त राष्ट्र की केंद्रीय भूमिका और द्विराष्ट्र सिद्धांत के समर्थन से जुड़ा रहा है। भारत के इस्राइल से अच्छे संबंध हैं, तो अरब देशों में भी उसकी विश्वसनीयता बनी हुई है। लेकिन यदि शांति प्रक्रिया संयुक्त राष्ट्र को दरकिनार करती है, तो यह भारत की स्थापित कूटनीतिक परंपरा के अनुकूल नहीं होगा। भारत ने हमेशा प्रत्यक्ष हस्तक्षेप के बजाय स्थिरता और संवाद को प्राथमिकता दी है। ऐसे में ट्रंप-प्रेरित पहल में शामिल होना भारत के लिए भी एक नैतिक और रणनीतिक चुनौती बन सकता है। वास्तव में ट्रंप की नीतियां एक ऐसे विश्व-दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करती हैं, जहां शक्ति ही सत्य है और नैतिकता केवल भाषणों तक सीमित है।

अबोध आनंद को प्राप्त करना ही सहजयोग है

अबोधिता या मासूमियत एक ऐसा भाव या अवस्था है जो व्यक्ति को देवतुल्य बना देती है। अबोधिता को यदि समझना है तो हमें उस बचपन की ओर देखना चाहिए जिसका परिचय दुनिया के मायावी संसार से नहीं हुआ है। सहजयोग में श्री गणेश इस अबोधिता के प्रणेता होते हैं वे ही इसकी रक्षा करते हैं। इसी अबोधिता के कारण ही सहजयोगी चिर आनंद में रहते हैं। जो बालसुलभ मस्ती को नहीं पा सकता उसकी ईश्वर से एकाकारिता नहीं हो सकती। वास्तव में आनंद ही सहजयोग है। सहजयोग संस्थापिका आदिशक्ति श्री माताजी ने इसी आनंद की व्याख्या इस प्रकार की है कि, मासूमियत वह तरीका है जिससे आप वास्तव में दूसरों को मज़ा देते हैं, इसका मज़ेदार हिस्सा बनते हैं। मज़ा तो मासूमियत से ही पैदा होता है. और मासूमियत ही एकमात्र तरीका है जिससे आप वास्तव में आनंद भी प्राप्त कर सकते हैं।

वह आनन्द और कुछ नहीं बल्कि खिलना है। यह किसी को चिढ़ाता नहीं है, किसी को चोट नहीं पहुंचाता है, किसी को परेशान नहीं करता है, लेकिन बस खिलता है, पूरी बात, सुगंध में। यह परमात्मा की तरकीब है। इसमें उससे भी अधिक कुछ ऊंचा है, कि यदि आप निर्दोष (अबोध) हैं, तो आप वास्तव में आनंद का अनुभव कर सकते हैं। तो, एक निर्दोष व्यक्ति ही किसी ऐसी चीज का आनंद महसूस कर सकता है जिसे एक बहुत ही गंभीर और एक बहुत ही तर्कसंगत व्यक्ति कभी नहीं देख सकता है। एक निर्दोष व्यक्ति किसी बात पर जोर से हंस सकता है, दूसरे लोगों के लिए यह कुछ मजाकिया नहीं भी हो सकता है। तो, आनंद -सृजन कोई संदेहास्पद चीज़ नहीं है, यह एक बहुत ही सीधा, सरल, एक सहज खिलना है। जीवन के इसी आनंद को प्राप्त करना सहजयोग का उद्देश्य है। आनंद की यह अवस्था आपको वर्तमान में स्थापित कर भयमुक्त जीवन प्रदान करती है। सहजयोग ध्यान के इस निरानंद को प्राप्त करने हेतु नज़दीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 अथवा यूट्यूब चैनल लर्निंग सहजयोगा से प्राप्त कर सकते हैं।

यूएई राष्ट्रपति की भारत यात्रा: 2-3 घंटे में भविष्य का शिलान्यास

दिल्ली की सर्द सुबह 19 जनवरी 2026 को इतिहास की गर्म सांसों से भर उठी, जब पालम वायुसेना अड्डे पर संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान का विमान उतरा। यह केवल एक राजकीय आगमन नहीं था, बल्कि भरोसे, आत्मीयता और साझा भविष्य का प्रतीक क्षण था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने औपचारिकताओं की सीमाएं तोड़ते हुए स्वयं आगे बढ़कर अपने मित्र का स्वागत किया। दोनों नेताओं का आलिंगन कैमरों से कहीं आगे जाकर दिलों में उतर गया। उस क्षण ने यह स्पष्ट कर दिया कि यह यात्रा कागजी समझौतों की नहीं, बल्कि विश्वास की ठोस इमारत खड़ी करने की है, जो आने वाले समय की दिशा तय करेगी।

मात्र दो से तीन घंटे की इस संक्षिप्त यात्रा ने यह सिद्ध कर दिया कि जब नेतृत्व दूरदर्शी हो, तो समय की सीमा अर्थहीन हो जाती है। वैश्विक मीडिया ने इसे मिनटों में दशकों की कूटनीति का उदाहरण बताया। यह यात्रा केवल बैठक नहीं थी, बल्कि ऊर्जा, सुरक्षा, तकनीक और समृद्धि के नए युग की आधारशिला थी। दोनों नेताओं की बातचीत में स्पष्टता, विश्वास और गति दिखाई दी। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई जब दुनिया ऊर्जा संकट, भू-राजनीतिक तनाव और आर्थिक अनिश्चितताओं से जूझ रही है, और ऐसे में भारतङ्कयूएई साझेदारी ने स्थिरता और समाधान का मार्ग दिखाया।

ऊर्जा क्षेत्र में हुए ऐतिहासिक समझौते इस यात्रा की रीढ़ साबित हुए। हिंदुस्तान पेट्रोलियम निगम लिमिटेड और एडीएनओसी गैस के बीच दस वर्षीय तरलीकृत प्राकृतिक गैस आपूर्ति करार ने भारत की ऊर्जा सुरक्षा को अभूतपूर्व मजबूती दी। वर्ष 2028 से प्रतिवर्ष पांच लाख मीट्रिक टन गैस की आपूर्ति सुनिश्चित होगी, जिसकी कुल कीमत लगभग तीन अरब डॉलर आंकी गई है। वैश्विक बाजारों की अस्थिरता के दौर में यह करार भारत के उद्योग, बिजली उत्पादन और घरेलू उपभोग के लिए सुरक्षा कवच बनेगा। यूएई का भारत का दूसरा सबसे बड़ा गैस आपूर्तिकर्ता बनना इस गहरी रणनीतिक साझेदारी का प्रमाण है।

परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में इस यात्रा ने भविष्य की नींव और भी मजबूत की। भारत के शांति कानून के अंतर्गत नागरिक परमाणु सहयोग को नई दिशा मिली। दोनों देशों ने बड़े परमाणु संयंत्रों के साथ-साथ छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों पर संयुक्त रूप से कार्य करने का निर्णय लिया। यह पहल ऊर्जा उत्पादन को सुरक्षित, सस्ता और पर्यावरण के अनुकूल बनाएगी। संयंत्र संचालन, तकनीकी रखरखाव और परमाणु सुरक्षा में गहन सहयोग तय हुआ। यह साझेदारी भारत को स्वच्छ ऊर्जा के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ाएगी और जलवायु परिवर्तन से लड़ने के वैश्विक प्रयासों में महत्वपूर्ण योगदान देगी।

अंतरिक्ष क्षेत्र में हुई सहमति ने इस यात्रा को भविष्यवादी स्वरूप प्रदान किया। भारतीय अंतरिक्ष नियामक संस्था और यूएई स्पेस एजेंसी के बीच आशय पत्र पर हस्ताक्षर हुए, जिसमें अंतरिक्ष अवसंरचना, उपग्रह निर्माण, प्रक्षेपण सुविधाएं और संयुक्त मिशनों की रूपरेखा तय की गई। इसके साथ ही अंतरिक्ष स्टार्टअप्स के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम, नवाचार केंद्र और व्यावसायीकरण के अवसर विकसित करने पर सहमति बनी। यह साझेदारी अंतरिक्ष को केवल वैज्ञानिक खोज तक सीमित नहीं रखेगी, बल्कि आर्थिक विकास और रोजगार सृजन का नया माध्यम बनाएगी।

व्यापार और निवेश के मोर्चे पर दोनों नेताओं ने अत्यंत महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किए। दोनों नेताओं ने 2032 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना कर 200 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया। व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते के बाद व्यापार पहले ही ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच चुका है। गुजरात के धोलेरा विशेष निवेश क्षेत्र में यूएई कंपनियों द्वारा हवाई अड्डे, बंदरगाह, रेलवे कनेक्टिविटी, स्मार्ट शहरी टाउनशिप और ऊर्जा अवसंरचना में बड़े निवेश की घोषणा हुई। यह निवेश भारत के बुनियादी ढांचे, औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन को नई गति देगा। रणनीतिक और रक्षा सहयोग में भी इस यात्रा ने नया अध्याय जोड़ा। दोनों देशों ने रणनीतिक रक्षा साझेदारी के लिए आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए, जिसमें रक्षा उद्योग, उन्नत तकनीक, संयुक्त प्रशिक्षण और नवाचार को प्राथमिकता दी गई। साइबर सुरक्षा, आतंकवाद विरोधी प्रयासों और विशेष अभियानों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, उच्च क्षमता संगणना, डिजिटल संरचनाएं और खाद्य सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में भी संयुक्त पहल की योजना बनी। यह सहयोग केवल द्विपक्षीय नहीं, बल्कि क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा संतुलन के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर हुई चर्चा में दोनों नेताओं ने स्पष्ट रूप से सीमा पार आतंकवाद की निंदा की और शांति, स्थिरता तथा नियम आधारित वैश्विक व्यवस्था के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। यह संदेश स्पष्ट था कि भारत और यूएई केवल आर्थिक साझेदार नहीं, बल्कि साझा मूल्यों और जिम्मेदारियों वाले रणनीतिक सहयोगी हैं। पश्चिम एशिया से लेकर हिंद महासागर क्षेत्र तक, यह साझेदारी स्थिरता का मजबूत स्तंभ बनकर उभरेगी।

दो-तीन घंटे की यह यात्रा यह सिखाती है कि इतिहास केवल लंबे समय से नहीं, बल्कि सही समय पर लिए गए साहसिक निर्णयों से बनता है। ऊर्जा सुरक्षा, परमाणु शक्ति, अंतरिक्ष अन्वेषण, व्यापार विस्तार और रक्षा सहयोग के क्षेत्रों में लिए गए फैसले आने वाले दशकों तक प्रभाव डालेंगे। यह मुलाकात दिखाती है कि जब नेतृत्व में स्पष्ट दृष्टि और आपसी विश्वास हो, तो सीमाएं अवसरों में बदल जाती हैं और चुनौतियां संभावनाओं में।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान की यह ऐतिहासिक भेंट भारतङ्कयूएई संबंधों का स्वर्णिम अध्याय बन गई। यह यात्रा केवल कूटनीतिक घटना नहीं, बल्कि भविष्य की रूपरेखा थी। ऊर्जा की रोशनी, परमाणु स्थिरता और अंतरिक्ष की असीम संभावनाओं के साथ यह साझेदारी आने वाली पीढ़ियों के लिए समृद्धि, सुरक्षा और नवाचार का मार्ग प्रशस्त करेगी। समय में छोटी, लेकिन प्रभाव में विशाल यह यात्रा इतिहास में सदैव याद रखी जाएगी।

-प्रो. आरके जैन

जिजीविषा, संघर्ष और मूल्यबोध, शाश्वत सफलता का पथ

जीवन में जिजीविषा, संघर्ष और संकल्प ही सफलता के वास्तविक और उत्तम मार्ग हैं। संयम, अनुशासन और आत्मनियंत्रण इनके मूल स्रोत हैं। निरंतर जिजीविषा के साथ किया गया संघर्ष ही प्रत्येक बड़ी उपलब्धि और विजय का आधार बनता है। वास्तव में निराशा से बड़ा कोई अवरोध नहीं होता; अतः हताशा और निराशा को त्यागकर यदि मनुष्य ऊर्जा, उत्साह और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़े, तो सफलता स्वयं उसके चरणों में आ खड़ी होती है।÷उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए। वामी विवेकानंद। समाज में जो व्यक्ति हमें सामान्य जन से अलग, विलक्षण और प्रतिभासंपन्न दिखाई देता है।जिसे आज की भाषा में 'सेलिब्रिटी' कहा जाता है उसकी चमक के पीछे अनवरत श्रम, अदम्य मानसिक शक्ति, आत्मसंयम और वर्षों का कठोर संघर्ष छिपा होता है। बड़ी सफलता का कोई सरल उपाय या शॉर्टकट नहीं होता। विपरीत परिस्थितियों में मनुष्य की मानसिक दृढ़ता और संकल्पित कठिन परिश्रम ही सफलता के द्वार खोलते हैं। यद्यपि प्रत्येक मनुष्य के जीवन में अपनी विशेषताएँ, मान्यताएँ, प्रतिबद्धताएँ और आकांक्षाएँ होती हैं। वह मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ-साथ सामाजिक प्रतिष्ठा, पहचान और सम्मान भी चाहता है। यह आकांक्षा स्वाभाविक और जीवन के अस्तित्व के लिए आवश्यक है, किंतु यह सफलता यदि मूल्यों, सिद्धांतों और आदर्शों की कीमत पर प्राप्त की जाए, तो वह समाज और मानवता–दोनों के लिए संकट का कारण बन सकती है। साध्य की पवित्रता साधन की पवित्रता पर निर्भर करती है। महात्मा गांधी।

यदि किसी व्यक्ति की महत्वाकांक्षा मानवीय मूल्यों से कटकर केवल निजी स्वार्थ की दिशा में बढ़े, तो उसकी तथाकथित सफलता विध्वंसक बन जाती है। जैसे कोई वैज्ञानिक यदि मानव कल्याण के उपकरणों के स्थान पर जैविक या रासायनिक हथियारों का निर्माण करे, तो वह उपलब्धि नहीं, बल्कि सभ्यता के लिए खतरा होती है। इसी कारण सफलता की यात्रा में मानवीय मूल्य, नैतिकता और सिद्धांतों की उपस्थिति अनिवार्य है।

मूल्य और नैतिकता जीवन के लक्ष्य निर्धारण और उनके क्रियान्वयन में सर्वाधिक संवेदनशील भूमिका निभाते हैं। सफलता केवल भौतिक मापदंडों तक सीमित न होकर मानव कल्याण से जुड़ी होनी चाहिए। यही कारण है कि विश्व की सभी सभ्यताओं, संस्कृतियों और धर्मों में सत्य, अहिंसा, करुणा, सेवा, दया और विश्वबंधुत्व की भावना की निर्विवाद उपस्थिति मिलती है।

भारत में प्राचीन काल से ही मूल्यनिष्ठ जीवन की परंपरा रही है। ऋषि-मुनियों ने स्पष्ट कहा कि जिसका चरित्र और आदर्श नष्ट हो गया, वह जीवित होते हुए भी मृतक के समान है। भारतीय संस्कृति में कबीर, रैदास, ज्ञानेश्वर, तुकाराम, मोइनुद्दीन चिश्ती, निजामुद्दीन औलिया, रहीम, अमीर खुसरो, गांधी, नेहरू, रवींद्रनाथ टैगोर, सुभाषचंद्र बोस और स्वामी विवेकानंद जैसे अनगिनत उदाहरण हैं।

-संजीव ठाकुर

जब पढ़ा खड़ा हो और अनपढ़ बैठा हो: लोकतंत्र में शिक्षा का अपमान

किसी भी सभ्य समाज की पहचान उसकी शिक्षा-व्यवस्था और उस शिक्षा को मिलने वाले सम्मान से होती है। शिक्षा केवल डिग्रियों का संग्रह नहीं, बल्कि विवेक, अनुशासन, संवैधानिक समझ और सार्वजनिक जिम्मेदारी का संस्कार है। सवाल यह है कि क्या भारत जैसा लोकतंत्र सचमुच इस शिक्षा का सम्मान कर रहा है, या सत्ता के गलियारों में पढ़े-लिखे लोग केवल आदेश पालन की मुद्रा में खड़े रहने के लिए ही नियत कर दिए गए हैं।

भारत में लाखों युवा वर्षों तक कठिन तैयारी, असफलता और संघर्ष के बाद सिविल सेवाओं तक पहुँचते हैं। वे संविधान, प्रशासन, अर्थव्यवस्था, समाजशास्त्र और नीति-निर्माण के गंभीर अध्ययन के बाद आईएएस, आईपीएस या अन्य सेवाओं में आते हैं। चयन के बाद भी लंबा प्रशिक्षण, फील्ड पोस्टिंग और निरंतर जवाबदेही उनका हिस्सा होती है। दूसरी ओर कई बार वही अफसर ऐसे जनप्रतिनिधियों के सामने हाथ बाँध कर खड़े दिखते हैं, जिनकी शैक्षणिक पृष्ठभूमि और प्रशासनिक समझ बेहद सीमित होती है। यही वह दृश्य है, जहाँ व्यंग्य नहीं, व्यवस्था की सच्चाई बोलती है–अनपढ़ बैठे हैं, पढ़ा खड़ा है।

एक सिविल सेवक बनने की यात्रा वर्षों की साधना है। परीक्षा केवल तथ्यों का नहीं, सोचने की क्षमता, विश्लेषण, नैतिकता और दबाव में निर्णय लेने की क्षमता का परीक्षण करती है। सेवा में आने के बाद भी हर फाइल, हर आदेश, हर हस्ताक्षर भविष्य की जांच-परख की कसौटी पर खरा उतरना होता है। इसके उलट, राजनीति में प्रवेश के लिए न किसी न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता की शर्त है, न नीति या प्रशासन का औपचारिक प्रशिक्षण अनिवार्य है। जनसमर्थन लोकतंत्र की आत्मा है, लेकिन जब वही जनसमर्थन पूरे तंत्र में योग्यता के अभाव को ढकने का आवरण बन जाए, तब समस्या शुरू होती है।

लोकतंत्र का अर्थ जनता का शासन है, लेकिन लोकतंत्र कभी भी अज्ञान का उत्सव नहीं रहा। सफल लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में राजनीतिक नेतृत्व और पेशेवर प्रशासन, दोनों को महत्व दिया गया है। वहाँ निर्णय लेने के मंच पर भावनाएँ नहीं, तथ्यों और तर्क की भी जगह होती है। हमारे यहाँ स्थिति यह बनती जा रही है कि बहस में शोर अधिक है, अध्ययन कम। आरोप-प्रत्यारोप की गर्मी अधिक है, आंकड़ों-तथ्यों की रोशनी कम। ऐसे माहौल में अफसरशाही, जो ज्ञान और प्रक्रिया की प्रतिनिधि है, केवल आदेश मानने वाली मशीन तक सीमित कर दी जाती है। यही मानसिकता उस दृश्य को जन्म देती है–कुर्ता बैठा है, वर्दी खड़ी है।

स्वतंत्र भारत की कल्पना में खादी और खाकी एक-दूसरे के पूरक माने गए थे। खादी जनमत, राजनीति और नीति-निर्माण का प्रतीक थी, खाकी कानून, व्यवस्था और निष्पक्ष क्रियान्वयन की। दोनों के बीच सम्मान आधारित रिश्ते से ही सुशासन की नींव रखी जानी थी। आज स्थिति यह है कि खादी कई बार संख्या-बल और पद की शक्ति के सहारे अपनी बात थोपती दिखती है, और खाकी स्थानांतरण, प्रतिशोध या झूठे आरोपों के डर से विवेकपूर्ण सलाह देने से कतराने लगती है। अफसर यह सोचने लगे हैं कि सही क्या है से ज़्यादा महत्वपूर्ण ऊपर क्या चाहते हैं है। यह मानसिकता न केवल प्रशासनिक नैतिकता को कमजोर करती है, बल्कि कानून के राज पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है।

इस वातावरण का सीधा असर समाज में शिक्षा की छवि पर पड़ता है। जब युवाओं को बार-बार यह दृश्य दिखता है कि जिसने वर्षों पढ़ाई की, प्रतियोगी परीक्षाएँ पास कीं, प्रशिक्षण लिया, वही अंत में केवल खड़ा है; और जिसने बिना किसी तैयारी के राजनीति की सीढ़ी चढ़ ली, वही बैठ कर अंतिम निर्णय ले रहा है, तो स्वाभाविक रूप से निराशा जन्म लेती है। संदेश साफ़ होता है–शिक्षा से सत्ता नहीं मिलती, ज्ञान से निर्णय नहीं होते और मेहनत से सम्मान सुनिश्चित नहीं। धीरे-धीरे शिक्षा समाज को दिशा देने का माध्यम नहीं, केवल नौकरी पाने का जरिया बनकर रह जाती है।

विडंबना यह भी है कि जब नीतियाँ असफल होती हैं, योजनाएँ धरातल पर नहीं उतरतीं या भ्रष्टाचार सामने आता है, तो सबसे पहले निशाने पर भी अफसर ही होते हैं। वास्तविकता यह है कि अधिकतर बड़े फैसले राजनीतिक स्तर पर लिए जाते हैं, अफसर उस नीति के क्रियान्वयनकर्ता होते हैं। फिर भी असफलता की पूरी जिम्मेदारी उन्हीं के सिर पर डाल दी जाती है। यह दोहरा अन्याय है–निर्णय में भागीदारी सीमित, लेकिन जवाबदेही पूरी। परिणाम यह होता है कि ईमानदार और साफ-गोई से काम करने वाले अधिकारी हतोत्साहित होते हैं और चुप रहना, जो कहा जाए वही करना सुरक्षित विकल्प बन जाता है।

जब भी यह सवाल उठाया जाता है कि क्या नीति-निर्माण के लिए न्यूनतम शिक्षा और प्रशासनिक समझ आवश्यक होनी चाहिए, तब तुरंत तर्क दिया जाता है कि क्या आप जनप्रतिनिधियों की वैधता पर सवाल उठा रहे हैं? साफ़ होना चाहिए कि सवाल वैधता का नहीं, क्षमता का है। जनप्रतिनिधि जनता के वोट से आते हैं, यह उनकी लोकतांत्रिक वैधता है और इसका सम्मान जरूरी है। लेकिन क्या जनादेश अपने आप में हर क्षेत्र की विशेषज्ञता का प्रमाणपत्र है? क्या करोड़ों लोगों पर असर डालने वाले निर्णय केवल राजनीतिक चतुराई, जातीय समीकरण या चुनावी लाभ-हानि को ध्यान में रखकर लिए जाने चाहिए?

सवाल सीधा है–यदि डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक, यहां तक कि एक साधारण क्लर्क की नौकरी के लिए भी योग्यता और परीक्षा जरूरी है, तो एक बड़े मंत्रालय का नेतृत्व बिना किसी प्रशिक्षण और न्यूनतम बौद्धिक तैयारी के कैसे सम्भव माना जा सकता है? लोकतंत्र का अर्थ यह नहीं कि जो चुन कर आए, वह सब जानता ही होगा; लोकतंत्र का अर्थ यह है कि चुना हुआ नेतृत्व विशेषज्ञों, प्रशासनिक अनुभव और संवैधानिक मूल्यों की मदद से निर्णय ले।

समाधान अफसरों को सर्वोच्च बना देने में नहीं है, न ही जनप्रतिनिधियों को कमतर साबित करने में। समाधान संतुलन में है। जनप्रतिनिधि नीति की दिशा तय करें, प्राथमिकताएँ निर्धारित करें; अफसर उस दिशा को संवैधानिक ढांचे और प्रशासनिक व्यावहारिकता के अनुरूप आकार दें। इसके लिए कुछ कदम आवश्यक हैं–जनप्रतिनिधियों के लिए अनिवार्य संवैधानिक और प्रशासनिक प्रशिक्षण, नए विधायकों और मंत्रियों के लिए व्यवस्थित ओरिएंटेशन प्रोग्राम, समितियों में विशेषज्ञों और शोध संस्थानों की सक्रिय भागीदारी, तथा अफसरशाही को ऐसी पेशेवर स्वतंत्रता, जहाँ वह भय नहीं, विवेक के साथ सलाह दे सके।

सबसे ज़रूरी यह स्वीकार करना है कि शिक्षा को केवल परीक्षा-कक्ष तक सीमित नहीं रखा जा सकता; उसे निर्णय-कक्ष तक भी पहुँचाना होगा। लोकतंत्र में सवाल पूछना, योग्यता की बात करना या शिक्षा का सम्मान मांगना, लोकतंत्र-विरोधी नहीं, बल्कि लोकतंत्र-समर्थ कदम हैं। जनता का जनादेश सर्वोच्च है, लेकिन वही जनादेश यह भी चाहता है कि निर्णय सोच-समझ कर, तथ्यों और तर्क के आधार पर हों।

जब तक यह दृश्य बना रहेगा–अनपढ़ बैठे हैं, पढ़ा खड़ा है; कुर्ता बैठा है, वर्दी खड़ी है; खादी बैठी है, खाकी खड़ी है–तब तक यह कहना कठिन होगा कि हमने शिक्षा को सचमुच सम्मान दिया है। लोकतंत्र का उद्देश्य केवल सत्ता-हस्तांतरण नहीं, विवेकपूर्ण शासन है। और विवेक शिक्षा, ज्ञान और योग्यता से ही आता है।

भारत यदि सचमुच एक परिपक्व लोकतंत्र बनना चाहता है, तो उसे तय करना होगा कि वह शिक्षा को केवल डिग्री और नौकरी तक सीमित रखेगा, या उसे शासन और नीति-निर्माण के केंद्र तक पहुँचने देगा। जिस दिन पढ़ा-लिखा केवल खड़ा नहीं, बल्कि सम्मान के साथ निर्णय लेते हुए दिखाई देगा, उसी दिन कहा जा सकेगा कि इस देश में शिक्षा का मज़ाक नहीं, उसका सम्मान हो रहा है।

-डॉ. सत्यवान सौरभ

सहेजना ज़रूरी है, पर कितना? संचय प्रवृत्ति का द्वंद्व

मनुष्य की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि वह इस जीवन को स्थायी मानकर चलने लगता है। वह सोचता है कि जितना अधिक वह संचय कर लेगा-धन, संपत्ति, पद, प्रतिष्ठा या संबंध-उतना ही उसका भविष्य सुरक्षित हो जाएगा। वास्तव में, इसी सोच के कारण वह निरंतर संग्रह में लगा रहता है। परंतु संचय की यह प्रवृत्ति, जब आवश्यकता से अधिक(बहुत अधिक संचय की भावना)हो जाती है, तब वह जीवन को सरल नहीं बल्कि बोझिल बना देती है। मनुष्य का मन धीरे-धीरे इच्छाओं, भय और असंतोष से भरने लगता है। वह आज में जीना भूलकर कल की चिंता में अपना वर्तमान खो देता है। हालांकि, कुछ हद तक व्यक्ति को संचय करना ठीक है, जैसा कि भविष्य की आवश्यकता हेतु संचय, विपत्ति हेतु संचय,आने वाले कल हेतु संचय आदि। संस्कृत में एक श्लोक में कहा गया है कि-अद्य कृत्वा न कर्तव्यं कर्तव्यमद्य एव तत। भविष्ये निश्चयं कृत्वा संचयं कुरु बुद्धिमान॥ अर्थात् इसका मतलब यह है कि आज जो करना आवश्यक है, उसे आज ही करो। भविष्य को ध्यान में रखकर बुद्धिमान व्यक्ति संचय करता है।विपत्ति में भी संचय का महत्व है, क्यों कि संचित धन विपत्ति में मित्र के समान सहायक होता है; बिना संचय के कोई सहारा नहीं रहता। इसीलिए संस्कृत में कहा गया है-संचितं हि भवेद् वित्तं विपत्तौ मित्रवत् सदा। असंचितस्य लोकेऽस्मिन् नास्ति कश्चित् सहायः॥ लेकिन आज का व्यक्ति हरदम,हर पल पदार्थ में रचा-बसा नजर आता है।वह ज्यादा से ज्यादा संचय कर लेना चाहता है,आवश्यकता से बहुत अधिक संचय। थोड़ा-थोड़ा संचय करना ठीक है।इस संबंध में,संचय ग़र करना ही है तो व्यक्ति को मधुमक्खी से शिक्षा (थोड़ा-थोड़ा संचय) की शिक्षा लेनी चाहिए।जैसे मधुमक्खी प्रतिदिन थोड़ा-थोड़ा मधु संचित करती है, वैसे ही बुद्धिमान व्यक्ति नियमित रूप से संचय करता है। बड़े खूबसूरत शब्दों में कहा गया है-यथा मधुकरो नित्यं मधु संगृह्य गच्छति।तथा बुद्धिमान् नित्यं अल्पमल्पं संचिनोति॥ कहना ग़लत नहीं होगा कि आदमी की संचय करने के पीछे आने वाले कल की सोच निहित होती है। कहते हैं कि जिसने पहले से संचय कर लिया, उसे भविष्य का शोक नहीं होता। संस्कृत में कहा गया है कि-न हि भविष्यतः शोकः कृतसंचयमेव हि।बुद्धिमान् स भविष्याय पूर्वमेव संचिनोति॥ हालांकि, इसके विपरीत प्रकृति हमें बिल्कुल भिन्न संदेश देती है। पक्षियों के जीवन को देखें। वे कभी संचय नहीं करते। न उनके पास गोदाम होते हैं, न तिजोरियाँ। हर सुबह वे खुले आकाश में निकल पड़ते हैं-नई खोज, नए दाने और नए अनुभव की तलाश में। उन्हें यह चिंता नहीं सताती कि कल क्या होगा या परसों क्या मिलेगा। वे जानते हैं कि आज का दिन आज के लिए है। शाम होते-होते, दिन भर की उड़ान और संघर्ष के बाद, वे अपने छोटे-से घोंसलों में लौट आते हैं और शांति से विश्राम करते हैं। उनका घोंसला भी संग्रह का स्थान नहीं, बल्कि विश्राम और सुरक्षा का प्रतीक होता है। वास्तव में, पक्षियों का यह जीवन हमें यह सिखाता है कि विश्वास और संतोष कितने महत्वपूर्ण हैं। वे प्रकृति पर भरोसा करते हैं और अपने श्रम पर भी। उन्हें भविष्य की अनिश्चितता डराती नहीं, क्योंकि वे वर्तमान में पूरी निष्ठा से जीते हैं। अगली सुबह फिर वही उल्लास, वही चहचहाहट और वही नई शुरुआत होती है। उनके जीवन में भय कम और स्वतंत्रता अधिक होती है।मनुष्य यदि चाहे तो पक्षियों से बहुत कुछ सीख सकता है। संचय आवश्यक है, परंतु सीमा में। आवश्यकता और लालच के बीच का अंतर समझना ही जीवन की परिपक्वता है। जब संचय ही जीवन का लक्ष्य बन जाता है, तब आनंद, प्रेम और शांति पीछे छूट जाते हैं। मनुष्य स्वयं द्वारा बनाए गए भंडार का रक्षक बनकर रह जाता है, जबकि जीवन उससे कहीं अधिक विशाल और प्रवाहमय है। सच्चा सुख अधिक जमा करने में नहीं, बल्कि कम में संतोष ढूँढने में है। पक्षियों की तरह हर दिन को एक नई यात्रा मानकर, पूरे मन से जीना ही जीवन की सार्थकता है। आज का श्रम, आज का आनंद और शाम का विश्राम-यही जीवन की सरल, सुंदर और संतुलित लय है। यदि मनुष्य इस लय को समझ ले, तो उसका जीवन भी हल्का, मुक्त और आनंदपूर्ण हो सकता है। अंत में निष्कर्ष के तौर पर यही कहूंगा कि संचय जीवन में सुरक्षा और भविष्य की स्थिरता देता है, इसलिए यह आवश्यक है। लेकिन जब संचय आवश्यकता से अधिक होकर लोभ, संसाधनों की बर्बादी या दूसरों के अभाव का कारण बन जाए, तो वह अनुचित हो जाता है। अतः संतुलित और उद्देश्यपूर्ण संचय ही उचित माना जाना चाहिए।

-सुनील कुमार महला

अंतरीक्ष तक पहुंची कौटिल्य के काव्यांश की उड़ान

जापान में होने वाली अंतर्राष्ट्रीय इंटर्नशिप के लिए हुआ चयन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मैने कभी हेलिकॉप्टर नहीं देखा था। जब पिता जी ने मुझे हेलिकॉप्टर लाकर दिया तब मुझे पता चला दुनिया में पक्षियों के अलावा भी कोई चीज उड़ती है। फिर नासा के बारे में पता चला। सर्च करने पर पता चला कि अमेरिका के अलावा हमारे देश में भी इसरो है। इसके बाद मैने हेलिकॉप्टर छोड़ रॉकेट का रास्ता चुना।

यह कहना था कौटिल्य एज्यूकेशन एकेडमी के छात्र काव्यांश यादव का जो प्रदेश के उन चार युवाओं में शामिल हैं जिनका चयन इसरो के लिए हुआ है। जो अगले तीन महीनों तक जापान में रहकर अपनी पढ़ाई पूरी करेंगे और फिर वे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (आईएसआरओ) में वैज्ञानिक रूप में शामिल होकर देश और दुनिया को अंतरीक्ष की गतिविधियों से अवगत कराएंगे। मंगलवार को एबी रोड स्थित एक निजी होटल में आयोजित प्रेसवार्ता में उन्होंने अपनी इस यात्रा के बारे में बताया। काव्यांश ने बताया कि हमने अमेरिका के बारे में सुना था कि अमेरिका में नासा है, जो बहुत राकेट छोड़ता है।

पढ़ते-पढ़ते पता चला कि हमारे देश में भी इसरो है जो बहुत अच्छे मिशन करते हैं तो फिर इसरो में जाने का तय किया। इसके लिए जेईई की तैयारी की और फिर रास्ता मिलता गया और वह आगे बढ़ता गया।

आपदा को बनाया अवसर, 10 माह में निकाली जेईई मेंस व एडवांस- पूरी दुनिया के साथ-साथ काव्यांश और उसके परिवार के लिए भी कोरोना काल बनकर आया। न पढ़ाई हो पा रही थी और ऑनलाईन पढ़ाई पर इतना भरोसा नहीं किया जा सकता था। लेकिन काव्यांश के बड़े भाई आर्यन उसकी ताकत बना और काव्यांश ने सबसे कठिन मानी जाने वाली जेईई मेंस व जेईई एडवांस की परीक्षा 10 माह में क्रेक करके आईआईएसटी में प्रवेश लिया। कोरोना में पूरी दुनिया थमी हुई थी लेकिन इस आपदा को काव्यांश ने अवसर में बदल दिया। जो तीन माह बाद उन नामी वैज्ञानिकों में शामिल होगा जिनके कारनामों पर पूरी दुनिया की नजर रहेगी।

स्कूल की पढ़ाई ने दिखाई राह- कौटिल्य स्कूल संचालक ब्रजेश यादव और माता शशि यादव अपने स्कूल के बच्चों के साथ-साथ अपने बच्चों को भी हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। जब कोरोना का काल आया तब लोगों ने इसे आफत मान लिया, लेकिन इसी समय माता-पिता व भाई से मिला प्रोत्साहन और समय काव्यांश के लिए गोल्डन टाईम साबित हुआ और जेईई मेंस व जेईई एडवांस क्रेक करने में उसे काफी मदद मिली।

बस ने वैन को मारी टक्कर, नशे में धुत था चालक, वैन चालक घायल

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अमोना चौराहे पर एक तेज रफ्तार बस ने मारुति वैन को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन सडक़ पर तीन पलटी खा गई। इस हादसे में वैन चालक अनिल प्रजापति (निवासी अचलूखेड़ी) के पैर में चोट आई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ओम साईं राम बस का चालक कुंदन (निवासी देवास) नशे की हालत में था। बस में लगभग 40 यात्री सवार थे, हालांकि किसी को गंभीर चोट नहीं आई। हादसे के बाद मौके पर मौजूद आक्रोशित लोगों ने बस चालक की पिटाई कर दी। बाद में लोगों ने नशे में धुत बस चालक के खिलाफ औद्योगिक पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। यह भी बताया जा रहा है कि पिछले दिनों बाईपास पर एक महिला की मौत जिस बस से हुई थी, वह भी ओम साईं राम नाम की ही बस थी।

नगर निगम के सफाई कर्मचारियों को नहीं मिल रहा शासकीय अवकाश का लाभ

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर पालिका निगम देवास में कार्यरत सफाई कर्मचारियों को शासन के नियमों के बावजूद रविवार सहित शासकीय अवकाश का लाभ नहीं दिए जाने को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता आर.बी. भाई पटेल ने मंगलवार को जनसनुवाई में जिलाधीश के नाम आवेदन दिया। श्री पटेल ने बताया कि शासन के आदेशों के अनुसार नगर पालिका, नगर निगम एवं अन्य शासकीय विभागों में सफाई कर्मचारियों को प्रत्येक रविवार का अवकाश दिया जाता है। साथ ही 26 जनवरी एवं 15 अगस्त जैसे राष्ट्रीय पर्वों पर भी शासकीय अवकाश का लाभ प्रदान किया जाता है। इसके अतिरिक्त शासन द्वारा शनिवार के अवकाश की घोषणा भी की जा चुकी है। इसके विपरीत नगर पालिका निगम देवास में कार्यरत सफाई कर्मचारियों को न तो रविवार का अवकाश दिया जा रहा है और न ही राष्ट्रीय पर्वों पर अवकाश का लाभ मिल रहा है। कर्मचारियों का कहना है कि अन्य नगर निगमों एवं नगर पालिकाओं में समान पद पर कार्यरत कर्मचारियों को यह सुविधा मिल रही है, जिससे देवास नगर निगम के कर्मचारियों के साथ असमानता हो रही है। श्री पटेल ने मांग की है कि शासन के नियमों के अनुरूप नगर पालिका निगम देवास में भी प्रति रविवार अवकाश तथा 26 जनवरी एवं 15 अगस्त को शासकीय अवकाश का लाभ प्रदान करने के आदेश जारी किए जाएं।

वेतन न मिलने पर कलेक्टर कार्यालय पहुंचे आउटसोर्स कर्मचारी

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शिक्षा विभाग के आउटसोर्स कंप्यूटर ऑपरेटर कर्मचारियों ने मंगलवार दोपहर कलेक्टर के नाम शाजापुर एसडीएम मनीषा वास्कले को एक ज्ञापन सौंपा। कर्मचारियों ने पिछले तीन से चार महीने से वेतन भुगतान न होने की समस्या के बारे में कलेक्टर से बताया। इन कर्मचारियों ने संविलियन की भी मांग की। सौंपे गए ज्ञापन में कर्मचारियों ने बताया कि उन्हें अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर माह का मासिक वेतन अब तक नहीं मिला है। इससे उनकी आर्थिक स्थिति गंभीर रूप से प्रभावित हुई है। घर खर्च, बच्चों की पढ़ाई, पेट्रोल सहित दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करना उनके लिए मुश्किल हो गया है। कर्मचारियों का कहना है कि शासन के निर्देशानुसार आउटसोर्स कर्मचारियों को हर महीने की 5 से 7 तारीख तक वेतन मिल जाना चाहिए, लेकिन शाजापुर जिले में इन निर्देशों का पालन नहीं हो रहा है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल द्वारा बजट जारी किए जाने के बावजूद जिला स्तर पर उपस्थिति संकलन और वेतन बिल भेजने की प्रक्रिया में लापरवाही बरती जा रही है। साथ ही जिला कार्यालय में इस कार्य के लिए कोई अधिकृत कर्मचारी भी नियुक्त नहीं है। इन कर्मचारियों ने ज्ञापन के माध्यम से वेतन भुगतान के अलावा कुशल श्रमिक से उच्च कुशल श्रमिक में संविलियन की मांग भी रखी। उन्होंने बताया कि उज्जैन जिले में इस संबंध में पहले ही अनुशंसा की जा चुकी है। कर्मचारियों ने प्रशासन से शीघ्र वेतन भुगतान और संविलियन की प्रक्रिया पूरी करने का आग्रह किया है।

गाली-गलौच कर किया चाकू से हमला, पुलिस ने दोनो पक्षों की शिकायत पर किया मामला दर्ज

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के मुगलपुरा पायगा इलाके में सोमवार शाम चाकूबाजी की घटना हुई। कोतवाली पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पहले पक्ष से सोहेल अली (23) निवासी मुगलपुरा पायगा ने बताया कि सोमवार शाम करीब 7 बजे वह जग्गु भाई की आरा मशीन पर मौजूद था। इसी दौरान अरबाज पठान वहां आया और गाली-गलौच करने लगा। सोहेल के मना करने पर अरबाज ने उस पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे उसकी पीठ और चेहरे पर चोटें आईं। जब सोहेल की मां रेहाना बी बीच-बचाव करने आईं तो अरबाज के पिता शफीक उर्फ भय्यु पठान ने उन पर भी चाकू से हमला किया और मुक्के से वार कर घायल कर दिया। शोर सुनकर आमिर खान और अयान खान मौके पर पहुंचे, जिसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए।

शराब के अवैध ठिकानों के खिलाफ कांग्रेस का अनोखा प्रदर्शन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास शहर के नोवेल्टी चौराहे पर आज कांग्रेस नेताओं ने युवा कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष जितेंद्र सिंह गौड़ के नेतृत्व में अनोखे अंदाज में विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ठेले पर शराब की बोतलें रखकर आबकारी विभाग के खिलाफ अपना आक्रोश जताया।

इस दौरान मीडिया से चर्चा करते हुए जितेंद्र सिंह गौड़ ने कहा कि पिछले दिनों युवा कांग्रेस द्वारा आबकारी विभाग में ज्ञापन देकर शहर में चल रहे अवैध शराब कारोबार को लेकर शिकायत दर्ज कराई गई थी। विभाग को स्पष्ट रूप से चेताया गया था कि शहर के कई इलाकों में डायरी सिस्टम के नाम पर अवैध रूप से शराब बेची जा रही है और शराब दुकानों के आसपास अवैध अहाते संचालित हो रहे हैं, लेकिन 10- 15 दिन बीत जाने के बाद भी विभाग की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

उन्होंने आरोप लगाया कि आबकारी विभाग की लापरवाही के कारण गलीङ्कमोहल्लों में खुलेआम शराब बिक रही है, जिससे युवाओं और आम जनता पर बुरा असर पड़ रहा है। इसी के विरोध में आज युवा कांग्रेस ने ठेले पर शराब रखकर प्रतीकात्मक और अनोखा प्रदर्शन किया है।

युवा कांग्रेस ने मांग की है कि शराब दुकानों के पास बने अवैध अहाते तुरंत बंद किए जाएँ, शहर में चल रहे डायरी सिस्टम पर सख्त रोक लगे, अवैध शराब बिक्री करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। जितेंद्र सिंह गोल्ड ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि आबकारी विभाग ने जल्द कदम नहीं उठाए तो कांग्रेस पार्टी आगे भी इसी तरह के रचनात्मक और उग्र प्रदर्शन करती रहेगी। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

उद्योग स्थापित कर स्थानीय उद्यमियों को मिले प्राथमिकता

लघु उद्योग भारती ने विधायक को ज्ञापन सौंपकर की समस्या समाधान की मांग

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। लघु उद्योग भारती ने मंगलवार को विधायक अरूण भीमावद को ज्ञापन सौंपा। जिसमें उद्योगों की स्थापना कर स्थानीय के साथ-साथ छोटे उद्यमियों को प्राथमिकता दिए जाने की मांग की। साथ ही अन्य समस्याओं के समाधान की भी मांग की।

सौंपे गए ज्ञापन में लघु उद्योग भारती द्वारा बताया गया कि नवीन औद्योगिक क्षेत्र भेरू डूंगरी नगर से चार-पांच किलोमीटर की दूरी पर है एवं एबी रोड से एक किलोमीटर पहाड़ी पर स्थित है। जहां भूखंडों की दरें 130 रुपया स्क्वायर फिट है। उसे कम करके 80 रू. स्क्वायर फीट की जावे। साथ ही भूखंड आवंटन की प्रक्रिया में स्थानीय युवा उद्यमियों को प्रथम प्राथमिकता दी जावे। उन्होंने बताया कि शासन की योजनाओं में पहले आओ पहले पाओ की नीति लागू की जावे। ज्ञापन में बताया गया कि शाजापुर क्षेत्र के युवा नवीन उद्यमियों ने अपने-अपने प्रस्ताव बनाकर एमपीआईडीसी को उद्योगों के उत्पादन की सूची एक वर्ष पूर्व लिखित में एवं ऑनलाइन प्रस्तुत कर दी गई थी, जिसमें 3 हजार, 5 हजार, 8 हजार और 10 हजार स्क्वायर फीट के भूखंडों की मांग की गई थी, लेकिन मध्य प्रदेश इंडस्टरीज डेवलपमेंट कारपोरेशन ने वर्तमान नक्शे में सिर्फ 10000 स्क्वायर फीट से अधिक के भूखंडों शासन ने प्रस्तावित किए हैं, जो कि अनुचित होकर न्याय संगत नहीं है। अतः 3000, 5000, 8000, स्क्वायर फीट के भूखंडों के साइज की जावे।

इसके अलावा लघु उद्योग भारती द्वारा अन्य समस्याओं के समाधान की मांग भी विधायक से की। इस अवसर पर लघु उद्योग भारती के प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश तिवारी, गजेंद्रसिंह सिकरवार, पवन गर्ग, लघु उद्योग भारती के अध्यक्ष किशोर प्रजापत आदि उपस्थित थे। संचालन सुभाष मंडलोई ने किया।

पदाधिकारियों ने किया विधायक का स्वागत- इसके पूर्व लघु उद्योग भारती द्वारा रेस्ट हाउस पर विधायक अरुण भीमावत शाल एवं श्रीफल से स्वागत किया। उन्होंने सभी उद्यमियों से चर्चा की। उन्होंने कहा कि लघु उद्योग भारती ने जिले में उद्योगों के विस्तार एवं उद्योग का वातावरण बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। शासन प्रशासन स्तर पर जो भी हो सकता है उसका शीघ्र निराकरण करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान में इंदौर ,पीथमपुर ,देवास, उज्जैन, सभी जगह पर अब जमीन नहीं बची है। सिर्फ शाजापुर जिला है जिसमें उद्योगों की लगने की अधिक संभावना है। अभी और बड़े-बड़े उद्योग इस शाजापुर क्षेत्र में आने वाले हैं।

आनंद ग्राम सोबल्यापुरा में आनंद उत्सव संपन्न

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आनंद ग्राम सोबल्यापुरा में मध्यप्रदेश राज्य आनंद संस्थान की संभागीय कोआर्डिनेटर डॉ. समीरा नईम की उपस्थिति और मार्गदर्शन में आनंद उत्सव का भव्य आयोजन ग्राम पंचायत सोबल्यापुरा द्वारा आयोजित किया गया। इस अवसर पर स्थानीय गणमान्य जन पूर्व उपसरपंच न्यादर सिंह राठौर, सहकारी समिति पूर्व अध्यक्ष विक्रम सिंह बघेल,अखिल भारतीय सिर्वी महासभा के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष महेंद्रसिंह परिहार, पूर्व मंडी अध्यक्ष गंगा बाई चम्पालाल काग, सरपंच अन्नू बाई परिहार,बाटिया मोर्य (प्रधान आरक्षक), प्रीतम परिहार, आदि बतौर अतिथि के रूप में रहे। स्वस्तिवाचन के साथ अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। निर्गुण भजन गायक कलाकार दिनेश मौर्य ने भजन संकल्प हो हमारा इंसान बने हम, इंसान बन गए तो भगवान के करीब हो जाएंगे....की सुमधुर प्रस्तुति दी। आनंद क्लब अभिव्यक्ति मंच बागली के सचिव वारिस अली, रोटी बैंक की शोभा गोस्वामी,प्रमीला तंवर, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष श्यामा तोमर, दिनेश शर्मा तथा पत्रकार राजेन्द्र योगी भी विशेष रूप से उपस्थित रहे तथा आनंद उत्सव में आयोजित खेल गतिविधियों रस्साकसी,चेयर रेस आदि में स्थानीय महिला-पुरूषों के साथ सहभागिता की। आनंद संस्थान देवास से गजेन्द्र शर्मा ,सूफिया कुरेशी तथा लख्मी राव ने आनंद उत्सव को सभी की सहभागिता से संचालित किया। चेयर रेस में ग्राम की 75 वर्षीय रसली बाई अलावा ने पहला स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर विजेता को 11,00 रु.की नगद राशि देकर सम्मानित किया गया।

क्लास रूम छोड़ वन में पहुंचे बच्चे, पत्तों की थाली में किया लंच

नेहरू स्मृति वन में हुआ अनुभूति कैंप का आयोजन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मंगलवार को स्कूली विद्यार्थी क्लास रूम छोड़ वन में घूम रहे थे जिन्होंने रोज की तरह टिफिन या थाली में नहीं बल्कि पत्तियों से बनी थालियों में लंच किया। इस दौरान बच्चों ने प्रकृति के रहस्य भी जाने। इस वन में एक नही बल्कि सैकड़ों बच्चे पहुंचे।

दरअसल वन मंडल द्वारा मंगलवार को ईको अनुभूति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम नेहरू स्मृति वन में हुआ, जिसमें जिले के तीन शासकीय स्कूलों के उत्कृष्ट उच्च माध्यमिक स्कूल क्रमांक-01, शासकीय मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल शाजापुर और शासकीय सीएम राइज स्कूल शाजापुर के कुल 120 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में पर्यावरण संरक्षण, वन और वन्यप्राणियों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। इस दौरान डीएफओ हेमलता शाह, उप वनमंडलाधिकारी एफएस निनामा और वन परिक्षेत्र अधिकारी पुष्पलता मौर्य ने विद्यार्थियों को जंगल के महत्व और प्रकृति से जुड़ाव के बारे में सरल भाषा में जानकारी दी। बच्चों को समझाया गया कि वन हमारे जीवन के लिए कितने जरूरी हैं।

पत्तियों से बनी थालियों में कराया भोजन- कैंप के दौरान विद्यार्थियों को अनुभूति किट, किट बैग और पुस्तकें दी गईं। पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए प्लास्टिक का उपयोग नहीं किया गया। भोजन पेड़ों की पत्तियों से बनी थालियों में कराया गया, जिससे बच्चों को प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का संदेश मिला। मास्टर ट्रेनर पदम परमार और परिक्षेत्र सहायक अशोकसिंह बघेल ने बच्चों को वन, वन्यप्राणी और उनके संरक्षण से जुड़ी जरूरी जानकारी दी। बच्चों ने ध्यान से बातें सुनीं और सवाल भी पूछे। साथ ही सभी विद्यार्थियों को पर्यावरण, वन और वन्यप्राणियों की सुरक्षा की शपथ दिलाई गई। बच्चों ने भविष्य में प्रकृति को बचाने और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनने का संकल्प भी लिया।

म.प्र जनअभियान परिषद सोनकच्छ ब्लाक समन्वयक कर रहे भ्रष्टाचार, 16 वर्षो से एक जगह पर ही पदस्थ है

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सोनकच्छ निवासी चंद्रशेखर शर्मा ने जिलाधीश को आवेदन देकर शिकायत करते हुए बताया कि म.प्र.जन अभियान परिषद सोनकच्छ के ब्लॉक समन्वयक के द्वारा भ्रष्टाचार व नियम विरूद्ध कार्य किया जा रहा है। ब्लाक समन्वयक के द्वारा सत्र 2022-23, 2023-2024 के अध्ययनरत छात्र को मेन्टर पद पर सत्र 2022-23 से नियुक्त किया गया, क्योकि एक व्यक्ति एक समय में दो जगह कैसे उपस्थित हो सकता है, वह एक साथ दो कार्य कैसे करेगा। जिसकी जानकारी ब्लॉक समन्वयक को थी। परामर्शदाता के रूप में सोनकच्छ विकासखण्ड में रखा गया, वही अन्य विकासखण्ड में एमएस डब्ल्यू के रूप में छात्र थे। जबकि यह नियम के विरूद्ध कार्य किया गया। एक परामर्शदाता (मेंटर)के द्वारा 4 जनवरी 2024 से महाविद्यालय में अतिथि विद्वान में चयन होने से परामर्शदाता (मेंटर) का पद छोड दिया गया था, जबकि इनके द्वारा नयें परामर्शदाता (मेंटर) की नियुक्ति की जाना थी,लेकिन भ्रष्टाचार करते हुयें मानसिंह मालवीय विकासखंण्ड समन्वयक म.प्र.जन अभियान परिषद् सोनकच्छ जिला देवास के द्वारा परामर्शदाता (मेंटर) के अनुपस्थित होने के बाद भी उपस्थिति लगाकर मानदेय निकाला गयां, इसकी भी निष्पक्ष जाच होना चाहिए। पुरानी सक्रिय प्रस्पुटन समिति को हटाकर मनमानी तरीकें से नयी प्रस्पुटन समिति बनाई गई,जबकि पूर्व से सक्रिय समिति को पुनः नियुक्ति दी जा सकती थी। नवांकुर श्री राम सामाजिक सेवा समिति में अध्यक्ष पद पर सेवारत था। वर्तमान सत्र में समन्वयक द्वारा कहा गया कि नवीन आदेश आया हे कि इस वर्ष नवीन नवांकुर समिति को नियुक्ति की जायेगी तथा समन्वयक महोदय के द्वारा यह कहा गया कि पूर्व से कार्यरत समिति की नियुक्ति करना है तो आपको मुझे 10000 रू देना पडेगें अन्यथा आपकी नियुक्ति नही दी जायेगी। मेरे द्वारा ब्लॉक समन्वयक को 10000 रू नही देने पर मेरी समिति का चयन नही किया गया।

युवती को परेशान करने वाले युवक को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बुरी नीयत से हाथ पकड़कर दी थी धमकी

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कोतवाली थाना क्षेत्र में एक युवती का पीछा कर परेशान करने और धमकी देने का मामला सामने आया है। मंगलवार को पुलिस ने आरोपी अनिल परमार को गिरफ्तार कर लिया है। युवती ने अनिल परमार, निवासी त्रिलोक नगर देवास के खिलाफ लिखित आवेदन प्रस्तुत किया था।

आवेदिका शाजापुर स्थित एक ब्यूटी पार्लर में प्रशिक्षण ले रही है। पीड़िता ने बताया कि उसने वर्ष 2024 में अनिल परमार के खिलाफ देवास सिविल लाइन थाना में एक गंभीर अपराध की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। यह प्रकरण वर्तमान में जिला न्यायालय देवास में विचाराधीन है। पीड़िता के अनुसार, इस घटना के बाद से अनिल उसे लगातार परेशान कर रहा है। पीड़िता ने आरोप लगाया कि 1 जनवरी 2026 से आरोपी उसका लगातार पीछा कर रहा है। 16 जनवरी को आरोपी उसके घर के बाहर खड़ा मिला था। इसके बाद 18 जनवरी को टंकी चौराहा के पास आरोपी ने उसका रास्ता रोका, बुरी नीयत से हाथ पकड़ा और धमकी दी। घटना के बाद आरोपी पार्लर तक उसका पीछा करता हुआ पहुंच गया।

पीड़िता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज- पुलिस ने युवती के आवेदन के आधार पर संबंधित धाराओं में अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। कोतवाली थाना प्रभारी संतोष वाघेला ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ छेड़छाड़ की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसे जल्द ही न्यायालय में पेश किया जाएगा।

वंदे मातरम् गीत और बिरसा मुण्डा के संघर्ष ने स्वतंत्रता आंदोलन को दिया जनाधार-राज्यपाल श्री पटेल

कलाव्योम फाउंडेशन द्वारा आयोजित राष्ट्रीय चेतना के दो स्वर विषय पर आयोजित संगोष्ठी में शामिल हुए राज्यपाल

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्यपाल मंगू भाई पटेल ने कहा कि भगवान बिरसा मुण्डा का जमीनी, जन-आधारित संघर्ष और 'वंदे मातरम' के वैचारिक-आध्यात्मिक स्वरों ने मिलकर भारत के स्वतंत्रता संग्राम को व्यापक जनाधार प्रदान किया था। आंदोलन को स्पष्ट दिशा और आत्मिक शक्ति देने के साथ ही भारत की विविधता में निहित शक्ति और एकता को प्रमाणित किया। उन्होंने कहा कि आजादी के संघर्ष में शिक्षित, शहरी, ग्रामीण और वंचित वर्गों ने मिलकर स्वतंत्र राष्ट्र का स्वप्न साकार किया। इसी भाव-भावना के साथ संकल्पित होकर युवाओं को विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की ओर बढ़ना होगा। राज्यपाल श्री पटेल देवास की प्रतिष्ठित सांस्कृतिक संगठन कलाव्योम फाउंडेशन द्वारा भोपाल में राष्ट्रीय चेतना के दो स्वर विषय पर आयोजित विचारोत्तेजक आयोजन में उपस्थित श्रोताओं को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल श्री मंगू भाई पटेल ने कहा कि तेरा वैभव अमर रहे माँ, हम दिन चार रहें न रहें है। भारत की आत्मा और चेतना का यह भाव राष्ट्र के प्रति निष्ठा, समाज के प्रति संवेदना और संस्कृति के प्रति सम्मान का है। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुण्डा एवं 'वंदे मातरम' के रचनाकार बंकिम चंद्र चटर्जी की 150वीं जयंती के पावन प्रसंग का यह प्रकल्प ÷स्वतंत्रता के दो स्वर÷ भारत की आज़ादी के बहुआयामी, समावेशी और जन जन की साझी साधना का स्मरण है। भगवान बिरसा मुण्डा केवल एक क्रांतिकारी नहीं, बल्कि जनजातीय चेतना, सामाजिक न्याय और सांस्कृतिक स्वाभिमान के महान प्रतीक थे। उनका ÷अबुआ दिशुम, अबुआ राज÷, जनजातीय समुदाय की स्वतंत्रता आकांक्षा का उद्घोष था, जिसने जल, जंगल और जमीन पर अधिकार के साथ ही आत्मनिर्णय की चेतना को सशक्त किया। स्वतंत्रता आंदोलन को ग्रामीण भारत की आत्मा तक पहुँचाया। 'वंदे मातरम' भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की वैचारिक और भावनात्मक आत्मा बनकर उभरा। इस गीत ने राष्ट्रभक्ति, त्याग और बलिदान की भावना को जनमानस में प्रतिष्ठित किया। देशवासियों को मानसिक और नैतिक रूप से एकजुट किया। 'वंदे मातरम' ने भारत माता की सजीव कल्पना के माध्यम से भारतवासियों में आत्मगौरव और सांस्कृतिक एकता का संचार किया आज़ादी के दीवानों को संघर्ष के कठिन क्षणों में अदम्य साहस और नैतिक बल प्रदान किया। उन्होंने भगवान बिरसा मुण्डा और बंकिम चंद्र चटर्जी को श्रद्धापूर्वक नमन किया। कलाव्योम फाउंडेशन को सार्थक और विचारोत्तेजक आयोजन के लिए हार्दिक बधाई दी।

पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त ओ.पी. रावत ने कहा कि भगवान के स्तर पर पहुँच गए जनजातीय नेतृत्व और राष्ट्रीय चेतना के प्रतीक गीत की 150वीं वर्ष गांठ का प्रसंग उनकी जीवनी, चरित्र और गतिविधियों को अपने जीवन, चरित्र और दिनचर्या में अमल करना होगा।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता रमेश शर्मा ने कहा कि वंदे मातरम् गीत, भगवान बिरसा मुण्डा का अबुआ दिशुम अबुआ राज और उलगुलान के सूत्र एक समान है। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों द्वारा किया गया अलगाव भारतीय दर्शन और विज्ञान दोनो के अनुसार अनुचित है।

ग्रामों के विकास में ही प्रदेश और देश का विकास निहित : विधायक श्री पंड्या

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। गांव के विकास से ही किसी भी देश का विकास संभव है। इसी मंशा को ध्यान में रखते हुए ग्रामोदय से अभ्युदय मध्यप्रदेश अभियान सरकार ने चलाया है। अभ्युदय का मतलब समृद्धि व उन्नति है। गांव का विकास होगा तो मध्य प्रदेश का विकास होगा और तब देश भी पीछे नहीं रहेगा। अभियान के तहत शासन की योजनाएं समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचे इस बात का विशेष ध्यान रखना सभी की जवाबदेही है।

उक्त विचार ग्राम पंचायत सुंदराबाद द्वारा आयोजीत ग्रामोदय से अभ्युदय अभियान एवं आनंद उत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते लोकप्रिय विधायक श्री जितेंद्र उदयसिंह पंड्या ने व्यक्त किए। आपने कहा कि भाजपा की केंद्र एवं प्रदेश सरकार जन-जन के हित की योजनाएं लागू कर रही है। प्रदेश तथा देश निरंतर उन्नति कर रहा है। मोदी जी के नेतृत्व में निश्चित रूप से आने वाले समय में भारत विश्व गुरु बनेगा। इस गरिमामय समारोह को संबोधित करते हुए जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री उमराव सिंह राठौर ने कहा कि खेल से शरीर स्वस्थ रहता है, इस तरह के आयोजन निरंतर गांव में होते रहना चाहिए ताकि उल्लास और उत्साह का माहौल बना रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच श्रीमती ज्योति अजय पंड्या सजग ने की। प्रारंभ में मां सरस्वती एवम युगपुरुष स्वामी विवेकानन्द के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया गया। सरस्वती वंदना अंतिमबाला चौधरी ने प्रस्तुत की। कार्यक्रम में के दौरान स्कूली छात्र-छात्राओं के साथ गांव की महिलाओं व पुरुषों ने खेल कूद प्रतियोगिताओं में सम्मिलित होकर अपने बचपन के दिनो को याद किया। सरपंच प्रतिनिधि अजय पंड्या सजग ने स्वागत भाषण देते हुए ग्राम विकास हेतु आवश्यक कार्यो से विधायक श्री पंड्या को अवगत करवाते हुए कार्य स्वीकृत की मांग की। अतिथियों का साफा बांधकर दुपट्टा ओढ़ाकर पुष्पमालाओ से स्वागत सरपंच श्रीमती ज्योति पंड्या, उप सरपंच यदुराज यादव, मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकास खंड समन्वयक श्रीमती रेणुका श्रोत्रीय, संतोष पंड्या, भाजयुमो अध्यक्ष योगेश पंड्या, ग्राप सचिव धर्मेंद्र बैरागी, बंटी पंड्या, महेंद्र यादव, प्रहलाद सिंह डाबी, पीरूलाल मालवीय, मेहरबानसिंह गोयल, गौरव बैरागी आदि ने किया। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ पत्रकार श्री श्याम पुरोहित, जनजागरण गीतकार श्रीमती सरिता यादव, गांव के वरिष्ठ नागरिक श्री अमरलाल यादव, पूर्व सरपंच श्री गोपालसिंह राठौर, पूर्व सरपंच श्रीमती प्रकाशकुंवर गोयल, वृक्षमित्र दंपत्ति दातार सिंह राजूबहन, प्रतिभावान छात्रा सुहाना परमार, शुभम संगीत बैंड के माध्यम से गांव गौरव श्री मोहनलाल मकवाना, प्रस्फुटन समिति सचिव श्री दीपक पंड्या का सम्मान अभिनंदन किया गया। आनंद उत्सव में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता छात्र-छात्राओं एवं ग्रामीण जनों को अतिथि गणों के हाथों पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर सरस्वती शिशु मंदिर के भैया बहनों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर मन मोह लिया। श्रीमती सरिता यादव ने गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में नवांकुर संस्था से मुकेश शर्मा, इंदरसिंह भाटी, कृषि विस्तार अधिकारी पूजा जाजमें, थाना प्रभारी सत्येंद्रसिंह चौधरी, एवं मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राएं एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। संचालन शिक्षक अशोक निंबोला ने किया एवं आभार प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष घनश्याम सिंह पंड्या ने व्यक्त किया।

सफलता की कहानी पीड़ा से मिली प्रेरणा ने गोपाल को बनाया गोबर शिल्पी

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जो निराश्रित गौवंश कभी गोपाल झा के जीवन में असहनीय पीड़ा का कारण बना था, आज वही गौवंश उनके जीवन की पहचान, आजीविका और सामाजिक उद्देश्य का आधार बन गया है। गोपाल झा ने अपने निजी दुख को सकारात्मक सोच और नवाचार में बदलते हुए यह साबित कर दिया कि यदि दृष्टि सही हो, तो संकट भी अवसर बन सकता है। पिछले 15 सालों से गोबर शिल्पकला से अच्छी खासी आय अर्जित कर रहे गोबर शिल्पी गोपाल झा ने नाबार्ड की मदद से ग्वालियर व्यापार मेले के शिल्प बाजार में अपनी दुकान लगाई है।

ग्वालियर शहर के घासमंडी क्षेत्र के निवासी गोपाल झा की सफलता की दास्तां संघर्ष और आत्ममंथन से जन्मी एक प्रेरणादायी यात्रा है। वे भावुक होकर बताते हैं कि वर्ष 2009 में एक निराश्रित गौवंश द्वारा गिरा दिए जाने से उनके पिता श्री नाथूराम झा का निधन हो गया था। इस घटना ने उन्हें भीतर तक झकझोर दिया और कुछ समय के लिए उनके मन में गौवंश के प्रति नकारात्मक भाव आ गए। लेकिन जब उन्होंने गहराई से सोचा, तो यह समझ आया कि दोष गौवंश का नहीं, बल्कि उसे सड़कों पर निराश्रित छोड़ने वाले समाज का है। यहीं से उन्होंने ठान लिया कि गौवंश के पंचगव्य को वे आय का जरिया बनाएंगे। गोपाल झा की फर्म श्री कामधेनु इंटरप्राइजेज के नाम से पंजीकृत है। मेले के शिल्प बाजार में उनकी दुकान पर सजे गौवंश के गोबर व पंचगव्य से निर्मित गुल्लक, कलात्मक मटकियां, सजावटी तोरण-द्वार, दीवार झूमर, शील्ड, की-रिंग होल्डर, दीपक एवं दीवार घड़ी के फ्रेम इत्यादि गोबर शिल्प उत्पाद दूर से ही सैलानियों को आकर्षित कर रहे हैं। इस काम की शुरुआत आसान नहीं थी। गोपाल झा बताते हैं कि पहले उन्होंने घर पर ही गोबर से छोटे-छोटे शिल्प उत्पाद बनाना शुरू किया। समय लगा, प्रयोग हुए, गलतियां भी हुईं। लेकिन मेहनत रंग लाई और वे धीरे-धीरे कुशल गोबर शिल्पी बन गए। उनके हुनर को पहचान तब मिली, जब राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय में सरकार द्वारा स्थापित सेंटर फॉर एग्री बिजनेस इक्यूबेशन एंड इंटरप्रेन्योरशिप में उनकी फर्म का पंजीयन हुआ। इस पंजीयन ने उनके शिल्प को नया बाजार दिया और आमदनी के रास्ते खोल दिए।

बसंत पंचमी पर काव्य गोष्ठी का आयोजन

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। यहां मध्य प्रदेश हिंदी साहित्य सम्मेलन की ओर से बसंत पंचमी के अवसर पर 23 जनवरी को सरस काव्य गोष्ठी का आयोजन रखा गया है। आयोजन श्रीसूर्यमुनि चिकित्सालय में शाम 7 से 9 बजे तक होगा। जिसमें राष्ट्रीय कवि राकेश शर्मा, प्रदीप पांडेय, अमितोष माथुर, विमलेश पगारिया, गोपाल कावलिया, राजू गजभिए, वैभव चौरडिया, नेहा शर्मा, प्राची जैन, ईश्वरलाल पाटीदार संदला, प्रकाश जायसवाल बडगारा आदि काव्य पाठ करेंगे। हिंदी साहित्य सम्मेलन के जिला प्रमुख राजेश जैन फूलजीबा ने काव्य प्रेमियों से आयोजन में शामिल होकर इसका लुफ्त उठाने की अपील की है।

ग्वालियर मेला में कुलगुरू श्री शुक्ला ने किया कृषि विश्वविद्यालय की प्रदर्शनी का उदघाटन

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्वालियर व्यापार मेला में राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय द्वारा कृषि की नवीन एवं उन्नत तकनीकों, कृषि से संबंधित विभिन्न प्रादर्श, प्रसंस्कृत एवं जैविक उत्पादों पर आधारित प्रदर्शनी लगाई गई है। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन मंगलवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अरविन्द कुमार शुक्ला ने किया। कृषि विश्वविद्यालय के निदेशक विस्तार सेवाएं डॉ. वाय.पी. सिंह के मार्गदर्शन में यह प्रदर्शनी लगाई गई है। प्रदर्शनी समन्वयक एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा प्रमुख, कृषि विज्ञान केन्द्र, ग्वालियर डॉ. शैलेन्द्र सिंह कुशवाह ने कुलगुरू को प्रदर्शनी का अवलोकन कराया। साथ ही प्रदर्शित तकनीकों और उत्पादों की जानकारी दी।

संकल्प से समाधान अभियान को सफल बनाने नपा कर्मचारी मैदान में

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन की संकल्प से समाधान अभियान के तहत हितग्राहियों से आवेदन प्राप्त कर रहे है। लोगों को उम्मीद है कि उनकी समस्याओं का समाधान निश्चित तौर पर होगा। नगर परिषद के योजना शाखा प्रभारी जेन्द्र शर्मा के द्वारा बताया गया कि नगर परिषद बदनावर से संबंधित अभियान के तहत अब तक 18 प्रकरण आ चुके है. विभिन्न स्थानों पर लगाए जाने वाले शिविर को लेकर सीएमओ लालसिंह राठौड़ भी सक्रिय है। शिविर में पहुंचकर निरीक्षण करने के साथ ही आवश्यक्त दिशा निर्देश भी उनके द्वारा दिए जा रहे हैं।

संकल्प से समाधान अभियान में नगर परिषद बदनावर के वार्ड प्रभारी दिनेश मुणत, (वार्ड क्रं. 1 से 5) किर्तीकुमार दशोरिया, (वार्ड क्र. 6 से 10) विश्वम्भर माथुर (वार्ड क्र. 11 से 15) के साथ निकाय के कर्मचारियों, सचिन प्रजापत, चेतनसिंह पंवार, हेमलता शर्मा, संतोष मकवाना, अभिषेक व्यास सहित आंगनवाडी कार्यकर्ता एवं आशा कार्यकार्ता की इयुटी वार्ड वाईस लगाई है। जो घर-घर जाकर लोगों के आवेदन लेकर उनका निराकरण कराएंगे। चार चरणों में चलने वाला यह अभियान मार्च के अंत में खत्म होगा। पहला चरण 12 जनवरी 2026 से आंरभ हुआ है जो 18 फरवरी तक चलेगा इसके तहत विभिन्न विभागों से जुड़ी समस्याओं से संबंधित आवेदन लिया जाएंगे दूसरे चरण में इन समस्याओं के समाधान हो गया। तीसरा व चौथे चरण में भी समस्या निराकरण करने का काम किया जाएगा।

संकल्प से समाधान अभियान में नगरीय प्रशासन विभाग की निम्न सेवाए क्रमशः इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना, समग्र सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय निःशक्तजन पेंशन योजना, चिकित्साकी अनुशंसा से निःशुल्क कृत्रिम अंग / सहायक उपकरण मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना, मुख्यमंत्री कन्या अभिभावक पेंशन योजना, राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना, 6 वर्ष से अधिक आयु के बहूदिव्यांग / मानसिक रूप से अविकसित निशक्तजन हेतु सहायता अनुदान, मुख्यमंत्री निशुल्क शिक्षा प्रोत्साहन योजना, दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना, दिव्यांग छात्रवृत्ति योजना, मुख्यमंत्री अविवाहित पेंशन योजना, निशक्त विवाह प्रोत्साहन योजना, मध्य प्रदेश निशुल्क छात्र-छात्राओं हेतु उच्च शिक्षा में फीस निर्वाह व परिवहन भत्ता योजना, उच्य शिक्षा हेतु शिक्षण शुल्क जीवन निर्वाह भत्ता, 100 प्रतिशत श्रवण एवं दृष्टि बाधित विद्यार्थियों हेतु आवास सहायता योजना, नो डुइस प्रमाण पत्र जारी करना, पीएम स्वनिधि योजना, ट्रेड लाइसेंस जारी करना, अविवादित संपत्ति का स्थानांतरण (क्रेता विक्रेता के मध्य आपसी विलेख उपरांत), जहां तकनीकी रूप से साध्य हो वहां नवीन नल कनेक्शन हेतु मांग पत्र प्रदाय, मांग पत्र अनुसार राशि जमा करने पर नवीन नल कनेक्शन प्रदाय करना, नगरीय क्षेत्र में हेडपंप एवं ट्यूबवेल का सुधार, भवन अनुज्ञा प्रमाण पत्र जारी करना, जहां तकनीकी रूप से साध्य हो वहां नवीन सीवर कनेक्शन प्रदाय करना, भवन निर्माण हेतु स्वीकृ ति आदेश जारी करना, अविवादित संपति का नामांतरण (मृत्यु प्रकरण), गवन अनुज्ञा का कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र विकास अनुज्ञा हेतु समय सीमा का विस्तार फायर एनओसी (अस्थाई/नवीनीकरण) आदि। मुख्य नगर पालिका अधिकारी लालसिंह राठौर द्वारा बदनावर की जनता से अपील की है कि शासन की उक्त योजनाओं का अभियान के तहत अधिक से अधिक लाभ प्राप्त करें।

कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन सम्पन्न

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद नगर इकाई देपालपुर द्वारा राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में खेलो भारत के माध्यम से नगर अध्यक्ष ब्रजमोहन जी व्यास के मार्गदर्शन में व नगर मंत्री शैलेंद्र चौहान के नेतृत्व में अंतर विद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन सम्पन्न हुआ जिसमें 15 विद्यालय की टीमों ने सहभागिता की कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रांत खेलो भारत प्रमुख अमन कुमार जी उपस्थित रहे प्रतियोगियों बालक वर्ग में कोच मलखान सिंह, राम चौधरी, नितेश जाट के नेतृत्व में आई टीम इनोवेटिव इंटरनेशनल स्कूल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया वही बालिका वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया भी बालिका वर्ग में कोच विजय गुर्जर के नेतृत्व में आई टीम शारदा कन्या ने प्रथम स्थान प्राप्त किया वही बालक वर्ग में कोच गोविंदा सिंदुरिया के नेतृत्व में आई टीम मालवा पब्लिक स्कूल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया नगर मंत्री शैलेंद्र चौहान ने बताया की इस प्रतियोगिता का उद्देश्य खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाना है आगे भी विद्यार्थी परिषद् इस प्रकार की प्रतियोगिता करवाता रहेगा कार्यक्रम में विद्यार्थी परिषद् भाग संयोजक राजू बॉथम भी उपस्थित रहे।

स्वच्छ शहर जोड़ी के अंतर्गत नगर निगम उज्जैन द्वारा उन्हेल नगर परिषद में प्रशिक्षण एवं स्वच्छता जन जागरूकता की गतिविधियां प्रारंभ की गई

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान के अंतर्गत उज्जैन शहर के साथ स्वच्छ शहर जोड़ी के रूप में उन्हेंल नगर परिषद का चयन हुआ है। स्वच्छता अभियान में सहयोग प्रदान करना है जिसके क्रम में मंगलवार को नगर निगम उज्जैन की टीम द्वारा उन्हेल नगर परिषद का भ्रमण करते हुए स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 अभियान अंतर्गत नवीन टूल किट का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में उन्हेल नगर परिषद के तकनीकी अधिकारियों को बताया कि कचरा कलेक्शन वाहनों का रूट प्लान एवं रूट चार्ट का निर्धारण किया जाए, कर्मचारियों को माइक्रो प्लान के अनुसार कार्य करवाते हुए बायोमैट्रिक अटेंडेंस ली जाए, सफाई कार्य के आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता के लिए पत्र लिखें ताकि आपको संसाधन की उपलब्धता करवाई जा सके, जन जागरूकता के लिए चालानी कार्रवाई करें, चौपाटी, बस स्टैंड एवं व्यवसायिक क्षेत्रों को साफ, स्वच्छ एवं अतिक्रमण मुक्त रखा जाए इन सब कार्यों के फल स्वरूप उन्हेल नगर परिषद के नागरिकों, जन प्रतिनिधियों के सहयोग से स्वच्छता जन जागरूकता लाई जा सकेगी

प्रशिक्षण कार्यशाला में मुख्य बातें बताई गई जिसमें मुख्य मार्ग, बाजारों एवं सड़कों पर सफाई करवाना, नाले एवं नालियों की नियमित रूप से दलेल लगवाते हुवे सफाई करवाना एवं प्रत्येक दुकानदार अपने दुकान के सामने दो डस्टबिन रखें जिसमें गीले एवं सूखे कचरे को अलग-अलग डाला जाए, सिंगल यूज प्लास्टिक का पूर्णतः प्रतिबंध करना एवं उल्लंघन करते पाए जाने पर नियम अनुसार चालानी कार्यवाही करना, बाजारों में खरीदारी के लिए नागरिकों को कपड़े से बने झोले का उपयोग करने के लिए समझाइश देना इत्यादि बातों को ध्यान में रखते हुए कार्य करने हेतु प्रशिक्षण दिया गया।

इस दौरान उज्जैन नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी श्री कालूराम सोलंकी, पीआईयू श्री भूषण व्यास, उन्हेल नगर परिषद के सीएमओ श्री संजय देवड़ा, इंजीनियर श्री लाखन वाघेला, श्री पार्थ पांचोली, स्वच्छता निरीक्षक श्री विजय बाली एवं आईईसी टीम के सुपरवाइजर, सदस्य उपस्थित रहें।

3 करोड़ 50 लाख रुपये की धान की हेराफेरी के मामले में खरीदी केंद्र प्रभारी एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर के विरुद्ध एफआईआर दर्ज

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देश पर वृहताकार सहकारी संस्था मझौली द्वारा संचालित खरीदी केंद्र में 3 करोड़ 53 लाख 79 हजार 830 रुपये कीमत की धान के उपार्जन में की गई हेराफेरी के मामले में खाद्य विभाग द्वारा मझौली थाने में खरीदी केंद्र प्रभारी एवं कम्प्यूटर आपरेटर के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई गई है। खरीदी केन्द्र प्रभारी और कम्प्यूटर ऑपरेटर से इस राशि की वसूली भू-राजस्व की बकाया राशि के रूप में की जायेगी। जिला आपूर्ति नियंत्रक से प्राप्त जानकारी के अनुसार वृहताकार सहाकारी संस्था मझौली द्वारा संचालित श्रीजी वेयर हाउस (136) पिपरिया में संचालित धान उपार्जन केन्द्र में खरीदी केन्द्र प्रभारी रत्नेश भट्ट और कम्प्यूटर ऑपरेटर अमन सेन द्वारा अनुचित लाभ कमाने के उद्देश्य से बिना भराई, तुलाई, सिलाई एवं बिना रेडी टू ट्रांसपोर्ट किये 14 हजार 934.50 क्विंटल धान की आवक और उपलब्धता के बगैर ई-उपार्जन पोर्टल पर ऑनलाईन फर्जी तरीके से अवैध प्रविष्टि कर ली गई थी। इस अनियमित्ता की शिकायत प्राप्त होने पर कलेक्टर श्री राघवेन्द्र सिंह के निर्देश पर इसकी जांच संयुक्त कलेक्टर ऋषभ जैन के नेतृत्व में प्रभारी उपायुक्त सहकारिता प्रशांत कौरव, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला सहाकारी केन्द्रीय बैंक चंद्रशेखर पटले एवं तहसीलदार दिलीप हनवत के संयुक्त दल द्वारा की गई थी। जांच के दौरान खरीदी केन्द्र में ई-उपार्जन पोर्टल के अनुसार कुल 65 हजार 235.54 क्विंटल धान की खरीदी करना पाया गया। संयुक्त दल द्वारा खरीदी स्थल पर 13 जनवरी को की गई जांच में धान से भरी हुई 31 बोरियों की तौल कराने पर बारदाना सहित 22 किलो से 38 किलो वजन पाया गया। इन बोरियों का औसत वजन 33.42 किलो था, इसी प्रकार 14 जनवरी को पुनः की गई जांच में धान से भरी 45 बोरियों की तौल कराने पर उनका औसत वजन 35 किलो पाया गया। जबकि नियमानुसार बारदाना सहित धान से भरी प्रत्येक बोरी का वजन 40 किलो 580 ग्राम होना चाहिए था। इस प्रकार जहां 65,235.54 क्विंटल धान का भंडारण पाया जाना था वहां 45,658.64 क्विंटल धान भंडारित पाई गई। इसमें 19,576.9 क्विंटल ऑनलाइन शेष परिदान मात्रा पाई गई थी, जिसका केन्द्र परिसर में उपलब्ध 13 हजार 264 बोरियो का औसत वजन 35 किलोग्राम से भौतिक सत्यापन करने पर 14 हजार 934.50 क्विंटल धान कम पाई गई।

ज्ञान से समृद्धि की ओर कदम - विदिशा के कृषकों ने करनाल में किया राष्ट्रीय गेहूं अनुसंधान संस्थान का भ्रमण

विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आत्मा परियोजना के अंतर्गत राज्य के बाहर कृषक भ्रमण कार्यक्रम के दौरान आज विदिशा जिले के कृषकों ने हरियाणा के करनाल स्थित राष्ट्रीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान का शैक्षणिक एवं प्रेरणादायक भ्रमण किया। इस भ्रमण का उद्देश्य कृषकों को आधुनिक कृषि तकनीकों, उन्नत बीज किस्मों तथा वैज्ञानिक खेती की नवीन जानकारी से अवगत कराना रहा।

संस्थान में विशेषज्ञ वैज्ञानिक डॉ. मंगल सिंह द्वारा कृषकों को गेहूं की उन्नत एवं उच्च उत्पादन क्षमता वाली किस्मों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही फसलों के प्रक्षेत्र (डेमो प्लॉट) का भ्रमण कराते हुए बीज चयन, उर्वरक प्रबंधन, रोग नियंत्रण एवं उत्पादन बढ़ाने की वैज्ञानिक विधियों को सरल भाषा में समझाया गया।

इस अवसर पर विदिशा जिले के विभिन्न विकासखंडों से आए कृषकों के साथ जिला पंचायत सदस्य श्री रामनरेंद्र सिंह भी उपस्थित रहे। उन्होंने कृषकों को इस प्रकार के अध्ययन भ्रमणों को अपनाकर नवाचारों को अपने खेतों में लागू करने हेतु प्रेरित किया।कृषक भ्रमण कार्यक्रम विदिशा जिले के किसानों के लिए ज्ञान, अनुभव और आत्मविश्वास बढ़ाने का सशक्त माध्यम सिद्ध होगा।जिससे वे उन्नत तकनीकों को अपनाकर कृषि उत्पादन एवं आय में वृद्धि की दिशा में सार्थक कदम सुगमता से उठा सकेंगे।

रामायण पारायण का हुआ समापन, बाबा की बीज धूमधाम से मनाई

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर से 3 किलोमीटर दूर बखतगढ़ रोड स्थित ग्राम पंचायत मांगलिया के अंतर्गत धार जिले का एकमात्र प्राचीन मंदिर श्री नवखंड मालवा बाबा रामदेव मंदिर मेंखालेश्वर धाम तपोभूमि पर 2026 नए साल की पहली बीज धूमधाम से मनाई। इसी दिन रामायण पारायण का भी समापन हुआ। प्रातः मंदिर के संत श्री खटपटी नाथ द्वारा बाबा को नए वस्त्र पहनाकर आकर्षक श्रृंगार किया। दिनभर श्रद्धालुओं द्वारा बाबा के दर्शन किए। शाम को यजमानो द्वारा मंत्रोच्चार के साथ यज्ञ में पूर्ण आहुति दी गई। हवन पूजन के साथ ही रामायण पारायण का समापन हुआ। रामायण पारायण की शुरुआत कंकराज के पुजारी कुलदीप शर्मा द्वारा मंत्रोच्चार के साथ कि गई थी। घटगारा के पूर्व सरपंच शबरी धाम से रमेश चंद्र डाबर द्वारा यह रामायण पारायण का पाठ किया गया। शाम को मेखालेश्वरधाम के भक्त गणों द्वारा समापन के अवसर पर रमेश चंद्र डाबर का स्वागत सम्मान किया गया। शाम को मंदिर पर भजन कीर्तन का आयोजन किया गया जिसमें संगीतमय भजन कीर्तन हुए। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भंडारे में भोजन प्रसादी ग्रहण की दूर-दूर से आए साधु संतों का भी स्वागत सम्मान मंदिर के संत श्री खटपटी नाथ द्वारा किया गया।

वैष्णव बैरागी समाज बड़नगर कि बैठक सम्पन्न

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। वैष्णव बैरागी समाज बड़नगर द्वारा दिनांक 18 जनवरी 2026 को मॉ कालिका माता मंदिर पर एक बैठक आयोजित कर कोषाध्यक्ष द्वारा आय व्यय का ब्योरा प्रस्तुत किया गया व अध्यक्ष द्वारा समाज की वर्षो से निष्क्रीय कार्यकारीणी को पुनह गठीत कर नवीन कार्यकारीणी व अध्यक्ष का चयन कर समाज की गतीविधीयो को गती देने पर विचार मंथन किया गया। उक्त बैठक मे समाज के समस्त सदस्य गौपालदास बैरागी, कालुदास बैरागी, गुलाबदास बैरागी, पंकज बैरागी, मनीष वैष्णव, प्रेमदास बैरागी, मनीष बैरागी, सोनु शोभावत, महेष बैरागी, अरूण चक्रधारी, दिलिप बैरागी, पवन चक्रधारी, जम्नादास बैरागी आदि उपस्थीत रहे।

अर्जुन जादव अखिल भारतीय बलाई महासंघ के तहसील अध्यक्ष नियुक्त

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। सामाजिक कार्य में हमेशा आगे रहने वाले संघर्षील व जागरूक युवा अर्जुन जादव को समाज के प्रति उनकी सेवा भाव एवं समर्पण को ध्यान में रखते हुए अखिल भारतीय बलाई महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज परमार की स्वीकृत एवं प्रदेश अध्यक्ष महिला विंग श्रीमती लता मालवीय की अनुशंसा एवं समाज के वरिष्ठ जनों की सहमति से अर्जुन जादव को अखिल भारतीय बलाई महासंघ का बड़नगर तहसील अध्यक्ष नियुक्त किया है आपकी नियुक्ति पर ईस्ट मित्रों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

समाजसेवी कर्नावट के जन्मदिवस पर बधाई देने वालो का लगा रहा तांता

नागदा/ सुनिल सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्थानक समाज के श्रावक एव कई समाजिक संस्थाओ के अग्रणी राजा कर्नावट का जन्मदिवस होने पर मगलवार को दिनभर उन्हें बधाई देने वालो का तांता लगा रहा । सुबह से ही कर्नावट के निवास पर चाहने वालो का सिलसिला प्रारम्भ हुआ जो देर रात्री तक जारी रहा। वही दुसरी और वेश्य समाज के दोस्तो मे उत्साह इतना था कि बेंड बाजो के साथ कर्नावट. के निवास पर पहुचे और कर्नावट को पुष्पहार पहनाकर जन्मदिवस की शुभकामनाएँ दी एवं मिठाई खिलाकर मुंह मीठा किया।

कर्नावट को बधाई देने वालो में नगर के गणमान्य नागरिक व समाजसेवी प्रमुख रूप से शामिल रहे। इस मौके पर इष्ट मित्रो के द्वारा राजस्थानी पगड़ी एवं पुष्पमाला पहना कर जन्मदिवस की बधाई दी गई।

मंचो के माध्यम से किया स्वागत - इस्ट मित्रो के द्वरा रात्री रुद्राक्ष होटल मे जन्म दिन के अवसर पर विशाल बधाई संदेश मंच लगाकर नगर के कई गणमान्य नागरिक एव समाजिक संस्थाओं के द्वारा स्वागत किया गया जो सिलसिला देर रात्री तक चला

स्वेटर, स्टेशनरी और पानी की केन पाकर खिले बच्चों के चेहरे

नागदा जर्नालिस्ट क्लब की सराहनीय पहल पत्रकारिता के साथ शिक्षा, संवेदना का संदेश

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पत्रकारिता को केवल समाचारों तक सीमित न रखकर समाजसेवा से जोड़ने का सराहनीय उदाहरण नागदा जर्नलिस्ट क्लब ने प्रस्तुत किया है। क्लब के तत्वावधान में शासकीय प्राथमिक विद्यालय, ग्राम मकला में आयोजित सेवा एवं सहयोग कार्यक्रम ने नन्हे विद्यार्थियों के जीवन में खुशी और उत्साह भर दिया। इस आयोजन के तहत जरूरतमंद बच्चों को स्वेटर, पाठ्य सामग्री एवं विद्यालय में स्वच्छ पेयजल के लिए पानी की केन प्रदान की गई, जिससे बच्चों के चेहरे खिल उठे।

एक नया संदेश - यह कार्यक्रम केवल वस्तुओं के वितरण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसके माध्यम से शिक्षा, संवेदना और सामाजिक जिम्मेदारी का गहरा संदेश भी दिया गया। ठंड के मौसम में स्वेटर पाकर बच्चों को जहां राहत महसूस हुई, वहीं नई स्टेशनरी मिलने से उनके भीतर पढ़ाई के प्रति नई ऊर्जा और उत्साह देखने को मिला।

पत्रकारिता के साथ मानवसेवा का संकल्प - नागदा जर्नलिस्ट क्लब के संस्थापक अध्यक्ष राजेश सकलेचा ने कार्यक्रम के दौरान कहा कि क्लब का उद्देश्य सिर्फ पत्रकारिता करना नहीं, बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाना भी है। उन्होंने बताया कि क्लब लगातार जीवदया, शिक्षा, स्वास्थ्य और मानवसेवा के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। समाजसेवियों और सहयोगियों के सहयोग से जरूरतमंद वर्ग के लिए समय-समय पर सेवा कार्य किए जाते हैं। इसी भावना के तहत सोमवार, 19 जनवरी को दोपहर 1 बजे यह आयोजन विद्यालय परिसर में संपन्न हुआ।

उन्होंने यह भी कहा कि बच्चों के भविष्य को संवारना समाज की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। यदि आज हम उन्हें शिक्षा और सुविधाएं देंगे, तो कल वे एक बेहतर समाज का निर्माण करेंगे।

समाजसेवियों के सहयोग से मुस्कुराए बच्चे - इस सेवा कार्य में नगर के समाजसेवी मनोहरलालझुंवरकुमार काठेड परिवार की ओर से विद्यार्थियों को स्वेटर वितरित किए गए। ठंड के इस मौसम में स्वेटर पाकर बच्चों की खुशी देखते ही बनती थी। वहीं भाजपा नेता हिम्मत राठौड़ ने विद्यालय को बच्चों के उपयोग हेतु पानी की केन भेंट की, जिससे अब विद्यार्थियों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सकेगा। नागदा जर्नलिस्ट क्लब के सचिव दीपक जैन ने बच्चों और विद्यालय प्राचार्या को स्टेशनरी सामग्री प्रदान की, जिससे उनकी पढ़ाई में सहूलियत होगी।

इन सहयोगों ने यह साबित कर दिया कि जब समाज के विभिन्न वर्ग एक साथ मिलकर कार्य करते हैं, तो उसका प्रभाव दूरगामी और सकारात्मक होता है।

गरिमामय उपस्थिति में हुआ आयोजन - कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार कैलाश सनोलिया रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि पत्रकार समाज का आईना होता है और जब पत्रकार समाजसेवा से जुड़ते हैं, तो उसका प्रभाव और भी व्यापक हो जाता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता नागदा जर्नलिस्ट क्लब के अध्यक्ष मांगीलाल पोरवाल ने की। ग्राम सरपंच सीताराम सोलंकी की विशेष उपस्थिति ने आयोजन की गरिमा को और बढ़ाया।

यह रहे मंचासीन - सामग्री वितरण के लाभार्थी प्रथम काठेड, हिम्मत राठौड़ एवं दीपक जैन मंचासीन रहे। सभी अतिथियों ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की और इस प्रकार के कार्यक्रमों को निरंतर जारी रखने पर बल दिया।

मां सरस्वती की वंदना से हुआ शुभारंभ - कार्यक्रम का शुभारंभ मंचासीन अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण के साथ किया गया। इसके पश्चात विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना ने पूरे वातावरण को भक्तिमय और प्रेरणादायक बना दिया। नन्हे बच्चों की प्रस्तुति ने सभी उपस्थित लोगों का मन मोह लिया।

किया सम्मान - विद्यालय की प्राचार्या एवं स्टाफ द्वारा अतिथियों और लाभार्थी परिवारों का सम्मान किया गया। सभी ने नागदा जर्नलिस्ट क्लब की इस पहल की मुक्त कंठ से सराहना की और इसे समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

पत्रकारिता जगत का सम्मान - इस अवसर पर एक और महत्वपूर्ण पल तब आया जब श्रमजीवी पत्रकार संघ के महासचिव पद पर मनोनीत होने पर जितेंद्र चौहान का क्लब द्वारा पुष्पमालाओं से स्वागत और सम्मान किया गया। यह सम्मान पत्रकारिता के क्षेत्र में उनके योगदान का प्रतीक रहा।

बड़ी संख्या में रही सहभागिता - कार्यक्रम में क्लब के संस्थापक अध्यक्ष राजेश सकलेचा, प्रथम काठेड, अध्यक्ष मांगीलाल पोरवाल, सचिव दीपक जैन, दिनेश सोलंकी, जितेंद्र चौहान, गगन बोहरा, जीवनलाल जैन, चेनसिंह रघुवंशी, राहुल शर्मा, जया बघेल, अर्जुन राजोरिया सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। विद्यालय की ओर से कृष्णा चोबे, निर्मला, निबुला कमल, रविंद्र शर्मा, अशोक परमार, धनश्याम मीणा, अजय सिसोदिया, रमेश सारस्वत सहित बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं और ग्रामीणजन मौजूद रहे।

कार्यक्रम का संचालन शिक्षक सारस्वत ने कुशलतापूर्वक किया, जबकि आभार प्रदर्शन श्रीमती चोबे द्वारा किया गया।

सकारात्मक संदेश - समाज को मिला सकारात्मक संदेश यह आयोजन केवल एक सेवा कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज को यह संदेश देने वाला प्रयास था कि यदि पत्रकारिता संवेदना और सेवा से जुड़ जाए, तो वह समाज में सकारात्मक परिवर्तन की बड़ी ताकत बन सकती है। बच्चों के चेहरों पर आई मुस्कान इस बात का प्रमाण थी कि छोटे-छोटे प्रयास भी बड़े बदलाव ला सकते हैं।

वाल्मीकि महापंचायत द्वारा रोहित बोयत का बदनावर चौपाटी पर स्वागत

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महू शहर से रोहित बोयत विश्व कल्याण एवं देश हित की मनोकामना को लेकर महू से राजस्थान जिला हनुमानगढ़ गांव गोगामेडी वाल्मीकि समाज के आराध्य देव के दर्शन एवं आशीर्वाद के लिए महू से पैदल यात्रा पर निकले है। रास्ते में बदनावर बड़ी चौपाटी पर वाल्मीकि महापंचायत बदनावर द्वारा हार फूलों से स्वागत किया गया। महापंचायत के सदस्यों द्वारा रोहित को रात्रि भोजन एवं रात्रि विश्राम के लिए भी रोका गया। अगले दिन रोहित ने फिर पैदल यात्रा शुरू की यह पैदल यात्रा 1000 किलोमीटर की है। उनकी यह यात्रा मंगलमय रहे गोगा देव जी का आशीर्वाद इन पर बना रहे ऐसी मनोकामना समाजजनों ने कि है। रोहित का स्वागत रवि दावरे , जितेंद्र मांगलिया, विशाल रिल,ऋतिक रिल , मोनू चावरे, अजय रिल ,सचिन नायक मित्र मंडली द्वारा स्वागत किया गया।

ग्राम रोसमाल में चौपाल लगाकर कलेक्टर ने दी ग्रामीणों को जानकारी

बड़वानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन द्वारा कृषि विभाग एवं पंचायत ग्रामीण विकास विभाग में उन्नत कृषि हेतु अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही है। इन योजनाओं का लाभ लेकर आकांक्षी विकासखण्ड पाटी के किसान भाई भी खेती को लाभ का धंधा बना सकते है। कलेक्टर श्रीमति जयति सिंह ने उक्त बाते मंगलवार को ग्राम रोसमाल में चौपाल लगाकर ग्रामीणों से कही। ग्राम रोसमाल में कृषि रथ का निरीक्षण करने के दौरान कलेक्टर ने चौपाल के माध्यम से ग्रामीणों को प्राकृतिक खेती की जानकारी देते हुए कहा कि पाटी विकासखण्ड के किसान भाई अब प्राकृतिक गेहूं एवं मक्का की खेती तो कर रहे है परन्तु अब किसानों को सब्जी की खेती की तरफ भी बढ़ना चाहिए।

जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याएं सुनी गई

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। जनसुनवाई कार्यक्रम के तहत प्रत्येक मंगलवार को अधिकारियों द्वारा नागरिकों की समस्याएं सुनी जाती हैं। इसी क्रम में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा, अपर कलेक्टर श्री के. आर. बड़ोले, संयुक्त कलेक्टर श्री दिनेश सांवले, सिटी मजिस्ट्रेट बजरंग बहादुर सहित विभागीय अधिकारियों ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में नागरिकों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में उत्कृष्ट विद्यालय खंडवा से रिटायर श्री अनिल जैन ने आवेदन देकर बताया कि उसे वेतन वृद्धि का सही लाभ न मिलने से उसे कम पेंशन मिल रही है। जिस पर अपर कलेक्टर डॉ. नागार्जुन गौड़ा ने जिला शिक्षा अधिकारी को आवेदक की पात्रता अनुसार वेतन वृद्धि का लाभ देते हुए पेंशन का फिक्सेशन कराने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में हरसूद विकासखण्ड के ग्राम पंचायत तोरनिया के ग्रामीणों ने गांव में सरपंच सचिव द्वारा किए गए कार्यों में भ्रष्टाचार की शिकायत करते हुए जांच की मांग की। ग्रामीण आवेदकों ने बताया कि सरपंच सचिव द्वारा बिना कार्य कराये ही निर्माण कार्यों का भुगतान निकाला जा रहा है। जिस पर जिला पंचायत के सीईओ डॉ. गौड़ा ने जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को मामले की जांच करने के निर्देश दिए। ग्राम सैयदपुर खेगांवड़ा निवासी राधेश्याम ने आवेदन देकर बताया कि उसकी फसल अतिवृष्टि के कारण खराब हो गई थी, फिर भी उसे फसल बीमा योजना का लाभ अभी तक नहीं मिला है। जिस पर जिला पंचायत के सीईओ डॉ. गौड़ा ने उपसंचालक कृषि को मामले की जांच कर पात्रता अनुसार फसल बीमा योजना का लाभ दिलाने के लिए कहा।

जनसुनवाई में श्रीमती गिरिजा बाई ने जिला पंचायत के सीईओ डॉ. गौड़ा को आवेदन देकर बताया कि उसके पति जनपद पंचायत खंडवा में पंचायत सचिव के पद पर पदस्थ थे उनकी मृत्यु हो गई है, लेकिन उनके स्थान पर पुत्र को अनुकंपा नियुक्ति अभी तक नहीं मिली है। जिस पर जिला पंचायत के सीईओ ने जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को आवेदिका के पुत्र को पात्रता अनुसार अनुकंपा नियुक्ति का लाभ दिलाने के लिए कहा। पुनासा तहसील के ग्राम जामकोटा निवासी नारायण ने आवेदन देकर जनसुनवाई में बताया कि अतिवृष्टि के कारण उसकी फसल खराब हो गई है जिसका कोई मुआवजा अभी तक नहीं मिला है, जबकि उसके पड़ोसी किसानों को दो माह पूर्व मुआवजा मिल चुका है।

आमजन की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर द्वारा तहसील स्तरीय विशेष जनसुनवाई आज से प्रारम्भ

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आमजन की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर नेहा मीना द्वारा पुनः से तहसील स्तरीय विशेष जनसुनवाई प्रारम्भ की गई। कलेक्टर नेहा मीना द्वारा मंगलवार को तहसील थांदला में प्रातः 11 बजे से विशेष जनसुनवाई आयोजित की गई। इस विशेष जनसुनवाई में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 56 आवेदन प्राप्त हुए, जिन पर कलेक्टर द्वारा संवेदनशीलता के साथ सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए गए।

जनसुनवाई के दौरान पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय थांदला (झाबुआ-2) के समीप नगर परिषद थांदला द्वारा स्थापित ट्रेंचिंग/डंपिंग ग्राउंड के कारण विद्यार्थियों को हो रही गंभीर समस्याओं के संबंध में पालकगण द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया। आवेदकों ने बताया कि डंपिंग ग्राउंड से उत्पन्न दुर्गंध एवं अस्वच्छता का बच्चों के स्वास्थ्य, मानसिक स्थिति, शैक्षणिक प्रदर्शन एवं दैनिक जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। इस पर कलेक्टर ने सीएमओ नगर परिषद को निर्देशित किया कि ट्रेंचिंग/डंपिंग ग्राउंड को शीघ्र हटाने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

आवेदक श्री गोपाल पिता रमेश, ग्राम खजुरी तहसील थांदला द्वारा उनके पुत्र राज गोपाल द्वारा राष्ट्रीय मेरिट कम मीन (एनएमएमएस) परीक्षा उत्तीर्ण करने के बावजूद छात्रवृत्ति प्राप्त नहीं होने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया। कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि छात्रवृत्ति लंबित रहने के कारणों की जांच कर समाधान सहित विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए।

इसी क्रम में श्री बलु पिता पिदिया खांदन, गोरिया खांदन तहसील थांदला द्वारा प्राथमिक शाला एवं आंगनवाड़ी भवन के समीप स्थित हैंडपंप के खराब होने पर मरम्मत कराए जाने हेतु आवेदन दिया गया। श्री दिवान पिता बाबु अमलियार, निवासी बोरडी तहसील थांदला द्वारा शौचालय प्रोत्साहन राशि के भुगतान के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया। ग्राम पंचायत उदयपुरिया तहसील थांदला के ग्रामवासियों द्वारा सिब्बल फलिये में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत सड़क निर्माण कार्य स्वीकृत कर प्रारंभ कराए जाने हेतु आवेदन दिया गया। वहीं श्री दिलीप माईडा, निवासी छोटी धामनी द्वारा परंपरागत रास्ते पर अतिक्रमण कर विवाद उत्पन्न किए जाने के संबंध में अतिक्रमण हटाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया।

इसके अतिरिक्त सरपंच ग्राम पंचायत भैरूगढ़ द्वारा भाभर फलिये एवं नई बस्ती में पेयजल की समस्या के समाधान हेतु नवीन हैंडपंप खनन कराए जाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया। श्री अर्जुनसिंह पिता भूरा पारगी, निवासी थांदला द्वारा ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया। इधर, जिला मुख्यालय पर अपर कलेक्टर श्री सी.एस. सोलंकी द्वारा आयोजित जनसुनवाई में कुल 32 आवेदन प्राप्त हुए, जिन पर संबंधित विभागों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेन्द्रसिंह चौहान, सहायक कलेक्टर श्री आशीष कुमार, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व थांदला श्री महेश मंडलोई सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने आकांक्षी विकासखण्ड पाटी के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का किया निरीक्षण

बड़वानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती जयती सिंह ने जिले के आकांक्षी विकासखण्ड पाटी का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पाटी का निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का अवलोकन किया और उपस्थित अधिकारियों व चिकित्सकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर ने ओपीडी, एनआरसी, लेबर रूम, आईपीडी और प्रसूति वार्ड का निरीक्षण किया। उन्होंने एनआरसी एवं एनबीएसयू का निरीक्षण कर निर्देशित किया कि उक्त दोनों यूनिटो में बच्चों को भर्ती किया जाये, अनावश्यक बड़वानी रैफर न किया जाये। अस्पताल एवं प्रसूति कक्ष में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखते हुए एक्रास के लिए प्रयास किये जाये। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने एनआरसी में भर्ती बच्चों को दी जाने डाइट के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए माताओं से चर्चा कर बताया कि वे घर जाकर भी अपने बच्चे की उसी तरह देखभाल करे जैसी एनआरसी केन्द्र में हो रही है। जिससे उनका बच्चा कुपोषण के चक्र से बाहर आकर सामान्य बच्चों की तरह जीवन जियेगा। स्वास्थ्य केन्द्र को एक्टीव डिलेवरी प्वाइंट बनाये जाने एवं प्रति सप्ताह सोनोग्राफी की सुविधा उपलब्ध कराने की व्यवस्था करने के निर्देश दिये। अस्पताल परिसर में स्वच्छता बनाए रखने और बायोमेडिकल वेस्ट के सही निपटान हेतु विशेष निर्देश दिए गए। साथ ही ड्यूटी रोस्टर के अनुसार चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टाफ की उपस्थिति सुनिश्चित करने को कहा।

10 से अधिक कर्मचारी वाले शासकीय/अशासकीय कार्यालयों व संस्थानो का पंजीयन She Box पोर्टल पर अनिवार्य

कार्यस्थल पर होने वाले यौन उत्पीड़न की शिकायत अब हो सकेगी ऑनलाईन

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशानुसार एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग झाबुआ श्री आर एस बघेल के मार्गदर्शन में बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं योजना अंतर्गत कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम, 2013 के संबंध में 20 जनवरी 2025 को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विभागों एवं संस्थानों में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों को महिलाओं के लिए बनाये गये कानून के प्रति जागरूक करना, महिलाओं को सुरक्षित कार्यस्थल उपलब्ध कराना तथा शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी समाधान को सुनिश्चित करने सम्बंधित जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डिप्टी कलेक्टर सुश्री वैशाली सोलंकी उपस्थित रही। कार्यक्रम में सहायक संचालक श्रीमती वर्षा चौहान द्वारा महिलाओं के कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम, 2013 पर नियमों एवं समिति के कार्यो व प्रकिया के बारे में बताया गया। महिलाओं के कार्यस्थल पर सुरक्षित एवं गरिमामय वातावरण सुनिश्चित करने के लिए सभी शासकीय/अशासकीय कार्यालयों व संस्थानो जहा 10 से अधिक कर्मचारी कार्यरत है वहा आंतरिक परिवार समिति का गठन करना अनिवार्य है एवं She Box पोर्टल पर पंजियन करना भी अनिवार्य है। कार्यालय में आंतरिक परिवाद समिति गठित नहीं होने की स्थिति में अधिनियम के तहत नियोक्ता पर 50000 कर जुर्माना लगाया जा सकता है।

थांदला में सोलर पम्प हेतु चयनित कृषकों के लिए शिविर का आयोजन

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य कुसुम 'बी' योजना के अंतर्गत जिले में सोलर पम्प हेतु चयनित आवेदक कृषकों के लिए 20 जनवरी 2026 को थांदला स्थित कृषि विभाग कार्यालय में विशेष शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर के दौरान थांदला तहसील के 14 एवं मेघनगर तहसील के 1 कृषक को सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा कस्टमर इन्फॉर्मेशन फाइल तैयार की गई। इस अवसर पर कलेक्टर नेहा मीना द्वारा चयनित कृषकों को छाटूक भेंट कर उन्हें सोलर पम्प योजना का लाभ दिलाने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया गया।

इस अवसर पर कलेक्टर नेहा मीना ने चयनित कृषकों को बधाई देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य कुसुम योजना किसानों को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक सशक्त पहल है। सोलर पम्प से सिंचाई व्यवस्था सुदृढ़ होगी, बिजली पर निर्भरता कम होगी और किसानों की आय में वृद्धि होगी।

कलेक्टर ने किसान कल्याण एवं कृषि विभाग, मध्यप्रदेश ऊर्जा विकास निगम तथा सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के समन्वित प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि विभागीय समन्वय से योजनाओं का लाभ समय पर पात्र हितग्राहियों तक पहुँचाया जा रहा है। शिविर में मध्यप्रदेश ऊर्जा विकास निगम के श्री मयंक शर्मा द्वारा कुसुम 'बी' योजना की विस्तृत जानकारी कृषकों को प्रदान की गई। साथ ही उन्होंने जैविक कृषि पर बल देते हुए कहा कि जिले के कृषक रासायनिक खेती के स्थान पर जैविक एवं प्राकृतिक खेती की ओर आगे बढ़ें। जैविक कृषि से न केवल भूमि की उर्वरता बनी रहती है, बल्कि उत्पादन की गुणवत्ता बढ़ने से किसानों को बेहतर मूल्य भी प्राप्त होता है। कलेक्टर ने कृषि विभाग को जैविक खेती को बढ़ावा देने हेतु कृषकों को निरंतर मार्गदर्शन देने के निर्देश दिए।

शिविर के सफल संचालन में कृषि विभाग के उप संचालक श्री नगीन सिंह रावत, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी (एसएडीओ) श्रीमती भूरा डामोर एवं उनकी टीम तथा सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के श्री रविन्द्र बामने एवं उनकी टीम का विशेष सहयोग रहा। इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेन्द्रसिंह चौहान, सहायक कलेक्टर श्री आशीष कुमार, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व थांदला श्री महेश मंडलोई सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

संकल्प से समाधान अभियान अंतर्गत कलेक्टर ने किया ग्राम पंचायत नवापाड़ा कस्बा का निरीक्षण

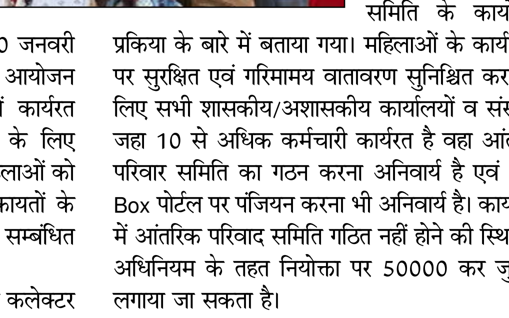

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर नेहा मीना ने संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत विकासखंड थांदला की ग्राम पंचायत नवापाड़ा कस्बा का निरीक्षण किया। इस दौरान पंचायत स्तर पर गठित दल द्वारा अभियान के तहत प्राप्त आवेदनों की समीक्षा की गई।

पंचायत सचिव द्वारा अवगत कराया गया कि अभियान के अंतर्गत कुल 28 आवेदन प्राप्त हुए हैं। समीक्षा के दौरान एक वर्ष पूर्व हुई मृत्यु का प्रमाण पत्र लंबित पाए जाने पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि ग्राम पंचायत स्तर पर जन्म एवं मृत्यु का संकलन व्यवस्थित एवं समयबद्ध रूप से किया जाए तथा नागरिकों को प्रमाण पत्र समय पर उपलब्ध कराए जाएं। साथ ही जन्म- मृत्यु पंजी का भी अवलोकन किया गया।

निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि नवापाड़ा कस्बा ग्राम पंचायत में एग्रीस्टेक फार्मर रजिस्ट्री के अंतर्गत मात्र 20 प्रतिशत कार्य ही पूर्ण हुआ है। इस पर कलेक्टर ने शेष कृषकों का शीघ्र पंजीकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि समस्त कृषक ई-विकास प्रणाली के माध्यम से खाद वितरण सहित अन्य सुविधाओं का लाभ प्राप्त कर सकें।

कलेक्टर ने दल प्रभारियों को निर्देशित किया कि वे घर-घर जाकर आवेदन प्राप्त करने की कार्यवाही सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अभियान के अंतर्गत उपलब्ध 106 सेवाओं एवं योजनाओं के लिए अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों से आवेदन प्राप्त किए जाएं। साथ ही जनपद पंचायत सीईओ को निर्देश दिए गए कि सभी दल प्रभारियों का ओरिएंटेशन कराया जाए एवं अभियान के अंतर्गत दी जाने वाली सेवाओं की सूची प्रत्येक ग्राम पंचायत में चस्पा की जाए।

निरीक्षण के दौरान ग्राम नवापाड़ा कस्बा में अपनी दादी के साथ आई कक्षा 12वीं की छात्रा शिवानी से कलेक्टर ने संवाद किया। उन्होंने बोर्ड परीक्षा की तैयारियों के संबंध में चर्चा करते हुए छात्रा को मोटिवेट रहने, अध्ययन का शेड्यूल बनाने एवं लक्ष्य पर केंद्रित रहकर पढ़ाई करने की सलाह दी। जब कलेक्टर ने छात्रा से उसके भविष्य के लक्ष्य के बारे में पूछा तो उसने कहा कि वह आपकी जैसी बनना चाहती हूं, जिसे सुनकर उपस्थित सभी लोग प्रसन्न हुए।

संकल्प से समाधान अभियान के तहत ग्रामीणों से लिए जा रहे हैं आवेदन

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर राज्य सरकार की योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ पात्र लोगों को दिलाने के लिये प्रदेश में 12 जनवरी से ÷संकल्प से समाधान÷ अभियान प्रारम्भ किया गया है। कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने बताया कि इस अभियान के तहत जिले की ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों में नागरिकों से सम्पर्क कर आवेदन प्राप्त किए जा रहे हैं। आवेदनों के एकत्रीकरण के लिए दल गठित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि संकल्प एवं समाधान अभियान का प्रथम चरण आगामी 15 फरवरी, 2026 तक जारी रहेगा। प्रथम चरण में आवेदन प्राप्त करने की कार्यवाही की जा रही है।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने बताया कि ग्राम पंचायत एवं नगरीय वार्ड स्तर के दलों में शामिल अधिकारी कर्मचारी घर घर जाकर आवेदन प्राप्त कर रहे हैं। इसके साथ ही आवेदन प्राप्त करने के लिए शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में शिविर भी लगाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि अभियान का दूसरा चरण 16 फरवरी, से प्रारंभ होकर 16 मार्च तक जारी रहेगा। प्रथम चरण में प्राप्त आवेदनों के साथ शेष आवेदन पत्रों के निराकरण के लिये द्वितीय चरण में शिविर लगाए जाएंगे। इस अभियान के तीसरे चरण में 16 से 26 मार्च ब्लॉक मुख्यालय या नगरीय स्तर पर शिविर आयोजित कर नागरिकों की शिकायतों का निराकरण किया जाएगा।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

इंदौर उज्जैन सिक्स लेन निर्माण का कई जगह काम धीमा

अगले वर्ष तक ही हो पाएगा पूरा, जाम की समस्या बढ़ रही

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन-इंदौर के बीच जो सिक्स लेन बन रहा है उसके निर्माण में तेजी आ रही है और अगले साल यह पूरा हो जाएगा। कई जगह देखने में आया है कि यह रोड कई जगह कम हुआ है। इसका कारण क्या है यह अधिकारी ही बता पाएँगे। अभी फिलहाल तो सिक्सलेन निर्माण के कारण यातायात जाम की भारी परेशानी हो रही है। बताया जाता है कि 2027 तक यह पूरा हो जाएगा। यह भी दावा किया जा रहा है कि इसके बनने से उज्जैन के विकास को गति मिलेगी।

प्रोजेक्ट्स का भूमि पूजन 15 जनवरी 2025 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया था। लक्ष्य के अनुसार, इस सिक्स लेन सड़क का निर्माण 15 जनवरी 2027 तक पूरा किया जाना है। वर्तमान प्रगति को देखते हुए अधिकारियों का मानना है कि आने वाले एक साल में निर्माण की गति को और अधिक बढ़ाना होगा ताकि समय सीमा में प्रोजेक्ट को जनता को समर्पित किया जा सके। एमपीआरडीसी के अनुसार सड़क और ब्रिज का काम तेजी से चल रहा है। लक्ष्य को समय पर पूरा करने के लिए निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही है। गौरतलब है कि वर्ष 2016 के सिंहस्थ से पहले इस मार्ग को फोर लेन किया गया था। अब हरिफाटक ब्रिज (उज्जैन) से लवकुश चौराहा (इंदौर) तक की 48 किलोमीटर लंबी सड़क के दोनों ओर एक-एक अतिरिक्त लेन जोड़ी जा रही है। इस पूरी परियोजना में यातायात को सुगम बनाने के लिए तीन फ्लाईओवर, आठ अंडरपास और तीन बड़े ब्रिज का निर्माण शामिल है।

परियोजना की शुरुआत में निर्माण एजेंसी को कई जटिलताओं का सामना करना पड़ा। ट्रैफिक डायवर्जन की योजना बनाने, अतिक्रमण हटाने और स्थानीय व्यवस्थाओं के तालमेल के कारण शुरुआती महीनों में काम की गति प्रभावित हुई। इसके बाद मानसून की बारिश ने भी निर्माण कार्यों में बाधा डाली। सड़क चौड़ीकरण के लिए राहत की बात यह है कि नई जमीन के अधिग्रहण की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि विभाग के पास पहले से ही पर्याप्त भूमि उपलब्ध है। हालांकि, वर्षों से खाली पड़ी इस जमीन पर कई स्थानों पर अतिक्रमण हो गया है। कई हिस्से में सड़क के दोनों ओर कई अवैध निर्माण खड़े हो गए हैं। प्रशासन का मानना है कि अतिक्रमण हटने के बाद ही इस महत्वपूर्ण हिस्से में काम तेजी पकड़ सकेगा। इसके लिए एमपीआरडीसी ने जिला प्रशासन को औपचारिक पत्र लिखकर अतिक्रमण हटाने की मांग की है।

यह होंगे बड़े फायदे- सिक्स लेन बनने से उज्जैन-इंदौर का सफर 40-45 मिनट में पूरा होगा, जबकि अभी इसमें एक से सवा यंटा लगता है। इससे उज्जैन की कनेक्टिविटी और यातायात व्यवस्था बेहतर होगी। सिक्स लेन से उज्जैन-इंदौर मार्ग के 29 गांव जुड़ेंगे, जिनमें 20 इंदौर और 9 उज्जैन जिले के हैं। व्यावसायिक गतिविधियां बढ़ेंगी, जमीनों के दाम बढ़ेंगे। सड़क पर डिवाइडर, दोनों और सर्विस रोड और 70 बॉक्स कल्वर्ट बनाए जाएंगे। सिंहस्थ-2028 में यातायात सुगम होगा।

मॉर्निंग वॉक पर निकले वृद्ध को अज्ञात वाहन ने रौंदा

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रतिदिन की तरह मंगलवार सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले वृद्ध को अज्ञात वाहन में रौंद दिया। ग्रामीण और परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन उनकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया है। इंगोरिया थाना प्रभारी दीपेश व्यास ने बताया कि सुबह 6:15 बजे के लगभग मेनरोड पर दुर्घटना की सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची थी। इस बीच घायल को परिजन और ग्रामीण बड़नगर अस्पताल लेकर रवाना हो गए थे। जांच के दौरान सामने आया कि अज्ञात वाहन ने बनेसिंह पिता रामसिंह राजपूत 90 वर्ष निवासी इंगोरिया को कुचला है। पुलिस घायल की जानकारी जुटा पाती इससे पहले सामना है कि उनकी मौत हो चुकी है। परिजनों से संपर्क करने पर पता चला कि प्रतिदिन की तरह मॉर्निंग वॉक पर निकले थे। इस दौरान दुर्घटना हुई है। थाना प्रभारी के अनुसार फिलहाल मामले में मर्ग कायम किया गया है पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सोपा गया है। अज्ञात वाहन की तलाश में मार्ग पर लगे सीसीटीवी कैमरो के फुटेज देखे जा रहे हैं।

ग्रामोदय से अभ्युदय मध्यप्रदेश का सेक्टर स्तरीय उत्सव कार्यक्रम दुधली में संपन्न

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद विकासखण्ड तराना सेक्टर कायथा जिला उज्जैन द्वारा ग्रामोदय से अभ्युदय मध्य प्रदेश कार्यक्रम अंतर्गत सेक्टर स्तरीय उत्सव का आयोजन शासकीय विद्यालय दुधली में सोमवार को किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि शासी निकाय सदस्य मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद श्रीमती अजीता परमार थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. मदन लाल चौहान ने की। विशेष अतिथि के रूप में श्री सौदान सिंह, श्री ओम राजोरिया, श्री यशवंत आंजना, श्री राजेश पाटीदार, श्री पुरूषोतम पांचाल, श्री कमल किशोर पाटीदार, श्री सुनील पाटीदार, श्री अरुण फुलेरिया, श्री जलील खा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा मां सरस्वती, भारत रत्न बाबा भीमराव आंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया ।

कार्यक्रम में विकासखंड समन्वयक श्री संदीप मालवीय द्वारा ग्रामोदय से अभ्युदय कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए जन सहभागिता, सामाजिक जागरूकता, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं आत्मनिर्भरता के माध्यम से गांव के सर्वांगीण विकास पर बल दिया गया। कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों एवं प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया।

साइबर ठगी, जनवरी में 19 केस दर्ज

उज्जैन शहर में क्राइम का ग्राफ हो जाएगा तीन गुना

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश में अब साइबर ठगी की शिकायत करने पर सीधे ई-एफआईआर दर्ज हो रही है। इससे पुलिस का रिकार्ड खराब हो रहा है, जिसके चलते पुलिस अधिकारियों की चिंता बढ़ रही है। नए साल के 19 दिनों में ही शहर में साइबर ठगी की एक दर्जन से अधिक एफआईआर दर्ज हो चुकी हैं, जबकि पहले पुलिस केवल शिकायत दर्ज करती थी, ताकि रिकार्ड खराब न हो।

दिल्ली के बाद मध्यप्रदेश में भी अब नेशनल साइबर हेल्प लाइन नंबर 1930 पर शिकायत करने पर सीधे ई-एफआईआर दर्ज हो रही है। साल के अंतिम कुछ दिनों और नए साल के 19 दिनों में ही शहर के अलग-अलग थानों में साइबर ठगी होने पर 11 से अधिक एफआईआर पुलिस ने दर्ज की हैं। यदि यही हाल रहा तो शहर में अपराध का ग्राफ तेजी से बढ़ सकता है। क्राइम ब्रांच के पास रोजाना 4 से 5 साइबर संबंधित शिकायतें आती हैं। पहले क्राइम ब्रांच ऐसे मामलों में शिकायत दर्ज करती थी, लेकिन यदि इन सभी मामलों में ई-एफआईआर दर्ज होने लगे तो उज्जैन पुलिस सहित प्रदेश के हर जिले का आपराधिक रिकार्ड बढ़ सकता है। उज्जैन में सालभर में 24 हजार के आसपास केस रजिस्टर्ड होते हैं। यदि साइबर ठगी में सीधे ई-एफआईआर दर्ज होने लगेगी तो शहर में अपराध का आंकड़ा तीन गुना बढ़ सकता है। इसको लेकर पुलिस के अधिकारी चिंतित हैं और ऐसे प्रयास किए जा रहे हैं कि कुछ ही मामलों में केस दर्ज हो। फिलहाल ई-एफआईआर के है। राज्य साइबर सेल और क्राइम ब्रांच को भी नोडल एजेंसी बनाया गया है। ये शिकायत की जांच कर बताते हैं कि मामला किस थाने का है। इसके बाद फरियादी को वहां बयान के लिए बुलाकर असल कायमी की जा रही है। बताते हैं कि नए साल में शहर के अलग-अलग थानों में 25 से अधिक साइबर ठगी के केस दर्ज हो चुके हैं। इसको लेकर सभी जिलों के अधिकारी एक बैठक करने वाले हैं, ताकि बीच का रास्ता निकाला जा सके।

तड़के 5 बजे ग्रिल तोड़कर बालगृह से भागे 2 नाबालिग

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास रोड स्थित बालगृह से आज तड़के वॉशरूम की ग्रिल तोड़कर दो नाबालिग भाग निकले। बालगृह के कर्मचारियों ने उनकी तलाश शुरू की नहीं मिलने पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस दोनों बालकों की तलाश कर रही है।

नागझरी थाना क्षेत्र के लालपुर में शासकीय बालगृह बना हुआ है जहां बालकों को रखा जाता है। आज सुबह बालगृह के कर्मचारियों ने बालकों की गिनती की तो सामने आया कि दो बालक लापता है। जानकारी जुटाने पर सामने आया कि तड़के 5 के लगभग वॉशरूम जाने के लिए अपने कमरे से बाहर निकले थे। कर्मचारियों ने वॉशरूम देखा तो उसकी ग्रिल टूटी होना सामने आई जहां से दोनों के भागने की जानकारी सामने आते ही उनकी तलाश शुरू की गई लेकिन कुछ नहीं पता चला सुबह 10:30 बजे के लगभग कर्मचारियों द्वारा मामले की सूचना पुलिस को दी गई। बताया जा रहा है कि एक बालक दिल्ली का रहने वाला है और दूसरा गाजियाबाद का निवासी है। एक तीन माह से और दूसरा 1 वर्ष से बालगृह में रहा रहा था। पुलिस ने आशंका जताई है कि दोनों अपने गृह नगर की ओर भागे होंगे। जिसके चलते रेलवे स्टेशन और देवास गेट बस स्टैंड के साथ नानाखेड़ा क्षेत्र के बस स्टैंड में सर्चिंग की गई वहां लगे सीसीटीवी कैमरो के फुटेज भी देखे जा रहे हैं। यह पहला मामला नहीं है जब बालगृह बच्चों के भागने का मामला सामने आया है पूर्व में भी कई बार यहां के बच्चे भाग चुके हैं जिन्हें पुलिस उनके गृह नगर से बरामद कर ला चुकी है। यहां की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कई बार सवाल खड़े हो चुके हैं।

सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय इतिहास में पहली बार भारत और रूस के संयुक्त तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला-दोनों देशों के विद्वानों के बीच होगा अनुवाद पर महामंथन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय उज्जैन द्वारा भारत और रूस के बीच उच्च शिक्षा के क्षेत्र में शैक्षणिक आदान - प्रदान की श्रृंखला के तहत अंग्रेजी अध्ययनशाला एवं विदेशी भाषा विभाग और रूसी मानविकी विश्वविद्यालय मॉस्को के संयुक्त तत्वावधान में पहली बार विश्वविद्यालय परिसर में अनुवाद विमर्शः विज्ञान और व्यवहार का संश्लेषण विषय पर 21 जनवरी को एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय उज्जैन के कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार शर्मा ने यह जानकारी देते हुए बताया कि पहली बार विश्वविद्यालय में प्रदेश के लिए शिक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी इसलिए महत्वपूर्ण है कि विश्वविद्यालय में रूस के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के विद्वान और भारत के विशेषज्ञ एक साथ मंच पर विभिन्न विषयों पर विमर्श करेंगे। आपने बताया कि यह अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला वैश्विक सहयोग का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। इसमें रूस के तीन अत्यंत प्रतिष्ठित संस्थान अपनी सहभागिता कर रहे हैं जिनमें रशियन विश्वविद्यालय मॉस्को,द पुश्किन इंस्टीट्यूट ऑफ रशियन लैंग्वेज और रशियन हाउस नई दिल्ली प्रमुख है। इस संगोष्ठी की संयोजक प्रो. अंजना पांडे विभागाध्यक्ष अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय उज्जैन तथा समन्वयक इंदिरा गाज़िएवा और निशा चौरासिया ने बताया कि, यह कार्यशाला इस बात पर केंद्रित होगी कि अनुवाद केवल एक भाषा से दूसरी भाषा में शब्दों का खेल नहीं है, बल्कि यह एक विज्ञान है जिसमें सटीकता की आवश्यकता होती है और एक व्यवहार है जो दो संस्कृतियों को आपस में जोड़ता है।

इस ऐतिहासिक आयोजन की रूपरेखा और प्रेरणा विश्वविद्यालय के कुलगुरु, संगोष्ठी के संरक्षक प्रो. अर्पण भारद्वाज है, जिनके अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने की नीति के कारण ही सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय कैंपस में विदेशी संस्थानों के साथ इस स्तर का संवाद संभव हो सका है। अंग्रेजी अध्ययनशाला के आचार्य प्रो. बी. के. आंजना ने आयोजन की विस्तृत रूपरेखा और समय-सारणी देते हुए बताया कि कार्यशाला का शुभारंभ 21 जनवरी 2026 को प्रातः 10.30 बजे किया जाएगा।

लाडली बहना योजना, एक साल में एक लाख लाभार्थी घटे

हर माह 1836 करोड़ की जरूरत, नए पंजीयन बंद

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पिछले विधानसभा चुनाव में महिलाओं को साधने के लिए शुरू की गई लाडली बहना योजना ने भले ही सरकार बनाने में अहम भूमिका निभाई हो, लेकिन अब यह योजना प्रदेश के खजाने पर भारी पड़ रही है। हर महीने 1836 करोड़ रुपए की राशि लाभार्थी बहनों के खातों में ट्रांसफर की जा रही है, जिसके कारण सरकार की वित्तीय स्थिति कमजोर होती जा रही है और लगातार लोन लेने की नौबत आ रही है।

शुरुआत में इस योजना के तहत 1000 रुपए प्रति माह दिए जाते थे। बाद में इसे बढ़ाकर 1250 और अब दीपावली से 1500 रुपए प्रति माह कर दिया गया है। इसके साथ ही फायदा लेने वाली बहनों की संख्या भी बदलती रही। योजना की शुरुआत में 1 करोड़ 31 लाख बहनें इसमें शामिल थीं, जो अब घटकर 1 करोड़ 26 लाख रह गई हैं। यानी एक साल में 5 लाख, और हाल ही में 1 लाख लाडली बहनें सूची से कम हो गईं। इसके चलते शासन को प्रतिमाह लगभग 21 करोड़ रुपए की बचत भी होने लगी है।

वहीं शासन ने फिलहाल नए पंजीयन बंद कर रखे हैं। बताया जा रहा है कि अगर संख्या बढ़ी तो आर्थिक भार और बढ़ जाएगा। मृत महिलाओं, 60 वर्ष से अधिक उम्र की बहनों और पात्रता के अन्य कारणों से कई नाम सूची से स्वतः कटते जा रहे हैं, लेकिन नई लाभार्थियों को शामिल नहीं किया जा रहा। लाखों महिलाएं पंजीयन खुलने का इंतजार कर रही हैं।

बिहार सहित अन्य राज्यों में भी चुनावी लाभ के लिए ऐसी नकद सहायता वाली योजनाएँ शुरू की गई हैं। मध्यप्रदेश में जून 2023 से अब तक 32 किश्तें ट्रांसफर की जा चुकी हैं और 50 हजार करोड़ रुपए से अधिक खर्च हो चुके हैं। केवल 16 जनवरी को ही 1 करोड़ 25 लाख बहनों के खातों में 1836 करोड़ रुपए की राशि जमा की गई।

मुख्यमंत्री ने इस योजना को आगे और मजबूत करने के संकेत दिए हैं। भविष्य में राशि बढ़ाने के साथ-साथ रोजगार आधारित उद्योगों में काम करने वाली बहनों को 5 हजार रुपए तक अतिरिक्त सहायता देने की भी घोषणा की गई है। हालांकि, आर्थिक बोझ के कारण यह योजना शासन के लिए बड़ी चुनौती बनती जा रही है।

कार में आग लगाने वाला एक नकाबपोश हिरासत में आया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बाइक पर सवार होकर आए दो नकाबपोश बदमाशों ने रविवार सोमवार रात व्यवसायी की कार में आग लगा दी। फुटेज सामने आने के बाद पुलिस ने पहचान कर एक बदमाश को हिरासत में ले लिया है जिससे पूछताछ कर दूसरे की तलाश की जा रही है। माधवनगर थाना क्षेत्र के एलपी भार्गव नगर में गारमेंट और रियल स्टेट व्यवसाय से जुड़े नरेश धनवानी ने अपनी कार क्रमांक एमपी 13 पी 1313 घर के बाहर खड़ी की थी। रात 2.30 बजे के लगभग उनकी कार को आग लगा दी गई थी। दमकल मौके पर पहुंची थी और आग पर काबू पाया। इस दौरान कार पूरी तरह से जल चुकी थी। आगजनी की सूचना पर माधव नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। धनवानी परिवार और आसपास रहने वालों के यहां लगे सीसीटीवी कैमरो के फुटेज देखे गए, जिसमें आगजनी की पूरी घटना कैद दिखाई दी। दो नकाबपोश दिखाई दिए थे जिनकी पहचान कर तलाश शुरू की गई थी, पुलिस ने एक बदमाश को पहचान कर उसे हिरासत में लिया है जिससे पूछताछ की जा रही है दूसरा सावन होना सामने आया है जिसकी तलाश जारी है संभावना है कि आज शाम तक पुलिस मामले का खुलासा कर सकती है। बताया जा रहा है कि बदमाशों ने पहले कार का कांच फोड़ा था और उसमें ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगाई थी पूछताछ के बाद ही खुलासा हो पाएगा की आग लगाने की वजह क्या रही है।

गली-मोहल्लों के बाद मेन लाइनों की जांच शुरू

प्रस्ताव तैयार कर काम शुरू कराएंगे, अलग-अलग चरणों में चलेंगे काम

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम की टीमें हर रोज अलग-अलग क्षेत्रों में गंदे पानी की शिकायतों की पड़ताल करने पहुंच रही है तो कई जगह सबसे ज्यादा ड्रेनेज चोक होने के साथ-साथ सड़ी हुई पाईप लाइनों के कारण दिक्कतें आ रही हैं। इनमें पहले दौर में करीब सवा सौ स्थान ऐसे चयनित किए गए हैं, जहां लाइनें बदली जाना जरूरी है। अब इन स्थानों के प्रस्ताव बनाकर आला अधिकारियों को भेजे जा रहे हैं।

इंदौर के भागीरथपुरा में हुए दूषित पानी कांड के बाद नगर निगम ने उज्जैन शहर के हर क्षेत्र में आने वाली गंदे पानी की शिकायतों के साथ ड्रेनेज लाइनों के चोक होने के मामलों की पड़ताल के लिए कई टीमें बनाई हैं, साथ ही झोनलों पर भी उपयंत्री और सहायक यंत्रियों को इसकी जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। कंट्रोल रूम से लेकर ऐप और झोनलों पर आने वाली शिकायतों पर अब गली-मोहल्लों में निगम की टीमें पहुंचने लगी हैं। जिन स्थानों पर गंदे पानी की शिकायतें आ रही हैं, वहां लाइनों की पड़ताल करने के दौरान बड़े पैमाने पर यह बात सामने आई है कि पुरानी पाईप लाईनें सड़ जाने के कारण यह दिक्कत आ रही है। वहीं दूसरी ओर ड्रेनेज लाइनों के चोक होने के कारण भी हालात खराब हो रहे हैं। नगर निगम अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में शिकायत वाले स्थानों की पड़ताल कराई तो कई जगह सर्वाधिक लाइनें पुरानी होने और उनसे गंदा पानी आने की शिकायतें मिली है।

अलग-अलग चरणों में लाइनें बदलने की तैयारी- नगर निगम अधिकारियों के मुताबिक लगभग हर झोन के वार्डों में नर्मदा की सप्लाय लाइनों की पड़ताल की जा रही है और जिन स्थानों से शिकायतें आईं, वहां पड़ताल के बाद यह मामला सामने आया है कि लाइनें कई जगह ज्यादा खस्ताहाल हो गई, जिसके कारण नलों में गंदा पानी आ रहा है। ऐसे करीब 125 स्थान चिह्नित किए गए हैं, जहां नर्मदा की सप्लाय लाइनें अलग-अलग चरणों में बदली जाएंगी और इसके प्रस्ताव तैयार कर आला अधिकारियों को भेजे जा रहे हैं।

शराबी ने पत्नी और बेटे को ईट मारकर किया घायल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रात में शराबी ने पत्नी और बेटे से विवाद कर ईट से हमला किया। दोनों मां बेटे घायल हो गए।

मामला कथा का है जहां से मनीष गंगवाल और उसकी मां संतोष भाई को उपचार के लिए उज्जैन लाया गया है। दोनों के सर और हाथ पैर में चोट होने पर डॉक्टर ने उपचार के लिए भर्ती किया। मनीष ने बताया कि पिता प्रकाश गंगवाल शराब पीने के आदी हैं और आए दिन घर जाकर विवाद करते हैं रात में भी मम्मी से विवाद कर रहे थे। उसने बी बचाव का प्रयास किया तो घर के बाहर पड़ी ईट से हमला कर दिया जिसके चलते उसे चोट लगी वही मम्मी भी घायल हो गई। दोनों को खून निकलता देख आसपास के लोग उपचार के लिए अस्पताल लेकर आए हैं।

इधर पड़ोसियों ने की मारपीट

पंवासा स्थित शीतल पब्लिक स्कूल के पास रहने वाले प्रिंस पिता रमेश चंद्र टटवाल 23 वर्ष के साथ पड़ोस में रहने वाले पंकज और उसके तीन साथियों ने डंडे पत्थर से मारपीट की।

घायल प्रिंस ने बताया कि वह फर्नीचर का काम करता है उसका मकान एक मंजिला बना हुआ है। पड़ोसी का मकान दो मंजिला है वह उपरी मंजिल से उसकी छत पर कचरा फेंकता रहता है कचरा फेंकने से मना किया तो उसने मारपीट की है जिसमें मां इंदिरा बाई को भी चोट लगी है।

मंडी में बगैर अनुज्ञा का 135 क्विंटल सोयाबीन पकडा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। चिमनगंज कृषि उपज मंडी में एक व्यापारी का बगैर मंडी शुल्क का 135 क्विंटल सोयाबीन पकडा गया था। मामले में काफी देर विवाद की स्थिति बनने के बाद देर शाम को मंडी प्रशासन की और से कार्रवाई करते हुए मंडी अनुज्ञा शुल्क के साथ जुमार्ना वसूला गया है। मंडी प्रशासन को इससे 34 हजार से अधिक राशि की आय हुई है।

मंडी प्रशासन के सहायक निरीक्षक प्रीतम सिंह चौधरी के अनुसार सोमवार दोपहर उपरांत मारूति गतिमान नामक फर्म पर वाहन में 135 क्विंटल सोयाबीन लाया गया था। वाहन को मंडी में लाने के दौरान गेट पर तैनात कर्मचारी को गफलत में डाला गया था। इसकी जानकारी लगने पर मंडी में वाहन की ढूंढ करवाई गई। वाहन फर्म के सामने खडा होना सामने आया। इस पर फर्म पर जाकर संबंधित वाहन एवं सोयाबीन की अनुज्ञा की जानकारी लेने पर सामने आया कि बगैर अनुज्ञा ही सोयाबीन लाया गया था। व्यापारी का कहना था कि उसने किसानों से खरीदा है लेकिन वह सौदा पत्र भी नहीं दे पाया । इस पर वाहन को सोयाबीन सहित मंडी कार्यालय लाया गया था। यहां पर मंडी नियमों के अनुसार कार्रवाई करते हुए अनुज्ञा शुल्क की 5गुना राशि सहित 5 हजार रूपए जुमार्ना सहित कुल 34 हजार 484 रूपए की वसूली कर रसीद काटी गई। राशि अगले कार्य दिवस में मंडी प्रशासन के खाते में जमा होगी।

शहर के नौ स्थानों पर जल सुनवाई की गई-स्थानीय नागरिक अपने घरों के पानी का सैंपल लेकर शिविर पहुंचे

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुरूप तथा महापौर श्री मुकेश टटवाल एवं नगर निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव के मार्गदर्शन में 'स्वच्छ जल अभियान' अंतर्गत स्थानीय नागरिकों की पेयजल संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए और सभी को स्वच्छ पेयजल सुनिश्चित करने के लिए शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जल सुनवाई शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसी अनुक्रम में मंगलवार को शहर के नौ स्थानों जूना सोमवारिया टंकी, महाश्वेता नगर टंकी, इंदिरा नगर टंकी, देवास गेट टंकी, त्रिवेणी विहार टंकी, छत्रपति शिवाजी भवन, नगर निगम, कोयला फाटक, कलेक्टोरेट, कोठी रोड, सिंधी कॉलोनी, टंकी, वृंदावन पुरा टंकी पर जल सुनवाई का आयोजन किया गया।

उल्लेखनीय है कि इंदिरा नगर के निवासियों द्वारा अपने घरों के पानी के सैंपल की जांच शिविर में करवाई गई। जांच में पानी शुद्ध क्लोरिन युक्त पाया गया। रहवासियों ने भी कहा कि आवश्यक सावधानी के लिए उन्होंने पेयजल के सैंपल की जांच कराई। उनके घरों में स्वच्छ पेयजल प्रदाय किया जा रहा है। साथ ही पीएचई विभाग के अधिकारी भी घर-घर पहुंचकर पानी की सैंपलिंग करते हुए लगातार पानी की जांच कर रहे है। इसी क्रम में जिले के सभी नगरीय निकाय और जनपद पंचायतों में भी वार्ड स्थल पर जल सुनवाई का आयोजन किया गया।

जल सुनवाई में जल कार्य समिति के प्रभारी श्री प्रकाश शर्मा, स्थानीय पार्षद एवं नगर निगम तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारीगण उपस्थित थे। जल सुनवाई में नागरिकों की पेयजल लिकेंज संबंधी, नल कनेक्शन संबंधी, बोरवेल संबंधी, हेंडपंप संबंधी समस्याओं का निवारण किया गया।